{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 13 नवम्बर 2025
मार्गशीर्ष कृष्ण 08 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 17, अंक 51
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

संसेक्स	~	84,466.51
निफ्टी	~	25,875.80
सोना	~	1,25,510
चांदी	~	1,62,000
डॉलर	~	88.60

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

एक्टर धर्मेंद्र अस्पताल से डिस्चार्ज

मुंबई। एक्टर धर्मेंद्र को बुधवार सुबह मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। उनके परिवार ने फैसला किया है कि अब उनका इलाज घर पर ही किया जाएगा। यह जानकारी उनके डॉक्टर ने दी। मीडिया से बात करते हुए डॉ. प्रतीत समदानी ने बताया कि धर्मेंद्र पिछले कई हफ्तों से कभी अस्पताल में भर्ती हो रहे थे, तो कभी घर लौट रहे थे। उन्हें सुबह करीब 7:30 बजे अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया। वहीं, धर्मेंद्र के डिस्चार्ज होने के बाद परिवार ने प्राइवेसी की अपील करते हुए आधिकारिक बयान में कहा कि धर्मेंद्र जी को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और अब वे घर पर आराम करेंगे। हम मीडिया और लोगों से अनुरोध करते हैं कि वे किसी तरह की अफवाह न फैलाएं और इस समय उनकी तथा परिवार की प्राइवेसी का सम्मान करें।

अभिनेता गोविंदा की तबीयत अचानक बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा की तबीयत ने सभी को चिंतित कर दिया है। 61 वर्षीय गोविंदा मंगलवार रात मुंबई के जुहू स्थित अपने आवास पर अचानक बेहोश हो गए, जिसके बाद उन्हें तुरंत जुहू के क्रिटिकेयर अस्पताल में भर्ती कराया गया। वह फिलहाल डॉक्टरों की निगरानी में हैं और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। उनके कानूनी सलाहकार और दोस्त ललित बिंदल ने इसकी पुष्टि की है। ललित बिंदल ने कहा कि गोविंदा मंगलवार रात मुंबई स्थित अपने आवास पर अचानक बेहोश हो गए। डॉक्टर से सलाह लेने के बाद उन्हें दवा दी गई और रात 1 बजे अस्पताल के इमरजेंसी रूम में भर्ती कराया गया।

कार के सीक्रेट चैंबर से मिले 3 करोड़

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में पुलिस ने महाराष्ट्र पासिंग क्रेटा कार से 3 करोड़ रुपए नकद बरामद किए हैं। यह रकम कार में बनाए गए सीक्रेट चैंबर में छिपाकर रखी गई थी। कार में सवार दो लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। मामला बालोद थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, बुधवार सुबह करीब 8 से 9 बजे के बीच गुंडरदेही इलाके में पुलिस वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस को देखकर कार सवार भागने लगे। बालोद पुलिस ने तुरंत नाकाबंदी की और बालोद-दुर्ग मुख्य मार्ग स्थित पडक़ीभाठ बायपास के पास कार को रोक लिया। कार की तलाशी के दौरान सीट के नीचे एक सीक्रेट चैंबर मिला। चैंबर में ताला लगा हुआ था, जिसे खोलने पर पुलिस को 500 और 100 रुपए के नोटों के बंडल में कुल 3 करोड़ रुपए नकद मिले। यह कार्रवाई मुखबिर की सूचना के आधार पर की गई। कैश गिनने के लिए बालोद पुलिस ने एसबीआई बैंक से नोट गिनने की मशीन मंगवाई थी।

कुछ ना कहना

आतंकी घटना

केंद्र सरकार ने दिल्ली लालकिला ब्लास्ट को आतंकी करतूत माना

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 10 नवंबर की शाम को दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार विस्फोट से जुड़ी आतंकवादी घटना में हुई जानमाल की हानि पर गहरा दुख व्यक्त किया। मंत्रिमंडल ने मारे गए निर्दोष लोगों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा। मंत्रिमंडल की ओर से पारित प्रस्तावों में कहा गया कि देश ने सोमवार को लाल किले के पास राष्ट्र-विरोधी ताकतों द्वारा अंजाम दी गई एक जघन्य आतंकवादी घटना देखी है। इस विस्फोट में कई लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। मंत्रिमंडल हिंसा के इस मूर्खतापूर्ण कृत्य के पीड़ितों के प्रति

गहरी श्रद्धांजलि अर्पित करता है और शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है। मंत्रिमंडल सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता है और पीड़ितों की देखभाल और सहायता प्रदान करने वाले चिकित्सा कर्मियों और आपातकालीन प्रतिक्रियाकर्ताओं के त्वरित प्रयासों की सराहना करता है।

मंत्रिमंडल इस नृशंस और कायराना कृत्य की स्पष्ट रूप से निंदा करता है, जिसके कारण निर्दोष लोगों की जान गई है। मंत्रिमंडल आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता दोहराता है। मंत्रिमंडल ने अधिकारियों, सुरक्षा एजेंसियों और नागरिकों की समय पर और समन्वित प्रतिक्रिया की सराहना की, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में साहस और करुणा के साथ कार्य किया। मंत्रिमंडल ने कहा कि उनका समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा अत्यंत प्रशंसनीय है। मंत्रिमंडल ने निर्देश दिए कि घटना की जांच अत्यंत तत्परता और पेशेवर तरीके से की जाए ताकि अपराधियों, उनके सहयोगियों और उनके प्रायोजकों की पहचान की जा सके और उन्हें बिना किसी देरी के न्याय के कटघरे में लाया जा सके। सरकार के द्वारा स्थिति पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

दिल्ली ब्लास्ट : टारगेट पर थे 3 शहर, पावरफुल आईईडी बनाने की थी तैयारी, एक साथ कई धमाके, फायरिंग से करना था कत्लेआम

200 बमों से 26/11 जैसे हमले की थी साजिश

दिल्ली धमाके को लेकर अब नए खुलासे हो रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आतंकियों की 200 बम से 26/11 जैसे हमले की साजिश थी। दिल्ली, गुरुग्राम और फरीदाबाद को निशाना बनाया जाना था। दिल्ली के लाल किला, इंडिया गेट, कॉन्स्टिट्यूशन क्लब और गौरी शंकर मंदिर जैसे प्रमुख स्थलों को चुना था। इनके अलावा, देशभर के रेलवे स्टेशनों और बड़े मॉल्स भी टारगेट पर थे।

सूत्रों के मुताबिक, यह साजिश जनवरी से ही चल रही थी। आतंकी मॉड्यूल का संबंध पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद संगठन से बताया जा रहा है। आतंकी पिछले कई महीनों से 200 बम बनाने की तैयारी कर रहे थे। जांच एजेंसियों का कहना है कि आतंकियों का मकसद धार्मिक स्थलों पर हमला कर देश में सांप्रदायिक तनाव फैलाना था। इसके लिए उन्होंने कश्मीर के पुलवामा, शोपियां और अनंतनाग के कुछ डॉक्टरों को चुना, ताकि वे बिना रोकटोक कहीं भी जा सकें।

गुरुग्राम में मुंबई अटैक जैसा सुरक्षा प्लान बना

दिल्ली में लाल किले के पास 10 नवंबर की शाम हुए ब्लास्ट में गुरुग्राम और फरीदाबाद पुलिस की जांच में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। हरियाणा पुलिस के एक सीनियर अफसर ने बताया कि इस आतंकी मॉड्यूल ने 200 से ज्यादा पावरफुल बम तैयार करनी थी। इसीलिए 2900 किलो विस्फोटक के साथ टाइमर व बम बनाने वाली अन्य चीजें लाई गईं थी। यह भी पता चला है कि यह आतंकी मुंबई में 26/11 हमले की तर्ज पर बड़े धमाकों की प्लानिंग में थे। जिसमें एक साथ कई शहरों में सिर्फ धमाके ही नहीं करने थे बल्कि एके-56 व एक-47 जैसी राइफल से पब्लिक प्लेस पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर लोगों का कत्लेआम करना था। यही नहीं, इन्होंने हाईप्रोफाइल टारगेट्स के साथ अस्पतालों को भी निशाना बनाना था ताकि धमाके और फायरिंग की सूरत में एकदम से मेडिकल मदद न मिल सके। इससे मैक्सिमम केजुअल्टी होगी। इस खुलासे के बाद गुरुग्राम पुलिस ने मुंबई हमले जैसी सिक्योरिटी एसओपी तैयार कर ली है। जिसके जरिए भीड़भाड़ वाली जगहों से लेकर अस्पतालों तक की निगरानी भी बढ़ाई गई है।

दिल्ली और उत्तर प्रदेश थे टारगेट

पुलिस जांच में पता चला कि इस आतंकी मॉड्यूल के टारगेट पर सिर्फ दिल्ली नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश भी था। हरियाणा पुलिस के एक सीनियर अफसर ने बताया कि दिल्ली में इनकी प्लानिंग लाल किला, इंडिया गेट, कांस्टीट्यूशन क्लब के अलावा यूपी में धार्मिक स्थलों को खासतौर पर निशाना बनाने की प्लानिंग थी, ताकि साम्प्रदायिक तनाव भडक़ सके। पुलिस जांच के मुताबिक यह मॉड्यूल पूरी प्लानिंग के साथ काम कर रहा था। डॉक्टरों वाले इस व्हाइट कॉलर आतंकी मॉड्यूल का बेस जानबूझकर फरीदाबाद में बनाया गया। यहां ये लोग अल फलाह यूनिवर्सिटी में जॉब भी करते थे, इसलिए किसी को शक होने की गुंजाइश नहीं थी।

सुसाइड कार बॉम्बिंग जैसा हमला नहीं था

सूत्रों के अनुसार, कार ने किसी टारगेट को टक्कर नहीं मारी, न किसी बिल्डिंग में घुसी, यानी यह सुसाइड कार बॉम्बिंग जैसा हमला नहीं था। उमर विस्फोट में मारा जा चुका है। पुलिस ने उसकी मां का डीएनए सैंपल लिया है, ताकि धमाके के अवशेष में मिले शव के टुकड़ों की पहचान हो सके। लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास सोमवार शाम करीब 6.52 बजे सफेद आई 20 कार में ब्लास्ट हुआ था। इसमें 12 लोगों की मौत हुई। सूत्रों का कहना है कि कार में विस्फोट सामाग्री वही थी, जो फरीदाबाद से 10 नवंबर को धमाके से पहले जब्त की गई थी।

शादी में बना आतंकियों का ग्रुप

दिल्ली में लाल किला के पास 10 नवंबर को हुए धमाके के पीछे जैश-ए-मोहम्मद का नया वाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल (आतंकियों का ग्रुप) उजागर हुआ है। इस मॉड्यूल में डॉक्टर, प्रोफेसर और महिला सदस्य शामिल थे, जो पाकिस्तानी हैंडलर्स के सीधे संपर्क में थे। जांच में पता चला है कि यह नेटवर्क मेडिकल प्रोफेशन और शैक्षणिक संस्थानों की आड़ में काम कर रहा था, और हरियाणा के फरीदाबाद, जम्मू-कश्मीर के पुलवामा और यूपी के सहारनपुर सहित कई इलाकों से जुड़ा था। इसकी शुरुआत धमाके से 37 दिन पहले 4 अक्टूबर को सहारनपुर में एक शादी से हुई थी। इसके बाद ग्रुप ने फौजियों को धमकाने वाले पोस्टर, हथियार, विस्फोटक और फंडिंग के नेटवर्क तैयार करना शुरू किया। सुरक्षा एजेंसियों को कश्मीर में 19 अक्टूबर को जैश के पोस्टर दिखने से मॉड्यूल के एक्टिव होने का सुराग मिला। जांच में सामने आया कि नेटवर्क की सबसे अहम महिला सदस्य डॉ. शाहीन सईद थी। वह जैश सरगना मसूद अजहर की बहन सादिया अजहर से जुड़ी थी।

4 अक्टूबर को एक्टिव हुआ था मॉड्यूल

जांच में पता चला कि यह मॉड्यूल 4 अक्टूबर को एक्टिव हुआ था, जब सहारनपुर में डॉ. आदिल की शादी डॉ. रुकैया से हुई थी। शादी में कुछ 'खास मेहमान' शामिल थे, जिनकी पहचान एजेंसियां कर रही हैं। शादी के अगले दिन इस मॉड्यूल ने काम शुरू किया। इसका मकसद फौजियों को धमकाने वाले पोस्टर लगाना, हथियारों की सप्लाई और पैसों का इंतजाम करना था। डॉ. आदिल लॉजिस्टिक और फाइनेंशियल चैनल संभालता था। नेटवर्क का प्लान था कि मेडिकल प्रोफेशन की आड़ में फंडिंग और ट्रांसपोर्टेशन चैनल बनाए जाएं।

8 शवों की पहचान...2 अन्य बॉडी की पहचान बनी चुनौती

दिल्ली धमाके में मरने वालों में 10 में से 8 लोगों की पहचान हुई है। लेकिन दिल्ली पुलिस, एनआईए सहित अन्य एजेंसियों के सामने 2 अन्य बॉडी के पहचान की चुनौती है। ये बॉडी हालत में हैं जहां प्रचलित तौर तरीकों की मदद से इनकी पहचान स्थापित करना करीब असंभव है। एक बॉडी ऐसी है जिसका सिर ही मौजूद नहीं है। जबकि 2 सिर्फ बॉडी पार्ट्स ही है। इसमें एक पेट का हिस्सा है और दूसरी कटी उंगलियां हैं। इसके बाद इन दो शवों की पहचान असंभव है।

एग्जिट पोल के दावों को दरकिनार करते हुए तेजस्वी बोले

लिख लो, 14 नवंबर को मैं बनूंगा मुख्यमंत्री

पटना(ईएमएस)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर जारी एग्जिट पोल भले ही अलग-अलग नतीजे दिखा रहे हों, लेकिन महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरा तेजस्वी यादव ने सरकार बनने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने इस बार पूरी मजबूती से बदलाव के पक्ष में मतदान किया है और महागठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलने जा रहा है।

तेजस्वी यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा कि बिहार की जनता का आशीर्वाद हमें मिल चुका है। आप लोग मेरी बात लिख लीजिए, 14 नवंबर को मैं मुख्यमंत्री बनने जा रहा हूं। उन्होंने आगे कहा कि इस बार लोगों का उत्साह और समर्थन 1995 से भी बेहतर देखने को मिला है। जनता ने भारी मतदान कर मौजूदा सरकार के खिलाफ वोट दिया है। यह जनता का स्पष्ट जनादेश है कि अब बिहार में बदलाव तय है। महागठबंधन के नेता ने कहा कि वे सबसे पहले सभी सहयोगी दलों, कार्यकर्ताओं और मतदाताओं का दिल से आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढक़र भाग लिया। तेजस्वी ने कहा कि लोगों ने बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार के खिलाफ वोट दिया है और आने वाला परिणाम बिहार की नई दिशा तय करेगा।

18 को होगा शपथ ग्रहण

तेजस्वी यादव ने एग्जिट पोल पर कहा कि हमने पहले भी कहा था कि 14 तारीख को नतीजे होंगे और 18 को शपथ ग्रहण होगा। यह निश्चित तौर पर होने जा रहा है, भाजपा और एनडीए के पसीने छूट रहे हैं। वे लोग बौखलाहट में हैं और बेचैन हैं। कल वोटिंग के दौरान लोग बड़ी कतारों में खड़े थे। लोग खड़े रहे और एग्जिट पोल आता है यानी मतदान अभी खत्म नहीं हुआ कि एग्जिट पोल आ गया। इस तरह के सर्वे को लेकर हम न किसी खुशफहमी में रहते हैं और न ही गलत फहमी में रहते हैं। ये सर्वे केवल मनोवैज्ञानिक तौर पर जितने भी अधिकारी चुनाव में लगे हुए हैं, उनके दबाव में लाया गया है। तेजस्वी यादव ने आगे कहा कि 2020 की अगर तुलना इस बार से की जाए तो 72 लाख लोगों ने ज्यादा मतदान किया है। यह काफी बड़ा आंकड़ा है और हर विधानसभा में वोट बढ़े हैं। यह मत बदलाव के लिए पड़े हैं। सरकार बदलने जा रही है।

आईआईटी बॉम्बे ने भारत का पहला स्वदेशी क्वांटम डायमंड माइक्रोस्कोप विकसित किया

नई दिल्ली। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (एनक्यूएम) के तहत, आईआईटी बॉम्बे में पी-क्वेस्ट समूह ने गतिशील चुंबकीय क्षेत्र इमेजिंग के लिए भारत का पहला स्वदेशी क्वांटम डायमंड माइक्रोस्कोप (क्यूडीएम) विकसित किया है। यह एक ऐसी सफलता है जो क्वांटम सेंसिंग में एक मील का पत्थर है और इसने भारत को इस क्षेत्र में अपना पहला पेटेंट दिलाया है। इस तकनीक की औपचारिक घोषणा हाल ही में संपन्न इमर्जिंग साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन कॉन्क्लेव के दौरान की गई। यह उपकरण न्यूरोसाइंस और मटेरियल रिसर्च में बड़े बदलाव लाने की क्षमता रखता है, साथ ही सेमीकंडक्टर चिप्स के नॉन-डिस्ट्रक्टिव विश्लेषण में भी नई संभावनाएँ खोलता है, क्योंकि यह एन्कैप्सुलेटेड चिप की 3ष्ठ परतों में चुंबकीय क्षेत्र की मैपिंग करने में सक्षम है। घोषणा के अवसर पर केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. अजय के. सूद सहित अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिक उपस्थित थे। प्रो. कस्तुरी साहा के नेतृत्व में विकसित यह तकनीक डायमंड में उपस्थित नाइट्रोजन-वैकेंसी सेंटर्स पर आधारित है, जो नैनोस्केल पर त्रि-आयामी चुंबकीय क्षेत्र की इमेजिंग के लिए एक शक्तिशाली प्लेटफॉर्म प्रदान करती है।

एक्ट्रेस कंगना पर आगरा में चलेगा राष्ट्रद्रोह का केस

-स्पेशल जज ने याचिका स्वीकार की, कहा था- किसान आंदोलन में रेप-मर्डर हुए

आगरा। आगरा में कंगना रनोट के खिलाफ किसानों के अपमान और राष्ट्रद्रोह का केस चलेगा। बुधवार को जिला अदालत ने कंगना के खिलाफ दायर रिवीजन को स्वीकार कर लिया। कोर्ट ने कहा- जिस

निचली अदालत ने कंगना के वाद को निरस्त किया था। अब उसी कोर्ट में इस मामले की सुनवाई होगी। हिमाचल प्रदेश के मंडी से भाजपा सांसद कंगना रनोट के खिलाफ किसानों के अपमान और राष्ट्रद्रोह का वाद दायर है। उन पर राष्ट्रद्रोह का केस दर्ज कराने की मांग की गई है। आगरा में स्पेशल जज एमपी-एमएलए लोकेश कुमार की कोर्ट में इसकी सुनवाई हुई। वकील रमाशंकर शर्मा ने 11 सितंबर 2024 को कंगना रनोट के खिलाफ अदालत में राष्ट्रद्रोह का आरोप लगाकर वाद दायर किया था। आरोप लगाया था कि कंगना ने 26 अगस्त 2024 को एक इंटरव्यू में किसानों के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की थी। जिससे उनकी और लाखों किसानों की भावनाओं को ठेस पहुंची है। दो दिन पहले, यानी 10 नवंबर को कंगना की सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता अनुसूया चौधरी, उनकी जूनियर अधिवक्ता सुधा प्रधान और अधिवक्ता विवेक शर्मा कोर्ट पहुंचे।

पुलिस की एकतरफा कार्रवाई से नाराज ग्रामीणों ने कहा-पुलिस अधीक्षक दोषियों को दंडित करें!!

रेंगाटोला में रेत ठेकेदार और ग्रामीणों के बीच विवाद को लेकर सरपंच सहित ग्रामीणों ने निष्पक्ष जांच की मांग रखी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

ग्राम पंचायत रेंगाटोला सहित आसपास की ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने जिला पंचायत सदस्य मनोज टेम्भरे के नेतृत्व में बुधवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एसपी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बीते दिनों ग्राम पंचायत रेंगाटोला में रेत ठेकेदार और ग्रामीणों के बीच मारपीट की घटना हुई थी, लेकिन इस प्रकरण में पुलिस ने रेत ठेकेदार के दबाव में आकर ग्रामीणों पर ही मामले दर्ज कर बड़ी धाराएं लगा दीं। ग्रामीणों ने बताया कि घटना के बाद जब उन्होंने अपनी शिकायत दर्ज कराने का प्रयास किया, तो पुलिस ने ग्रामीणों की कोई बात नहीं सुनी और न ही उनका आवेदन स्वीकार किया। ग्रामीणों का कहना है कि इस पूरी कार्यवाही में एकतरफा रवैया अपनाया गया है, जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है। ज्ञापन में ग्रामीणों और सरपंचों ने मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी आग्रह किया कि पुलिस प्रशासन किसी भी दबाव में आए बिना दोनों पक्षों की बात सुनकर न्यायसंगत कार्रवाई करे।

जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत रेंगाटोला और आसपास के क्षेत्रीय ग्रामीणों में रेत ठेकेदारों की मनमानी को लेकर आक्रोश बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में 12 नवंबर को बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन देने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में जिला पंचायत सदस्य मनोज टेंभरे, ग्राम पंचायत रेंगाटोला की सरपंच अनिता बिसेन सहित क्षेत्र के अन्य सरपंच और ग्रामीण शामिल रहे। ज्ञापन सौंपने के दौरान सरपंच अनिता बिसेन ने बताया कि 7 नवंबर को ग्राम पंचायत क्षेत्र में रेत ठेकेदारों के कर्मचारियों और ग्राम के युवाओं के बीच विवाद और मारपीट की घटना हुई थी। घटना के बाद ग्रामीणों ने पुलिस से शिकायत करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने ग्रामीणों की बात सुने बिना सीधे उन्हीं पर कार्रवाई करते हुए गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि रेत ठेकेदारों के दबाव में पुलिस ने एकतरफा कार्रवाई की, जबकि ग्रामीणों की ओर से दिए गए आवेदन और शिकायतों पर किसी भी प्रकार का संज्ञान नहीं लिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में ठेकेदारों के कर्मचारी देर रात तक घूमते रहते हैं, जिससे गांवों का माहौल लगातार बिगड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में कई ऐसे रेत घाट हैं जो स्वीकृत नहीं हैं, इसके बावजूद ठेकेदारों के लोग उन घाटों पर जाकर रेत निकालने वाले ग्रामीणों के साथ मारपीट और धमकाने की घटनाएं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 7 नवंबर की घटना भी इसी तरह के विवाद से जुड़ी है, जिसमें ठेकेदारों के लोगों ने गांव में घुसकर युवकों के साथ हाथापाई और मारपीट की। ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि गांव में रात्रि के समय अनाधिकृत रूप से घूमने वाले ठेकेदारों और उनके कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं दोबारा न हों। साथ ही उन्होंने आग्रह किया कि पुलिस प्रशासन इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोनों पक्षों की बात सुने, ताकि निर्दोष ग्रामीणों पर गलत कार्रवाई न हो। ग्रामीणों ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो क्षेत्र की जनता बड़ा आंदोलन करने को विवश होगी, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

विधायक अनुभा मुंजारे ने वार्ड 11 का जायजा लिया

मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे वार्ड नं 11 में वाशिंदे

पक्की सड़क ,पक्की नाली,पानी निकासी की व्यवस्था न बनने पर जताई नाराजगी

कहा- वार्डवासियों से मिली शिकायत का करेंगे समाधान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर का वार्ड नंबर 11 अपनी बदहाली पर आंसू बहता नजर आ रहा है जहां जगह-जगह गंदगी, कचरे के ढेर लगे हुए हैं तो वही पक्की सड़क, पक्की नाली और पानी निकासी की पर्याप्त व्यवस्था न होने के चलते स्थानीय वार्ड वासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वार्ड वासियों से लगातार मिल रही शिकायतो को दृष्टिगत रखते हुए विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने वार्ड पार्षद सरिता उइके और अन्य वार्ड वासियों को साथ लेकर वार्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वार्ड के कई हिस्सों में पक्की नालियों का निर्माण और पानी निकासी के पर्याप्त इंतजाम न होने पर अपनी नाराजगी जताते हुए जल्द से जल्द पक्की सड़क नाली और पानी निकासी के इंतजाम किए जाने की बात कही, तो वहीं उन्होंने वार्ड वासियों से मिली शिकायत के समाधान के लिए वार्डवासियों का भरपूर सहयोग किए जाने की भी बात कही है।

समस्या के निराकरण के लिए किया जाएगा भरपूर सहयोग- मुंजारे

विधायक अनुभा मुंजारे ने बताया कि लगातार वार्ड पार्षद और वार्ड वासियों से शिकायत मिल रही थी इसीलिए आज वार्ड नंबर 11 का निरीक्षण किया गया है। यहां पर सबसे अधिक समस्या पानी निकासी की है, पक्की नाली का निर्माण नहीं कराया गया है जिसके चलते यहां निजी प्लांट में नाली का पानी जाकर एकत्र हो रहा है।सबसे ज्यादा दिक्कत यहां बरसात के दिनों में होती है, यहां एक निजी बड़े प्लाट में पानी भर जाता है तालाब की तरह पानी भरा रहता है और यही पानी बरसात में लोगों के घरों में घुसता है। जिससे सांप बिच्छू और जहरीले जीव जंतु लोगों के घर में पहुंच जाते हैं। यहां पक्की सड़कों की भी जरूरत है, नगर पालिका ने वार्ड नंबर 11 में विशेष ध्यान देने की जरूरत है। यहां पक्की सड़क, पक्की नाली व पानी निकासी की व्यवस्था करनी चाहिए, वार्ड वासियों ने जो हमें समस्या बताई हैं उसके तहत निरीक्षण किया गया है। इन समस्याओं के समाधान के लिए हम वार्ड वासियों का भरपूर सहयोग करेंगे।

नर्मदा नगर में श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शिव महिला मंडल, नर्मदा नगर बालाघाट द्वारा संगीतमय श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 6 नवंबर से 13 नवंबर तक शिव मंदिर, नर्मदा नगर, वार्ड क्रमांक 32 में आयोजित हो रहा है। समिति की सदस्याओं ने बताया कि 6 नवंबर, गुरुवार को कलश यात्रा के साथ कथा का शुभारंभ किया गया। सुबह 9 बजे से कलश यात्रा निकाली गई, जिसके पश्चात भागवत कथा का आरंभ हुआ। कथा का वाचन प्रख्यात भागवताचार्य पंडित भुवनकृष्ण दुबे के श्रीमुख से किया जा रहा है। कथा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित की जा रही है, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं एवं विभिन्न अवतारों का वर्णन किया जा रहा है। आयोजन समिति ने जानकारी दी कि सात दिनों तक चलने वाले इस ज्ञान यज्ञ में प्रतिदिन अलग-अलग प्रसंगों का वर्णन किया जा रहा है। पहले दिन 7 नवंबर को सृष्टि वर्णन, वराह अवतार एवं कपिल देवहूति संवाद, 8 नवंबर को ध्रुव चरित्र, भरत चरित्र एवं नरसिंह अवतार, 9 नवंबर को समुद्र मंथन, वामन चरित्र, राम अवतार एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, 10 नवंबर को बाल लीलाएं, गिरिराज पूजन एवं छप्पन भोग, 11 नवंबर को श्रीकृष्ण मथुरा गमन एवं रुक्मिणी विवाह, जबकि 12 नवंबर को श्रीकृष्ण सुदामा मिलन और परीक्षित मोक्ष का प्रसंग सुनाया गया। कार्यक्रम का समापन 13 नवंबर, गुरुवार को हवन, पूर्णाहुति एवं महाप्रसाद वितरण के साथ किया जाएगा। समिति की सदस्याओं ने बताया कि यह आयोजन धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है तथा इसमें नर्मदा नगर सहित आसपास के क्षेत्रों के श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं। कृष्ण अवतार के दिन सभी श्रद्धालुओं ने कथा का अत्यंत आनंद लिया। इस अवसर पर नन्हे बच्चे को श्रीकृष्ण का रूप धारण कर लाया गया, जहां संगीत की धुनों पर जब श्रीकृष्ण अवतार हुआ, तो सभी श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से नृत्य करते हुए कथा का श्रवण किया। श्रद्धालुओं ने झूला झूलते हुए नन्हे श्रीकृष्ण के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। समिति ने बताया कि 13 नवंबर को इस श्रीमद् भागवत कथा का समापन होगा। अंतिम दिन समिति ने सभी श्रद्धालु भक्तों से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर श्रीमद् भागवत कथा श्रवण करने की अपील की है।

नागरिक उठा रहे हेलमेट अभियान पर सवाल

नगरीय व पंचायत क्षेत्र में अनिवार्य नहीं है हेलमेट का पालन, हेलमेट को लेकर व्हाट्सएप ग्रुप पर चल रही भ्रामक जानकारी, हाई कोर्ट के आदेश जानकार लोग हो रहे भ्रमित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

लगातार बढ़ती जा रही सड़क दुर्घटना में,घायल होने,और बढ़ रहे मौत के आंकड़ों को देखते हुए, संपूर्ण प्रदेश में नो हेलमेट नो राइट अभियान शुरू किया गया है।जिसके तहत वाहन चलाते वक्त हेलमेट न पहनने वाले वाहन चालकों से जुर्माने की राशि वसूल की जा रही है। इसका उद्देश्य मात्र इतना है कि ज्यादा से ज्यादा लोग हेलमेट पहने और सड़क दुर्घटनाओं से सुरक्षित रहे। उसी के तहत नगर में 1 नवंबर से नो हैलमेंट- नो राइट अभियान शुरू किया गया है। जिसके तहत पुलिसकर्मियों द्वारा चौक चौराहो व मार्गो में खड़े होकर बिना हेलमेट पहने वाहन चलाने वाले ,वाहन चालकों पर चालानी कार्यवाही तक जुर्माना वसूला जा रहा है। लेकिन अब इस कार्रवाई पर शहर के नागरिक सवाल उठाने लगे हैं जिसकी प्रमुख वजह व्हाट्सएप ग्रुप पर धड़ल्ले से प्रसारित हो रहा हाई कोर्ट का कथित मैसेज बताया जा रहा है, इसको लेकर सवाल उठाते हुए स्थानिय नागरिक ने नगरी क्षेत्र के भीतर , नगर पंचायत व ग्रामीण इलाकों में हेलमेट की अनिवार्यता को समाप्त किए जाने की बात कही है, तो वहीं उन्होंने केवल और केवल हाईवे रूट या फिर लंबी दूरी तय करने पर ही हेलमेट की अनिवार्यता किए जाने की मांग की है।

क्या है कथित हाई को आदेश का भ्रमित मैसेज

आपको बताए कि हैलमेंट से जुड़ा एक मैसेज इन दिनों सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है उस मैसेज को हाई कोर्ट का आदेश बताकर शोशल मीडिया से धड़ल्ले से वायरल किया जा रहा है जिसे पढ़कर लोग भ्रमित हो रहे हैं। ब्रेकिंग न्यूज़ -हेलमेट मुक्त के नाम से चलाए जा रहे इस मैसेज में इस बात का उल्लेख किया गया है कि सभी राज्यो में अभी तक की जो हेलमेट चेकिंग चल रही थी उसे कोर्ट ने खारिज कर दिया है ,सागरकुमार जैन के याचिका के मुताबिक महानगरपालिका की दायरों के अंदर हेलमेट का उपयोग वाहन चालक पर अनिवार्य नहीं होगा जिस रास्ते को राज्य मार्ग या हाईवे का दर्जा प्राप्त हुआ है वहां पर हेलमेट पहनना अनिवार्य होगा इसके बाद अगर कोई भी ट्रैफिक वाला या कोई पुलिस वाला आपसे हेलमेट क्यों नहीं पहना पूछता है तो आप उसे कह सकते हो कि मैं महानगरपालिका नगरपालिका पंचायत समिति शहर के हद में हूं। वायरल किए जा रहे इस मैसेज के नीचे संयुक्त अधिवक्ता महासंघ प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र प्रताप सिंह चौहान अधिवक्ता का नाम दर्ज है। तो वही वायरल हो रहे इस मैसेज में मो.नं.9452680100,और 8299683093 का उल्लेख भी किया गया है। इसी मैसेज को पढ़कर लोग भ्रमित हो रहे हैं और हेलमेट कार्रवाई का विरोध कर रहे हैं। हालांकि मैसेज की हार्ड कॉपी या कथित आदेश की प्रतिलिपि किसी के पास भी नहीं है लेकिन इसी मैसेज को आधार बनाकर लोग भ्रमित होकर नगरी क्षेत्र में चल रही हैलमेंट कार्रवाई का विरोध करने लगे है।

हम हाईकोर्ट के आदेश की कॉपी मंगवाने का इंतेजाम कर रहे है

हैलमेंट कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए वार्ड 2 निवासी राजेंद्र गोस्वामी ने बताया कि यह अभियान जनहित की बजाय चालान काटने और धन कमाने की नीयत से चलाया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को महज़ आधा या एक किलोमीटर की दूरी पर जाना हो, मार्केट या शहर के भीतर किसी काम से जाना हो तो ऐसे लोगों पर चालान की कार्रवाई करना उचित नहीं है। हेलमेट सुरक्षा के लिए जरूरी, लेकिन हर जगह नहीं।उन्होंने बताया कि हैलमेंट सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, परंतु इसकी लागू सीमा उचित रूप से तय की जानी चाहिए। नगर पालिका, नगर पंचायत या ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की सख्त कार्रवाई नहीं होनी चाहिए, जबकि राजमार्ग या लंबी दूरी की तय करने वालों पर ही यह नियम सख्ती से लागू होना चाहिए।उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस का उद्देश्य अब सुरक्षा से अधिक चालान की संख्या बढ़ाना और धन अर्जित करना बन गया है। इसके चलते आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हमें व्हाट्सएप ग्रुप पर हाई कोर्ट का एक आदेश आया है जिसमें नगरी क्षेत्र में हेलमेट की अनिवार्यता नही होने की जानकारी दी गई है। जब उनसे पूछा गया कि हाई कोर्ट की हार्ड कॉपी है क्या?, तो उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि वे हाई कोर्ट के आदेश की उक्त कॉपी मंगाने का प्रयास कर रहे हैं।

हाई कोर्ट से ऐसी कोई आदेश नहीं आए हैं- वैशाली सिंह

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान नगर पुलिस निरीक्षक वैशाली सिंह कराहलिया ने बताया कि हाईकोर्ट ने ऐसे कोई आदेश नहीं दिए हैं। की नगरी क्षेत्र में हेलमेट पहनना अनिवार्य नहीं है। यह भ्रमित जानकारी व्हाट्सएप ग्रुप पर प्रसारित जा रही है। हमारे पास भी अलग-अलग प्लेटफार्म के माध्यम से ऐसी जानकारी आई है, जिसका हमने समय समय पर खंडन भी किया है।ऐसे कोई भी आदेश नहीं आए हैं, लोग ऐसी भ्रामक जानकारी में ना पड़े, व्हाट्सएप पर आने वाली सभी जानकारी सही नहीं होती, इससे बचे और लोगों को भी ऐसी भ्रामक जान कारी से दूर रहने के लिए कहें।

आवश्यकता है

होटल कान्हा इन बालाघाट होटल में काम करने वाले लड़कों की आवश्यकता है

मो. - 9993282223
9425139875

जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में 344 आदिवासी सेवा केन्द्रों में होगी जनुसनवाई

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में जिले के 344 आदिवासी सेवा केन्द्रों में जनसुनवाई का आयोजन किया जाएगा। जिसके लिए संकुल प्राचार्यों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। संकुल प्राचार्य जनसुनवाई के माध्यम से प्राप्त जानकारी जनजातीय कार्य विभाग की मंडल संयोजक सुश्री रीनल उइके को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा 11 नवम्बर को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किये गए जनजातीय गौरव दिवस रथ यात्रा का जिला भ्रमण कार्य जारी है। 12 नवम्बर को यह रथ यात्रा आदिवासी सीनियर बालक छात्रावास आमगाँव से सुबह लगभग 10.00 बजे प्रारम्भ हुई। यात्रा के दौरान ऑगनबाड़ी ग्राम भारी में समस्त ऑगनबाडी कार्यकर्ता तथा अन्य गणमान्य नागरिको द्वारा रथ के साथ ही स्वचछता की शपथ ली गई। रथ यात्रा आमगाँव से पुनः चलकर हायर सेकण्डरी स्कूल मोहगांव पहुंची जहाँ पर विभाग के कर्मचारियो तथा छात्र/छात्राओ द्वारा इस यात्रा के सभी सदस्यो का स्वागत किया। इसके पश्चात् यात्रा उत्कृष्ट विद्यालय मलाजखण्ड पहुँची। गौरव यात्रा उत्कृष्ट विद्यालय बिरसा से होते हुए जनपद पंचायत बिरसा पहुंची। इस गौरव दिवस यात्रा रथ मे भगत सिंह नेताम भूतपूर्व विधायक बैहर एवं मानसिंह मेरावी नगरपालिका अध्यक्ष मलाजखण्ड तथा बिरसा एवं मलाजखण्ड के अन्य गणमान्य नागरिक एवं स्कूल के छात्र एवं छात्रायें विशेष रूप से उपस्थित रहे ।

अचानक स्कूटी के सामने कुत्ते के आने से महिला घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र में दो दिन पहले सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल महिला की जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार के दौरान मौत हो गई मृतिका भानुमति पति तीरथसिंह मरकाम 50 वर्ष ग्राम सायल बछेरापाट नहरटोला थाना मलाजखंड निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस महिला का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भानुमति मरकाम अपने पति तीरथसिंह रकाम के साथ खेती किसानी करती थी जिसके परिवार में दो बच्चे हैं जिन्हें बड़ी बेटी उमा भारती की शादी बिजाटोला मंडई में हुई और बेटा विनय कुमार कक्षा ग्यारहवीं की पढ़ाई कर रहा है। बताया गया है कि 9 नवंबर को भानुमति अपने पति तीरथसिंह मरकाम के साथ स्कूटी में अपनी बेटी के गांव मंडई बीजाटोला जाने निकले थे। तभी गांव से कुछ दूर बछेरा पाठ (बाकल) मंडई रोड पर स्कूटी के सामने अचानक कुत्ता आ जाने से स्कूटी अनियंत्रित हो गई और भानुमति अपने पति तीरथसिंह मरकाम के साथ स्कूटी सहित गिर गई। भानुमति सिर में चोट लगने से गंभीर रूप से घायल और बेहोश हो गई थी वहीं तीरथ सिंह को इस दुर्घटना में मामूली चोट आई। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल भानुमति को तीरथ सिंह ने गांव वालों के साथ प्राइवेट वाहन से बिरसा के अस्पताल ले गए। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद भानुमति को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। किंतु एंबुलेंस चालक ने भानुमति के परिवार वालों को बालाघाट के निजी अस्पताल में ले जाने की सलाह दी थी। भानुमति को उसके परिजनों ने बालाघाट के एक निजी अस्पताल में भर्ती किए थे। जहां से भी भानुमति को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया था। भानुमति को उसके परिजनों ने गोंदिया के एक निजी अस्पताल में भर्ती किए थे। जहां एक दिन इलाज चला। 11 नवम्बर को डॉक्टर ने भानुमति का ऑपरेशन करने की सलाह उसके परिजनों को दिए थे। किंतु आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण भानुमति को उसके पति तीरथ सिंह मरकाम ने शाम को जिला अस्पताल बालाघाट में लाकर भर्ती किया ।जहां उपचार के दौरान रात्रि 12:00 बजे करीब भानुमति की मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस ने भानुमति का शव जिला अस्पताल के ही फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिए थे। 12 नवंबर को जिला अस्पताल पुलिस ने भानुमति का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना मलाजखंड भिजवा दी है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली

उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

हिना कावरे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव बनीं

बालाघाट जिले से इतने बड़े पद पर पहली नियुक्ति

कांग्रेस की कद्दावर नेत्री बनी हिना कावरे

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

हिना लिखीराम कावरे को राहुल गांधी की टीम मंदसौर की पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन की तर्ज पर आगे बढ़ा रही है। मीनाक्षी नटराजन को भी राजीव

गांधी ने अपने कार्यकाल में छात्र राजनीति से कांग्रेस पार्टी की सक्रिय और संगठन में लेकर आये थे।

ताजा जानकारी के मुताबिक लांजी-किरनापुर विधानसभा क्षेत्र की पूर्व विधायक और मध्य प्रदेश विधानसभा की पूर्व उपाध्यक्ष, सुश्री हिना कावरे को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव और पंजाब राज्य की सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। यह बालाघाट जिले की राजनीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण नियुक्ति है।

यह नियुक्ति कांग्रेस संगठन में उनके समर्पण, प्रतिबद्धता और नेतृत्व को दर्शाती है। अपने पूरे राजनीतिक सफर में, सुश्री कावरे ने वंचितों, ग्रामीण और हाशिए पर पड़े समुदायों के कल्याण के लिए अथक प्रयास किया है। पार्टी को मज़बूत बनाने और जन मुद्दों को उठाने में उनकी सक्रिय भूमिका ने उन्हें नागरिकों और पार्टी कार्यकर्ताओं, दोनों के बीच गहरा सम्मान दिलाया है।

कांग्रेस आलाकमान द्वारा उन पर जताया गया भरोसा बालाघाट ज़िले और पूरे मध्य प्रदेश के लिए गर्व की बात है। अपनी सादगी, संवेदनशीलता और मज़बूत नेतृत्व के लिए जानी जाने वाली, सुश्री कावरे से उम्मीद की जाती है कि वे पार्टी की संगठनात्मक मज़बूती को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी।

इस तरह चुनाव हारकर भी हिना कावरे प्रादेशिक और राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य में उल्लेखनीय भूमिका में है।

हर्राभाट में चाचा के घर से बकरा चोरी कर काटने का अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम हर्राभाट में एक व्यक्ति ने अपने चाचा के घर से बकरा चोरी कर उसे काट कर गायब कर दिया। बिरसा पुलिस लीलाप्रसाद पिता छैया लाल चौहान 41 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके भतीजे राकेश पिता चरनलाल चौहान वार्ड नंबर 2 हर्राभाट निवासी के विरुद्ध बकरा चोरी कर उसका वध करने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लीलाप्रसाद चौहान खेती किसानी करता है और उसने बकरा बकरी पाल रखें है और रोज बकरा बकरी चराने के लिए ले जाते हैं। 11 नवंबर के शाम को लीलाप्रसाद ने बकरा बकरी चरा कर घर लाया और अपने घर के कोठा में बकरा बकरी को बांध दिया था। बकरा बकरी का कोठा लीलाराम के घर से ही लगा हुआ है। रात्रि 9ः बजे लीला प्रसाद परिवार के साथ खाना खाकर सो गए थे। 12 नवंबर को सुबह लीला प्रसाद ने बकरी को चराने के लिए कोटा खोल कर देखा। बकरा बकरियों में से एक सफेद रंग का बकरा दिखाई नहीं दे रहा था। लीला प्रसाद ने बकरा को आसपास जाकर खोज किया। गांव में पता करने पर लीला प्रसाद ने गांव के लोगों के साथ अपने भतीजे राकेश चौहान के घर जाकर देखें। राकेश चौहान के घर के आंगन में रखा हुआ पैरा के ढेर में एक सीमेंट की बोरी मिली ।जिसमें रस्सी बंधी हुई थी बोरा खोलकर देखा गया जिसमें

सफेद कलर का बकरा मरा हुआ था और उसका गला कटा हुआ था। तब लीला प्रसाद ने भतीजे राकेश चौहान से पूछताछ किया तो राकेश चौहान ने बताएं कि मैंने बकरे का गला काटा हूं और गला काटकर पैरा में छुपा दिया हु। इसके बाद लीला प्रसाद इस संबंध में गांव के पटेल को बताने के लिए गया था। उसके बाद राकेश चौहान ने बोरे सहित बकरा को कहीं छुपा दिया था। इसके पहले ही लीला प्रसाद चौहान ने बकरे की फोटो खींच लिया था। जिसके बाद लीला प्रसाद चौहान गांव के लोगों के साथ रिपोर्ट करने के लिए बिरसा पुलिस थाना पहुंचा। बिरसा पुलिस ने लीला प्रसाद चौहान के द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके भतीजे राकेश चौहान के विरुद्ध बकरा चोरी कर काटने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता कि संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

रात्रि में प्रसव के लिए चिकित्सक को 5000 रूपये नहीं देने पर आपरेशन नहीं किया, प्रसूता के पेट में ही बच्चे की मृत्यु!!

ट्रामा सेंटर में बच्चे की मौत पर परिजनों ने मचाया जमकर हंगामा, महिला चिकित्सक बारमाटे पर रूपये मांगने का आरोप, एम्बुलेंस चालक ने वसूले 300 रु

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

एक ओर शासन प्रशासन द्वारा जिले में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं दिए जाने का दावा किया जा रहा है ।तो वहीं दूसरी ओर जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं को लेकर आए दिन हंगामे हो रहे हैं। जहां मरीजों के परिजन और चिकित्सक स्टाफ के बीच आए दिन विवाद देखने को मिल रहा है। ट्रामा सेंटर कि आए दिनों मिल रही इन शिकायतों के बावजूद भी यहां की अव्यवस्थाएं सुधारने का नाम ही नहीं ले रही है। इसी बीच बुधवार की दोपहर जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में उस वक्त हंगामा मच गया जब कथित रूप से महिला चिकित्सक को, मांग के अनुरूप 5000रु की राशि न देने के चलते महिला चिकित्सक ने प्रसूता का सीजर ऑपरेशन नहीं किया। जिससे बच्चों की प्रसूता के पेट में ही मौत हो गई ।मंगलवार की देर रात्रि हुई इस घटना के बाद भी मरे हुए बच्चे को बुधवार की दोपहर तक पेट से बाहर न निकालने पर परिजन आक्रोशित हो गए और उन्होंने बुधवार की दोपहर ट्रामा सेंटर में जमकर हंगामा मचाते हुए चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाया, तो वहीं उन्होंने ऑपरेशन के नाम पर 5 हजार रु की मांग करने वाली महिला चिकित्सक बारमाटे को निलंबित किए जाने की मांग की।

क्या है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना किरनापुर ग्राम रट्टा पायली निवासी 32 वर्षीय महिला किरण पति बैजेन्द्र डोंगरे को मंगलवार की सुबह करीब 11 बजे प्रसव पीड़ा होने पर जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया था ।जहां पहले तो चिकित्सक स्टाफ ने नॉर्मल डिलीवरी की बात कहते हुए शाम 5 बजे तक इंतजार कराया। लेकिन बाद में बाद में ऑपरेशन करने की बात चिकित्सकों द्वारा कही गई। परिजनों का आरोप है की रात्रि में सीजर ऑपरेशन के लिए महिला चिकित्सक बारमाटे द्वारा कथित रूप से 5000 रु की मांग की गई, जिसे देने से परिजनों ने इंकार कर दिया। जिसके चलते महिला चिकित्सक ने प्रसूता का ऑपरेशन नहीं किया और बुधवार की अलसुबह करीब 5 बजे बच्चे की प्रसूता के पेट में ही मौत हो गई ।बच्चे की पेट मे मौत के बाद भी बुधवार की दोपहर तक जब प्रसूता के पेट से मरा हुआ बच्चा ऑपरेशन कर बाहर नहीं निकाला गया,तो परिजन आक्रोशित हो गए और उन्होंने उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा मचाना शुरू कर दिया ।जिन्होंने

तत्काल महिला चिकित्सक को बर्खास्त किए जाने की मांग की ।उधर मामले की जानकारी मिलने पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप मौके पर पहुंचे, जिन्होंने परिजनों को समझाईश देकर मामले को शांत कराया और मामले में वैधानिक कार्यवाही किए जाने का भरोसा दिलाया, प्रसूता के पेट से बच्चा बाहर निकाला गया ।तब कही जाकर परिजन शांत हुए।

5000 रु की रिश्वत नहीं दी, इसीलिए महिला चिकित्सक ने नहीं किया ऑपरेशन

परिजनों का आरोप है कि महिला चिकित्सक द्वारा ऑपरेशन के नाम पर 5000रु रिश्वत की मांग की गई। लेकिन परिजनों ने पैसे नही होने की बात कहते हुए, मांगी गई रकम देने से इंकार कर दिया ।आरोप है कि 5 हजार रु की मांग पूरी न करने के चलते महिला चिकित्सक ने प्रसूता का ऑपरेशन नहीं किया गया ।जिससे प्रसूता के पेट की थौली फट गई, जिससे बच्चे की पेट में ही मौत हो गई।

निलंबित करने की मांग को लेकर परिजनों ने मचाया हंगामा

उधर बुधवार की दोपहर तक प्रसूता के पेट में मरे हुए बच्चे को बाहर न निकालने और दूसरी प्रसूताओं का ऑपरेशन करते रहे,जिससे परिजन आक्रोशित हो गए, जिन्होंने महिला चिकित्सक पर उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए उन्हें निलंबित किए जाने की मांग की ,अपनी इस मांग को लेकर परिजन ऑपरेशन थिएटर के बाहर एकत्र हो गए और उन्होंने हंगामा मचाना शुरू कर दिया ।उधर परिजनों के हंगामें को बढ़ता देख वहां आजू-बाजू के लोग एकत्र हो गए जहां विवाद इतना अधिक बढ़ गया कि सिविल सर्जन डॉ निलय जैन ने आकर पहले मोर्चा संभाला, जिन्होंने मामले की जांच कराकर, दोषी पाए जाने पर महिला चिकित्सक के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही किए जाने का भरोसा दिलाया। लेकिन परिजन मानने को तैयार नहीं थे जो तत्काल कार्रवाई किए जाने की मांग पर अड़े रहे और हंगामा मचाते रहे।

एंबुलेंस चालक ने भी वसूल लिए 300 रु

परिजनों का आरोप है जब प्रसूता को प्रसव के लिए जिला अस्पताल लाने के लिए उन्होंने सरकारी एंबुलेंस बुलवाई तो एंबुलेंस चालक ने ट्रामा सेंटर तक प्रसूता को ले जाने के एवज में 300रु की मांग की ।जहां मजबूरी में परिजनों द्वारा एंबुलेंस चालक को 300रु की राशि दी गई। हालांकि इसके कोई सबूत परिजनों द्वारा पेश नहीं किए गए लेकिन इसको लेकर भी परिजनों में भारी नाराजगी देखी गई ।जहां उन्होंने महिला चिकित्सक के साथ-साथ एंबुलेंस चालक के खिलाफ भी वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग करते हुए, इसकी लिखित शिकायत सिविल सर्जन और जिला स्वास्थ्य एंव मुख्य चिकित्सा अधिकारी से की है।

पुलिस ने संभाला मोर्चा

उधर परिजनों का हंगामा इतना अधिक बढ़ गया कि मामले को शांत करने के लिए अस्पताल प्रबंधन को पुलिस का सहारा लेना पड़ा, मामले को लेकर परिजनों के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए अस्पताल प्रबंधन ने मौके पर पुलिस बुला ली। जहां मौके पर पहुंची पुलिस और तहसीलदार ने मामले में बीच बचाव करते हुए मामले को संभालने में मदद की।

हमें मामले में इंसाफ चाहिए- परिजन

प्रसूता के पति बैजेंद्र डोंगरे, और मां इंद्रकला मेश्राम ने बताया कि उन्होंने मंगलवार की सुबह करीब 11 बजे प्रसूता को प्रसव के लिए ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया था शाम तक उसका प्रस्ताव नहीं कराया गया। वही रात में ऑपरेशन करने की बात कहते हुए महिला चिकित्सक द्वारा 5000रु की मांग की गई, हमारे पास उसवक्त पैसे नही थे, इसलिए हमने ऑपरेशन के बाद पैसे देने को बोला, तो प्रसूता का ऑपरेशन नहीं किया और दूसरी प्रसुताओं का ऑपरेशन करने लगी। समय अधिक होने के चलते देर रात बच्चा पेट के अंदर ही मर गया, बार-बार बोलने पर भी उस बच्चों को ऑपरेशन कर बाहर नहीं निकाला जा रहा था ।इसलिए आज हम लोगों ने यहां हंगामा मचाया हैं। अधिकारी लोग आए उसके बाद ऑपरेशन कर मरे हुए बच्चे को बाहर निकाला गया है ।इसके अलावा जिस एंबुलेंस से हम ट्रामा सेंटर पहुंचे, उस एंबुलेंस चालक ने भी ट्रामा लाने के लिए 300 रु वसूल लिए ।हमने मैडम को 5 हजार रु नहीं दिए इसीलिए उन्होंने हमारे पेशेंट का सीजर नहीं किया और पेट में ही बच्चे की मौत हो गई। यह घोर लापरवाही है, हम इस मामले में इंसाफ चाहते हैं ।हमारी मांग है कि एंबुलेंस चालक और महिला चिकित्सक पर एफआईआर दर्ज कर दंडात्मक कार्यवाही की जाए और उसे तत्काल निलंबित किया जाए।

यहां बिना पैसे के डिलेवरी नही होती- मुकेश माहुले

जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि मुकेश माहुले ने बताया कि यहा कोई पहला मामला नहीं है कि जब प्रसूता के परिजनों से पैसों की मांग की गई हो बल्कि यहां अक्सर 5 से 6 हजार रु की मांग की जाती है बिना पैसे के यहां डिलीवरी नहीं होती, जो लोग गरीब हैं वहीं डिलिवरी कराने जिला अस्पताल आते हैं उन्हें भी लूटने का काम ट्रामा सेंटर की महिला चिकित्सको द्वारा किया जा रहा है। इसके पूर्व भी ऐसी कई घटनाएं सामने आ चुकी है जिस पर वैधानिक कार्यवाही नहीं हो रही है। इस मामले में भी ऐसा हुआ कि जब परिवार के लोगों ने सीजर के नाम पर 5000 रु की मांग पूरी नहीं की तो चिकित्सक ने प्रसूता का ऑपरेशन नहीं किया ।हमारी मांग है कि ऐसी चिकित्सक को तत्काल बर्खास्त किया जाना चाहिए वही मामले में दंडात्मक कार्यवाही की जानी चाहिए ।

मामले में की जाएगी वैधानिक कार्यवाही-उपलप

जिला स्वास्थ्य एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ परेश उपलप ने बताया कि मामले की जानकारी मिलने पर हमने तुरंत सीजर कराकर मरे हुए बच्चे को बाहर निकाल दिया है। परिजनों ने महिला चिकित्सक पर 5 हजार रु मांगने का आरोप लगाया है ।इसके पूर्व भी महिला चिकित्सा के द्वारा रुपए मांगे जाने की शिकायत मिली थी, जिस पर ट्रामा सेंटर की दो महिला चिकित्सकों के खिलाफ प्रकरण बनाकर शासन को भेजा जा चुका है। एक बार फिर से उसी महिला चिकित्सक का नाम पैसे मांगने को लेकर सामने आया है ।पुनः उनके खिलाफ एक प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा जाएगा। इसके पूर्व भी ऐसी शिकायत आई थी इसीलिए दो महिला चिकित्सकों के अस्पतालों को सील करने की कार्यवाही की गई है। इस पूरे मामले में परिजनों से लिखित आवेदन लेकर उनके बयान लिए गए हैं मामले में वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

भरवेली ग्राम पंचायत में हड़ताल के बीच जनपद पंचायत ने शुरू की जांच

दो से तीन घंटे हुये शिकायतकर्ताओं के बयान दर्ज, दस्तावेज मंगाए गए , जल्द होगी विभागीय कार्रवाई

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत भरवेली में पंचों द्वारा ग्राम पंचायत में की गई अनियमितताओं को लेकर जांच की मांग के समर्थन में हड़ताल की जा रही है। दूसरी ओर, जनपद पंचायत बालाघाट ने भी ग्राम पंचायत के विकास कार्यों में सामने आई अनियमितताओं की शिकायतों पर विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी है। 12 नवंबर को विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों पर जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी के नेतृत्व में जांच कार्यवाही की गई। इस दौरान शिकायतकर्ताओं को बुलाकर उनके बयान दर्ज किए गए और संबंधित रिकॉर्ड भी मांगा गया। लगभग दो से तीन घंटे तक चली इस जांच प्रक्रिया में कई बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा की गई शिकायतों की सुनवाई प्राथमिकता से की जा रही है और अगले एक से दो दिनों में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी

बीते कुछ दिनों से मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत भरवेली में पंचों द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल की जा रही है। पंचों का आरोप है कि ग्राम पंचायत में किए गए विकास कार्यों में गंभीर अनियमितताएं हुई हैं, जिनकी संबंधित अधिकारियों से जांच कराए जाने की मांग की जा रही है। इसी को लेकर पंचों ने ग्राम पंचायत कार्यालय के सामने धरना-हड़ताल शुरू की है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जनपद पंचायत बालाघाट ने इस पर संज्ञान लेते हुए जांच प्रक्रिया आरंभ कर दी है। 12 नवंबर को जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी ममता कुलस्ते एवं पंचायत समन्वय अधिकारी सुरेश

श्रीवासी ने शिकायतकर्ताओं को जनपद पंचायत कार्यालय बुलाकर बयान दर्ज किए। जांच कार्यवाहीं के दौरान शिकायतकर्ताओं से उनकी शिकायतों से संबंधित रिकॉर्ड और दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया। यह कार्रवाई करीब दो से तीन घंटे तक चली, जिसमें विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। शिकायतकर्ता आनंद मेश्राम ने बताया कि उन्होंने कुछ दिन पहले ग्राम पंचायत में हुए विकास कार्यों की अनियमितताओं को लेकर अलग-अलग माध्यमों से शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत के पोर्टल पर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण दिखाया गया है, जबकि वास्तविकता में वहां कोई निर्माण कार्य नहीं हुआ है। इस संबंध में उन्होंने सभी आवश्यक दस्तावेज और रिकॉर्ड जनपद पंचायत को सौंपे , साथ ही पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने बताया कि प्राप्त शिकायतों पर गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

अब ठोस कदम उठायेंगे - राजेश बाहेश्वर

हड़ताल पर बैठे उपसरपंच राजेश बाहेश्वर ने कहा कि उनकी हड़ताल को अब 14 से 15 दिन हो चुके हैं, लेकिन विभाग द्वारा अभी तक इस विषय पर कोई ठोस संज्ञान नहीं लिया गया है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो वह अपने आंदोलन को और तेज करेंगे , जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

दस्तावेज और आवश्यक जानकारी मंगाई जा रही है- ममता कुलस्ते

इस पूरे विषय को लेकर जब हमारे द्वारा दूरभाष पर जनपद पंचायत बालाघाट की मुख्य कार्यपालन अधिकारी ममता कुलस्ते से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत में जिन भी शिकायतकर्ताओं द्वारा अलग-अलग माध्यमों से शिकायतें की गई हैं, उन सभी पर विभाग सक्रिय रूप से संज्ञान ले रहा है। शिकायतों के आधार पर बयान, संबंधित दस्तावेज और आवश्यक जानकारी मंगाई जा रही है, जिन पर जल्द ही विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि ग्राम पंचायत में चल रही अनिश्चितकालीन हड़ताल को लेकर जिला स्तर पर एक कमेटी गठित की गई है, जो इस पूरे मामले की जांच कर शीघ्र कार्रवाई करते हुए हड़ताल समाप्त करवाने के प्रयास करेगी।

अवैध उत्खनन पर छापामार कार्यवाही

1 हाईवा, 1 जेसीबी समेत 8 ट्रेक्टर किये जब्त

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में तथा उपसंचालक खनिज सुश्री फरहत जहां के मार्गदर्शन में खनिज विभाग द्वारा जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर रोकथाम के लिए सख्ती से कार्यवाही की जा रही है। इसी के अंतर्गत खनिज अमले द्वारा 04 नवम्बर से 12 नवम्बर तक अवैध उत्खनन करने पर 07 प्रकरणों में कुल 10 वाहनों पर जब्ती कार्यवाही की गई है। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि अवैध उत्खनन करने वाले लोगो के विरूद्ध विभाग द्वारा सक्रियता के साथ कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। 12 नवम्बर तक विभाग द्वारा जिले में खनिज का अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण करने वाले कुल 10 वाहनों पर जब्ती की कार्यवाही की गई है। इसमें किरनापुर के ग्राम खोडसिवनी से 02 ट्रेक्टर एमपी-50-ए-5128 तथा एमपी-50-एए-0573, बालाघाट के ग्राम गायखुरी से 02 ट्रेक्टर एमपी-50-एए-5226 एवं एमपी-50-एए-2129, वारासिवनी के ग्राम अमई से 04 ट्रेक्टर एमएच-40-एल-7408, एमएच-35-एजे-7399,एमपी-21-जेडए-9226, बीजेवायएसडी2739451 तथा 01 जेसीबी एमपी-22-जेडजी-2366 तथा बिरसा अंतर्गत ग्राम भिमजोरी से 01 हाईवा एमपी-22-जेडजी-2232 वाहन शामिल है। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि ग्राम गायखुरी के करीब वैनगगा नदी में रेत के अवैध खनन की लगातार शिकायत प्राप्त होने पर 12 नवम्बर को खनिज विभाग की टीम द्वारा तुरंत मौके पर पहुंचकर अवैध खनन पर अंकुश लगाया गया। उन्होंने बताया कि नदी जाने वाले रास्ते में जेसीबी मशीन से गड्ढा कराया जा रहा था जिससे ट्रेक्टर ट्रॉली में रेत का परिवहन किया जा सके।

मृत प्रसूता गायत्री के शव को खोदकर निकाला गया,पोस्टमार्टम कर पुनः दफनाया!!

मामले में गिरफ्तार 108 एंबुलेंस के कर्मचारी ललित पवार और अनिल राहंगडाले जेल में है

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। 108 एंबुलेंस के कर्मचारियों द्वारा बरती गई लापरवाही से मृत लड़की का दफन किया गया शव उत्खनन करवा कर पोस्टमार्टम किया गया और शव को पुनः दफन कर दिया गया। यह कार्यवाही बिरसा पुलिस द्वारा की गई। मृत लड़की गायत्री पिता सालिकराम उइके 20 वर्ष ग्राम छोटी जता थाना बैहर निवासी है। 26 अक्टूबर की रात्रि108 एंबुलेंस कर्मचारियों द्वारा इस लड़की को जिला अस्पताल पहुंचाने में बरती गई लापरवाही औरअवैध रूप से रुपए लेने के इस मामले में 108 एम्बुलेंस का चालक ललित पवार और ई एम टी अनिल राहंगडाले गिरफ्तार हो चुके हैं और वे इन दिनों जेल में है।

ज्ञात हो कि 26 अक्टूबर की शाम ग्राम जता में गायत्री की अचानक तबीयत खराब होने से परिजनों ने उसे बिरसा के अस्पताल में भर्ती किए थे। जहां से गायत्री को जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया था। गायत्री को जिला अस्पताल रेफर करने पर 108 एंबुलेंस के कर्मचारियों को फोन किया गया तो उन्होंने बोले कि अभी खाना खा रहे हैं, खाना खाकर आते हैं। इसके बाद 9ः30 बजे 108 एंबुलेंस बिरसा अस्पताल पहुंची। गायत्री को जल्दी से एंबुलेंस में शिफ्ट किया गया और एंबुलेंस के कर्मचारियों को चलने के लिए कहा गया किन्तु एंबुलेंस के ड्राइवर ललित पवार तथा मेडिकल अस्सिटेंट अनिल राहंगडाले ने 3000 रूपये की मांग किये। गायत्री के परिजनों ने कहा कि यह तो सरकारी गाड़ी है किस बात के पैसे ले रहे हो, तो 108 के कर्मचारी ललित पवार और मेडिकल अस्सिटेंट अनिल। राहंगडाले कहने लगे की प्राइवेट में भी जाते तो रुपए लगते हैं। बाद में गायत्री के परिवार वालों ने विनती किए की गायत्री की तबीयत खराब हो रही है जल्दी चलो रास्ते में रुपए दे देंगे। उसके बाद भी एंबुलेंस धीरे-धीरे रास्ते में रोकते हुए बालाघाट तक लाये और इन कर्मचारियों ने 600 रुपये लिए। तब जाकर गायत्री को जिला अस्पताल में शिफ्ट किया गया। किंतु तब तक बहुत देरी हो चुकी थी। देरी के कारण गायत्री की मौत हो गई थी। उसके बाद गायत्री के शव को उसके परिजनों ने अपने गांव जता लाकर अंतिम संस्कार कर दिए थे। इस प्रकार ललित पवार और अनिल राहंगडाले ने जानबूझकर रुपए के लिए गायत्री को यह जानते हुए कि उसका समय पर इलाज नहीं हो पाएगा तो उसकी मौत हो जाएगी। उसके बाद भी इन लोगों ने धीरे-धीरे एम्बुलेंस चलाकर बालाघाट अस्पताल पहुंचने से देरी होने के कारण गायत्री की मौत हो गई। जिसकी रिपोर्ट बिरसा पुलिस थाना में की गई थी। रुपए की मांग और गायत्री को जिला अस्पताल लाने में भर्ती के लापरवाही बरतने के इस मामले में 108 एंबुलेंस के चालक ललित पवार और मेडिकल अस्सिटेंट अनिल राहंगडाले गिरफ्तार किये जा चुके हैं जो इन दोनों न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल में है। मृतिका गायत्री उइके के शव का पोस्टमार्टम नहीं हो पाया था। इस मामले की आगे की जा रही जांच के दौरान 11 नवंबर को बिरसा पुलिस ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (एसडीए) की अनुमति से ग्राम जता पद्दी नाला नर्सरी में दफनाया गया गायत्री उइके का शव का उत्खनन करवाया गया। और नायब तहसीलदार महेंद्र सिंह मार्को, बिरसा पुलिस थाने के उप निरीक्षक शिवलाल, गायत्री उइके के परिजनों सहित अन्य लोगों की उपस्थिति में डॉक्टर इंद्रजीत सिंह बिसेन के द्वारा गायत्री उइके के शव का पोस्टमार्टम किया गया। और शव को पुनः दफन कर दिया गया। उप निरीक्षक श्री परते द्वारा धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। इस मामले की विवेचना दौरान मर्ग जांच की यह डायरी अपराध की डायरी में सलग्न की जाएगी।

बांदरी सागौनटोला से टेंगनीखुर्द पहुंच मार्ग पर बना पुलिया क्षतिग्रस्त

आवागमन में हो रही परेशानी, जिम्मेदार मौन, मरम्मत या ऊंचाई बढ़ाकर नवीन पुलिया का निर्माण कराने की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत बांदरी के सागौनटोला से टेंगनीखुर्द पहुंच मार्ग के बीच से गुजरे नाला के ऊपर बना पुलिया क्षतिग्रस्त हो चुका है एवं कुछ स्थानों पर जानलेवा गड्ढे भी बन गये है। साथ ही नाला किनारे में सुरक्षा की दृष्टि से रैलिंग भी नही लगाई गई है। जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। वहीं बरसात के दिनों में तेज बारिश होने पर नाले के ऊपर से पानी भी बहने लगता है। ऐसी स्थिति में दोनों ग्रामों का संपर्क भी टुट जाता है। जिससे इस मार्ग से आने-जाने वाले ग्रामीणजन एवं स्कूली ब%्चों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही वर्तमान में पुलिया के स्थिति बहुत खराब हो चुकी है। अगर कोई व्यक्ति तेज गति से गुजरता है और वाहन गड्ढे में जाता है तो वह अनियंत्रित होकर सीधे नाले के नीचे गिर सकता है जिससे बड़ा हादसा घटित हो सकता है। साथ ही सड़क का भी खस्ताहाल हो चुका है जिससे आने-जाने वालों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि लंबे समय से इस क्षतिग्रस्त पुलिया एवं सड़क का मरम्मत कार्य या पुलिया की ऊंचाई बढ़ाकर नवीन पुलिया का निर्माण करवाने की मांग की जा रही है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। वहीं विभाग को पुलिया खराब होने की जानकारी देने के बाद भी कोई ध्यान नही दिये जाने के कारण ग्रामीणजन एवं छात्र-छात्राओं में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणजनों ने प्रशासन से जल्द क्षतिग्रस्त पुलिया व सड़क का मरम्मत या पुलिया की ऊंचाई बढ़ाकर नवीन पुलिया का निर्माण करवाने की मांग की है ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

प्रशासन की अनदेखी के चलते बड़ी दुर्घटना होने की बनी संभावना

आपको बता दे कि ग्राम पंचायत बांदरी के सागौनटोला से टेंगनीखुर्द पहुंच मार्ग के बीच से नाला गुजरा है और पूर्व में नाले के ऊपर पुलिया नही होने के कारण आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता था। जिसको देखते हुए ग्रामीणजनों ने शासन-प्रशासन से नाले के ऊपर पुलिया का निर्माण करवाने की मांग किये थे। जिसके बाद सड़क विभाग के द्वारा डामरीकरण सड़क निर्माण के साथ ही नाले के ऊपर लाखों रूपयों की लागत से पुलिया का निर्माण किया है। लेकिन यह निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण क्षतिग्रस्त होने लगा है और पुलिया के ऊपर आने-जाने वाले रास्ते में जगह-जगह गड्ढे भी बन गये है। साथ ही बांदरी से टेंगनीखुर्द पहुंच मार्ग भी जगह-जगह से खराब हो चुकी है। जिसके कारण आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं पुलिया क्षतिग्रस्त हो चुका है, सावधानीपूर्वक आवागमन करें हेतु किसी प्रकार कर संकेतक बोर्ड भी नही लगाया गया है। जबकि नाले के ऊपर बना पुलिया मोड़ाई में है। अगर कोई दुपहिया एवं चौपहिया वाहन चालक तेज गति से गुजरता है और पुलिया के ऊपर बने गड्ढे दिखाई नही देने पर वाहन अनियंत्रित हो सकती है। जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है क्योंकि पुलिया के दोनों साईड में सुरक्षा की दृष्टि से रेलिंग भी नही है। ऐसी स्थिति में अगर कोई अनियंत्रित होता है तो सीधे नाले में गिर सकता है जिससे बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। वहीं उक्त समस्या से ग्रामीणों के द्वारा सड़क विभाग को भी अवगत करवा दिया गया है लेकिन उनके द्वारा भी कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणजनों ने शासन-प्रशासन से बांदरी सागौनटोला से टेंगनीखुर्द पहुंच मार्ग स्थित नाला पर बने पुलिया की ऊंचाई बढ़ाकर नवीन पुलिया एवं सड़क का मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है।

दुर्घटना होने का इंतजार कर रहा प्रशासन - धनेन्द्र

टेंगनीखुर्द सरपंच प्रतिनिधि धनेन्द्र राणा ने बताया कि बांदरी सागौनटोला से टेंगनीखुर्द के बीच में नाले के ऊपर बना पुलिया क्षतिग्रस्त होने के साथ ही पुलिया के ऊपर गड्ढे बन गये हैं। साथ ही सड़क भी जगह-जगह से खराब हो चुकी है, जिसके कारण आने-जाने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है एवं दुर्घटनाएं भी घटित हो रही है। श्री राणा ने बताया कि पुलिया खराब होने एवं गड्ढे बन जाने की जानकारी सड़क विभाग को दे दिया गया है लेकिन उनके द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिससे ऐसा लग रहा है कि सड़क विभाग एवं ठेकेदार के द्वारा किसी बड़े हादसा होने का इंतजार किया जा रहा है, तब जाकर वे जागें। जबकि पुलिया के ऊपर बने गड्ढों के कारण अगर वाहन तेज गति से गुजरता है और वे अनियंत्रित होते है तो सीधे नाले में गिर सकते है जिससे बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। प्रशासन से मांग है कि पुलिया को ऊंचाई बढ़ाकर नवीन पुलिया एवं सड़क का मरम्मत कार्य जल्द करवाये ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

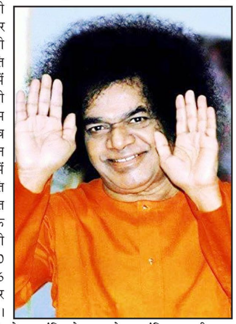

भगवान श्री सत्य सांई जन्म शताब्दी महोत्सव 16 से

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत मानपुर के अस्पताल कालोनी स्थित मनकामेश्वर शिव मंदिर परिसर में श्री सत्य सांई सेवा समिति लालबर्रा के तत्वाधान में 16 नवंबर से भगवान श्री सत्य सांई जन्म शताब्दी महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। चर्चा में श्री सत्य सांई सेवा समिति जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने बताया कि युगावतार भगवान श्री सत्य सांई बाबा का 100 वां जन्मोत्सव सप्ताह 16 नवंबर से 23 नवंबर तक मनाया जायेगा।

जिसमें 16 नवंबर को सिध्देश्वर मंदिर से मनकामेश्वर मंदिर तक श्री सत्य सांई पालकी विशाल यात्रा निकाली जायेगी। साथ ही प्रतिदिन प्रात: 5.30 बजे से 6.30 बजे तक ओमकारम्, सुप्रभातम् एवं नगर संकीर्तन, शाम 6.30 बजे से 8.30 बजे तक भजन, सांई कथा, आध्यात्मिक प्रश्नोत्तरी, बाल विकास ब%्चों के कार्यक्रम, सांई संदेश, महामंगल आरती की जायेगी। श्री तिवारी ने बताया कि 23 नवंबर को दोपहर 12 बजे ध्वजारोहण, अस्पताल विजिट किया जायेगा एवं शाम 6.30 बजे से माँ सरस्वती प्रांगण लालबर्रा में विशेष भजन, बाल विकास बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम, पुरस्कार वितरण, महामंगल आरती के बाद प्रसादी का वितरण किया जायेगा। इस 8 दिवसीय भगवान श्री सत्य सांई जन्म शताब्दी महोत्सव के अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील श्री सत्य सांई सेवा समिति के जिलाध्यक्ष अमित तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगणों ने की है।

लालबर्रा में सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम 16 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के सिवनी मार्ग स्थित लॉन में ज्ञान विज्ञान समिति लालबर्रा के तत्वाधान में 16 नवंबर को दोपहर 1 बजे से सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। तत्संबंध में जानकारी देते हुए ज्ञान विज्ञान समिति लालबर्रा सदस्य विनय हरिद्वाज ने बताया कि सरस्वती शिशु मंदिर लालबर्रा शासन द्वारा मान्यता प्राप्त है और 16 नवंबर को दोपहर 1 बजे से सिवनी मार्ग स्थित लॉन में सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसके माध्यम से समृध्द भारत के लिए सप्तशक्ति जाग्रत कर समाज परिवर्तन का संकल्प लोगों को दिलवाना है। उक्त कार्यक्रम श्रीमती डॉ. पालिका राहंगडाले के मुख्य आतिथ्य, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती शुभांगी सोनी की अध्यक्षता में प्रारंभ होगा। आगे बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता श्रीमती संगीता पारधी (संचालिका-दिव्या शांति निकेतन हायर सेकेण्डरी स्कूल बल्लारपुर) विषय - कुटुम्ब प्रबोधन एवं पर्यावरण, संयोजिका एवं वक्ता ममता चौहान विषय - भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका पर अपनी वक्तव्य देगें। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील ज्ञान विकास समिति लालबर्रा के पदाधिकारी, सदस्यगण, कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती नेहा चौहान ने की है।

झालीवाड़ा एवं रामपायली में ग्रामीणों के घर पहुंचने लगा शुद्ध जल

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। वारासिवनी विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम झालीवाड़ा एवं रामपायली के हर घर में नल से शुद्ध जल पहुंचने लगा है। जल जीवन मिशन योजना से ग्राम झालीवाड़ा के सभी 948 घरों एवं ग्राम रामपायली के 1105 घरों में नल कनेक्शन के द्वारा जल पहुंचने से ग्रामीण बहुत खुश है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री बीएल उइके ने बताया कि जल जीवन मिशन की योजना से वारासिवनी विकासखंड के ग्राम झालीवाड़ा तथा ग्राम रामपायली में अब हर घर नल कनेक्शन होने से स्वच्छ जल की समस्या का निदान हो चुका है। अब ग्राम झालीवाड़ा के 948 ग्रामीण घरों, स्कूलों और आंगनबाडियों को सुरक्षित नल का शुद्ध पानी प्रदाय किया जा रहा है। इसके साथ ही रामपायली के सभी 1105 घरों, स्कूलों और आंगनबाड़ियों को भी सुरक्षित नल का शुद्ध जल मिलने लगा है।

ग्रामीणों को नल के माध्यम से स्वच्छ एवं शुद्ध जल मिलने से उनके जीवन में सुधार आया है। अब उन्हें जल जनित बीमारियों के होने का खतरा नहीं है। अब ग्रामीणों को पानी के लिए, कुएं, हैंडपंप एवं तालाब पर नहीं जाना होता है। जल जीवन मिशन कार्यक्रम से ग्राम में पानी के समस्या का हल हुआ है और लोग इससे काफी खुश हैं। ग्राम पंचायत झालीवाड़ा एवं रामपायली के समस्त ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग बालाघाट को जल जीवन मिशन के इस कार्यक्रम के लिए धन्यवाद दिया है।

बघोली में छत्तीसगढ़ी लोककला मंच कार्यक्रम में 'सोनहा बादर' के कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 कि.मी. दुर ग्राम पंचायत बघोली में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कार्तिक पूर्णिमा के सप्तमी पर दिन-रात के मेले के अवसर पर 11 नवंबर को छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक संस्था 'सोनहा बादर' पारंपरिक छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच चिटौद (गुरूर) जिला बलौद छत्तीसगढ़ का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर 'सोनहा बादर' पारंपरिक छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य के गायक सहित अन्य कलाकारों ने सुवा, कर्मा, ददरिया, पंथी, नाचा और गम्मत सहित विभिन्न विधाओं पर जैसे पारंपरिक लोक नृत्यों की एक से बढ़कर एक मनमोहक प्रस्तुतियां दिये जो दर्शकगणों का मनमोह लिया। वहीं इन नृत्यों में कलाकारों का पारम्परिक परिधान, लोक संगीत, भक्तिगीतों की मधुर धुने और ओजपूर्ण नृत्य शैली ने समां बांध दिया। वहीं इस कार्यक्रम के माध्यम से छत्तीसगढ़ी संस्कृति की पारंपरिक और जीवंत झांकी स्पष्ट रूप से देखने को मिली और उपस्थितजनों ने सुबह तक उक्त कार्यक्रम का आनंद उठाया। इस तरह से संस्था के संचालक के नेतृत्व में गायक कलाकारों ने छत्तीसगढ़ की समृध्द लोक विरासत को दर्शकों के सामने जीवंत कर दिया। वहीं सफल आयोजन के लिए सोनहा बादर के संचालक को समिति के द्वारा शाल, श्रीफल, प्रशस्ति पत्र एवं शिल्ड देकर सम्मान भी किया गया। आपको बता दे कि सोनहा बादर को राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय सांगितिक आयोजन 2023 शिमला में प्रथम पुरस्कार, 2024 नेपाल में प्रथम पुरस्कार, 2025 गुवाहाटी में प्रथम पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है और सोनहा बादर छत्तीसगढ़ी लोककला मंच के द्वारा छत्तीसगढ़ व भारत के अधिकांश स्थानों पर भी लोककला मंच की प्रस्तुतियां दे चुके है।

11 नवंबर को लालबर्रा क्षेत्र के ग्राम बघोली में भी आयोजित दिन-रात के मेले के अवसर पर 'सोनहा बादर' पारंपरिक छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच चिटौद (गुरूर) जिला बलौद छत्तीसगढ़ के 50 सदस्यीय टीमों की सांस्कृतिक लोककला मंच की प्रस्तुती ने छत्तीसगढ़ी संस्कृति की अद्भुत छटा बिखेरी है। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा के सप्तमी पर दिन-रात के मेले के अवसर पर ग्रामीणजनों के स्व%छ एवं स्वस्थ मनोरंजन के लिए पारंपरिक एवं सांस्कृतिक छत्तीसगढ़ की सुप्रसिध्द संस्था 'सोनहा बादर' पारंपरिक छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच चिटौद (गुरूर) जिला बलौद छत्तीसगढ़ का आयोजन किया गया था। जिसके संचालक, निर्देशक, गीतकार, संगीतकार - जितेन्द्र साहू, गायक जितेन्द्र साहू, रमन जैन, इन्द्रकुमार गंजीर, लुकेश्वर साहू, पुनीत मौहाल, गायिका - भावना सेन, जागृति साहू, काजल साहू सहित 50 सदस्यीय कलाकारों के द्वारा सुवा, कर्मा, ददरिया, पंथी, नाचा, गम्मत सहित देशभक्ति गीतों पर अपनी पारंपरिक और जीवंत छत्तीसगढ़ी संस्कृति की झांकी के साथ नृत्यों की एक के बाद एक मनमोहक प्रस्तुतियां दी है। इस सफल आयोजन में ग्राम पंचायत बघोली के जनप्रतिनिधियों और मेला समिति एवं ग्रामीणजनों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस अवसर पर कार्यक्रम को सफल बनाने में बघोली सरपंच अरशद पापा पटेल, सर्वसमाज अध्यक्ष मनीष रहांगडाले, मंडई समिति अध्यक्ष पन्नालाल बनवाले, उपाध्यक्ष खालिक खान, सचिव चैनलाल चौधरी, कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल धानेश्वर, उपसरपंच देवराम मेहरकर, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि अनिल बिसेन सहित समस्त सर्वसमाज बघोली के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों का सराहनीय योगदान रहा।

हिना कावरे के राष्ट्रीय सचिव बनने से संगठन को मिलेगी नई ऊर्जा - भाऊराम

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मध्यप्रदेश शासन की पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष और बालाघाट जिले की लोकप्रिय नेत्री सुश्री हिना कावरे को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किये जाने से संपूर्ण बालाघाट जिले और विशेष रूप से लालबर्रा क्षेत्र के कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर व्याप्त है। वहीं इस महत्वपूर्ण नियुक्ति को न केवल सुश्री कावरे के व्यक्तिगत परिश्रम और नेतृत्व क्षमता का सम्मान माना जा रहा है। बल्कि जिले के कांग्रेस संगठन के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष भाऊराम गाडेश्वर ने विज्ञप्ति जारी कर अपने वक्तव्य में सुश्री हीना कावरे के अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव बनने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारी दीदी, क्षेत्र की गौरव सुश्री हीना कावरे को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी में राष्ट्रीय सचिव जैसा महत्वपूर्ण पद सौंपा गया है। यह हमारे लिए अत्यंत गौरवान्वित करने वाला क्षण है। जिनकी नियुक्ति से कार्यकर्ताओं में एक नई ऊर्जा का संचार होगा और उन्हें संघर्ष के लिए नई दिशा व मार्गदर्शन मिलेगा। आगे श्री गाडेश्वर ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर जिले के एक नेता को स्थान मिलना यह दर्शाता है कि राष्ट्रीय नेतृत्व जमीनी कार्यकर्ताओं को महत्व दे रहा है। सुश्री हीना कावरे के पास प्रशासनिक और संगठनात्मक दोनों स्तरों का गहरा अनुभव है, जिसका लाभ अब राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी को मिलेगा एवं उनके मार्गदर्शन में स्थानीय संगठन और भी अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनेगा। साथ ही यह भी कहा कि यह सम्मान बालाघाट जिले के समस्त कांग्रेसजनों का सम्मान है।

रामेश्वर-मदुरई तीर्थ दर्शन के लिए 5 फरवरी तक किया जा सकता है आवेदन

पद्मेश न्यूज।बालाघाट। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के वरिष्ठ नागरिक जिनमें 60 वर्ष या इससे अधिक आयु के व्यक्ति शामिल हो (महिलाओ को 02 वर्ष की छूट) तथा जो आयकर दाता नही हो को प्रदेश के बाहर स्थित विभिन्न तीर्थ स्थानों में से एक या युग्म तीर्थों की यात्रा सुलभ कराने के लिए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत वर्ष 2025-26 में प्रदेश के समस्त जिलों के वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ दर्शन कराने के लिए शासन द्वारा कैलेण्डर जारी कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत बालाघाट जिले के वरिष्ठ नागरिकों के लिए रामेश्वर-मदुरई तीर्थ स्थान सुनिश्चित किया गया है। जिसके लिए जिले के समस्त तहसीलदार, समस्त जनपदों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं सभी मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे प्राप्त आवेदन अंतिम तिथि 05 फरवरी 2026 तक पोर्टल पर फीड करना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत यात्रा के लिए 19 फरवरी से 25 फरवरी 2026 की तिथि निर्धारित की गई है।

यह स्पष्ट है कि यह यात्रा ट्रेन से की जाएगी जिसके लिए, यात्रा प्रारंभ होने वाले स्थान तक यात्रियो को स्वयं के साधन एवं खर्चे से जाना होगा। जिले के वरिष्ठ नागरिको से अपील की गई है कि वे निर्धारित तिथि 05 फरवरी तक अपना ऑनलाईन आवेदन करा ले। चूंकि इस योजना के तहत तीर्थ दर्शन के लिए 250 सीट निर्धारित है। निर्धारित तिथि के बाद आवेदन नही किये जा सकेंगे।

हाईस्कूल चौराहा में मोटरसाईकिलों में आपसी भिड़ंत, घायल की मौत

घटना के दिन पुलिस ने नही लिखी थी एफआईआर ,घटना के ३ दिन बाद भी नही किया मामला दर्ज, मामला सड़क दुर्घटना के बाद हुई मौत का

पद्मेश न्यूज। खैरलांजी।

खैरलांजी थाना अंतर्गत ९ नवबंर को खुर्सीपार अतरी मार्ग और फ ेगलटोला पिंडकेपार मार्ग हाई स्कूल चौराहा पर हुई आपसी मोटर साइकिल की भिड़ंत में सावरी टोला निवासी गणलाल पिता सुकमन दमाहे गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिसको प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार के लिए गोंदिया के किसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जिसकी ११ नवबंर को ईलाज के दौरान मौत हो गई। जिसके बाद गुस्साए परिजनो के द्वारा आक्रोश व्यक्त करते हुए बुधवार को अस्पताल के सामने चक्काजाम करने की कोशिश की गई। लेकिन एसडीओपी अभिषेक चौधरी के संतोषप्रद आश्वासन पर परिजनो और जनता का आक्रोश शांत हुआ और चक्का जाम की स्थिति निर्मित नही हो पाई। कुछ समय बाद अस्पताल पहुंचे एसडीओपी अभिषेक चौधरी के द्वारा परिजनों से चर्चा कर पोस्टमार्टम के लिए परिजनों को मनाया। जिसके बाद उनके द्वारा परिजनों के साथ जाकर घटना स्थल का मुआयना किया गया। पुलिस ने धारा २८१,१२५ बीएनएस १८४ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत् मामला दर्ज किया गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार ९ नवबरं २०२५ को मृतक जो कि रामपायली मेला अपने पत्नी और बच्चों के साथ जा रहा था को आरंभा निवासी मोहित बसेने और निशांत लिल्हारे जो की हेटी की ओर से खुर्सीपार की ओर जा रहे थे की बाईक से टक्कर हो गई थी। जिसके बाद बताया जाता है कि यह दोनों युवक वहां से फरार हो गए थे। हालांकि वे लोग बाइक को वहीं घटना स्थल पर ही छोड़कर भाग गए थे। मृतक के भाई पदमलाल दमाहे का आरोप है कि थाने के मुंशी का सहयोग घटना के दिन शाम को जब वह एफआईआर दर्ज करने गए तो सहयोगात्मक नही रहा। इसी प्रकार ११ नवबंर को भी जब वह थाना गए तो उन्होंने अपेक्षात्मक सहयोग नही किया। जिसके बारे में एसडीओपी से चर्चा कर कार्यवाही की मांग की गई है। हमारी मांग है कि आरोपियों पर नियमानुसार कानूनी कार्यवाही हो।

इनका कहना है

दुर्घटना के बाद गणलाल दमाहे की मौत से परिजन आक्रोशित थे। जिसके बाद आज उनसे चर्चा कर नियमानुसार कार्यवाही का आश्वासन दिया गया। घटना स्थल का भी मुआयना किया गया। ११ नवबंर २०२५ को धारा २८१,१२५ बीएनएस १८४ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अभिषेक चौधरी
एसडीओपी वारासिवनी

अंसेरा में तीन दिवसीय श्री राम मेला आज से प्रांरभ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम अंसेरा के जीवनदायिनी चंदन नदी के किनारे भगवान श्री राम व सीता कुंड के समक्ष प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी तीन दिवसीय मेले का आयोजन किया जा रहा है। सार्वजनिक श्री

राम मेला महोत्सव समिति अंसेरा खड़कपुर के तत्वाधान में १३ नवंबर २०२५ से १५ नवंबर २०२५ तक मेले का आयोजन होगा। इसमें बताया जा रहा है कि जिले के प्रसिद्ध मेलों में सुमार इस मेले में जिले के अलावा प्रदेश स्तर के अन्य जिलों से भी लाखों लोग पहुंचते है। इनके मनोरंजन के लिए आयोजन समिति ने तीन दिनों तक विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी रखा गया है। जिसमें १३ नवंबर को हवन पूजन एवं महाप्रसदीय वितरण के साथ रात्रि ९ बजे से श्रीरामचरितमानस सत्संग प्रतियोगिता का आयोजन रखा गया है! जिसमें प्रथम विजेता को ६००० रूपये से पुरस्कृत किया जाएगा। ऐसे ही सभी विजेता प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया जाना है। १४ नवंबर को दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन एवं रात्रि न्यू स्टार नाइट शो रीमिक्स रिकॉर्डिंग डांस दुर्ग द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी। वहीं १५ नवंबर २०२५ की दोपहर ३ बजे से आम दंगल कुश्ती प्रतियोगिता एवं रात्रि ९ बजे से रंगारंग छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम प्रस्तुति दी जाएगी। जिसके गायक कलाकार वीरेंद्र एवं गायिका काजल रानी के साथ ही ३५ कलाकारों के द्वारा प्रस्तुति देंगे। अतः सार्वजनिक मेला समिति अंसेरा एवं खड़कपुर वासियों ने अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की गई है।

खैरलाँजी में किसानों का हक अधिकार आंदोलन कल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलाँजी के जनपद पंचायत परिसर स्थित सभामंच में १४ नवंबर की दोपहर १२ बजे से किसान गर्जना संगठन के तत्वाधान में हक अधिकार आंदोलन का आयोजन किया गया हैं। इसमें बैलगाड़ी रैली भव्य मेरिज लॉन तिरोड़ा रोड़ से निकालकर किसानों के द्वारा सरकार के खिलाफआक्रोश व्यक्त किया जाएगा।

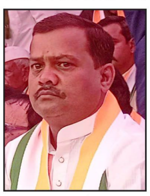

यह हक अधिकार आंदोलन किसानो के साथ हो रही लूट और शोषण के खिलाफ आंदोलन किसान गर्जना संगठन के माध्यम से खैरलांजी तहसील मुख्यालय में आयोजित किया गया है। इस आंदोलन के माध्यम से सरकार से संगठन की मांग हैं की वह क्षेत्र में लगातार बारिश एवं किट व्याधि के प्रकोप से बर्बाद हुई धान फसल को देखते हुये खैरलांजी क्षेत्र को आपदा प्रभावित क्षेत्र घोषित कर क्षेत्र अन्तर्गत हल्को के किसानो को फसल का मुआवजा तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा का लाभ दिया जावें। सरकार के द्वारा निर्धारित धान खरीदी केन्द्रो से किसानो की धान को अस्वीकार नही किया जावें चूंकि बारिश की वजह से किसानो की धान प्रभावित हो चुकी है फसल एवं किसानो के प्रति नरमी बरती जावें। सरकार अपने चुनावी वादे के मुताबिक धान समर्थन मूल्य ३१०० रूपये प्रति क्वींटल खरीदे। किसानो की दशा सुधार हेतु सरकार किसान को २० हजार रुपये प्रति हेक्टेयर बोनस देवें। खरिफ सत्र २०२५-२६ की फसल बर्बादी को ध्यान में रखते हुये खरिफ ऋण माफकिया जावें। वहीं ऐसे किसान अपनी स्वयं की समस्या जो कृषि कार्य से संबंधित है उसका आवेदन किसान गर्जना संगठन के नाम दे सकते है। जिन्हे उचित कार्यवाही के लिये संबंधित अधिकारी को प्रेषित किया जायेगा और विचार विमर्स किया जायेगा। इस दौरान आधिकाधिक संख्या में किसानों से उपस्थित होकर आक्रोश व्यक्त करने की अपील किसान गर्जना संगठन प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी,जिलाध्यक्ष रामकुमार नागपुरे ,ब्लाक अध्यक्ष अशोक लिल्हारे ,अजबसिंह कृपगये ,बंडु गौपाले ,योगेश सुलकिया ,डेविड सेलोकर ,धुरन नगपुरे, योगेश लिल्हारे ,कुलदीप पटले ,भरतलाल बिसेन, ओमप्रकाश बिसेन ने की हैं।

झालीवाड़ा-बासी मार्ग का जंगल पुलिया जन आवागमन के लिये खतरनाक बना!!

राजघाट जंगल पुलिया दुर्घटना को दे रहा आमंत्रण, पुलिया पर रैंलिंग बनाने प्रशासन से ग्रामीणों ने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत झालीवाड़ा से बासी मार्ग पर स्थित झालीवाड़ा के राजघाट चौक के पास मुख्य मार्ग पर जंगल पुलिया बना हुआ हैं। जहाँ सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं होने से आवागमन कर रहे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान रहागीरो को दिक्कत उठानी पड़ रही है तो वहीं पुलिया पर दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। क्योंकि उक्त पुलिया पर सुरक्षा व्यवस्था के रूप में कुछ नहीं है, ९ इंच के पिलर दोनों तरफ बनाए गए थे वह भी आए दिन होने वाली दुर्घटनाओं में उखड़ गए हैं। पुलिया पर सुरक्षा नही होने के कारण अनियंत्रित वाहन चालक के साथ पुलिया के नीचे गिर रहे हैं जिससे लोगों को गंभीर चोटिल होना पड़ रहा है। जहां राहगीरों के द्वारा उक्त पुलिया पर रेलिंग या अन्य प्रकार से सुरक्षा इंतजाम करने की मांग राहगीर व ग्रामीणों के द्वारा की जा रही है।

ढलान में बना हुआ है पुलिया

झालीवाड़ा के राजघाट चौक के समीप बासी मार्ग पर जंगल पुलिया बना हुआ है यह पाईप पुलिया है जो पानी निकासी के लिए बनाया गया है। यह पुलिया बहुत नीचा है जिस कारण से दोनों तरफ ढलान क्षेत्र बना हुआ है। बांसी से आने पर या बांसी की तरफ जाने पर तेज गति से वाहन नीचे उतर कर चढ़ाव चढ़ते हैं। तो वहीं पुलिया के आगे बांसी की तरफ अंधा मोड़ बना हुआ है। जो पुलिया से लगा हुआ है ऐसे में अचानक कोई भी वाहन सामने आ जाते हैं। इस दौरान भारी वाहन सामने आने पर मोटरसाइकिल नियंत्रित हो जाती है जिसके कारण दुर्घटनाएं घटित होती है। मौके पर पुलिया के दोनों साइड ९ इंच के ब्लॉक बनाए गए है। परंतु एक साइड के आधे से अधिक ब्लॉक सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल या कोई वाहन को रोकने में उखड़ गए हैं। तो वहीं अनियंत्रित वाहन को रोकने के लिए मौके पर कोई पर्याप्त सुरक्षा नहीं लगाई गई है। जिसके कारण पाईप पुलिया के करीब ६ फीट से अधिक गहराई है जिसमें लोग गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हो रहा है। यह मार्ग पर बहुत ज्यादा यातायात का दबाव बना रहता है क्योंकि ग्रामीण क्षेत्र का मार्ग है जो करीब एक दर्जन से अधिक पंचायत को सीधा वारासिवनी और कटंगी मुख्यालय से जोड़ता है। इस मार्ग से लोग सीधा आने जाने के लिए उपयोग करते हैं ऐसे में यात्री वाहन ट्रांसपोर्ट के वाहन सहित अनेकों प्रकार के हल्के भारी वाहन का आना जाना लगा रहता है। पूरे मार्ग में जंगल क्षेत्र पड़ता है तो वहीं इस मार्ग का सबसे ज्यादा उपयोग छात्र छात्राएं शिक्षा अध्ययन करने के लिए करते हैं। जिनके सामने उक्त पुलिया पर दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है जिसको लेकर राहगीर सहित ग्रामीणों के द्वारा मार्ग पर बने इस जंगल पुलिया पर सुरक्षा के इंतजाम उपलब्ध कराने की मांग की जा रही है। ताकि रेलिंग या सेफ्टीवाल बना दी जाए जिससे अनियंत्रित वाहन रोके जा सके और लोगों को नाले में गिरकर गंभीर दुर्घटनाग्रस्त ना होना पड़े।

सेफ्टीवाल नहीं होने से दुर्घटना का डर हमेशा बना हुआ है-भिवनलाल

ग्रामीण भिवनलाल बिसेन ने बताया की झालीवाड़ा से कटंगी यह मार्ग है इस पर यह झालीवाडा के राजघाट के पास में पुलिया बनाए हैं। जिसमें किसी प्रकार की सेफ्टी नहीं रखे हैं दुर्घटना का डर हमेशा यहां पर बना हुआ है आगे टर्निंग है ऐसे में सेफ्टी बहुत ज्यादा यहां पर जरूरी है। जरामोहगांव तक यह रोड़ जाता है रात दिन यह मार्ग चलता रहता है। लंबे समय से यही स्थिति है सुरक्षा के लिए कोई प्रयास यहां पर नहीं किया गया है। कई बार सड़क दुर्घटनाएं हुई है ट्रैक्टर भी यहां पलटा था जिसमें कुछ लोगों की मौत और घायल हो गए थे मोटरसाइकिल भी दुर्घटनाग्रस्त हो चुकी है। पुलिया की ऊंचाई भी बहुत कम है बारिश के समय जो पानी आता है उसमें यह डूब जाता है। यहां से आने जाने वालों के लिए यह मार्ग बंद हो जाता है एक दो दिन बंद रहता है ऐसे में घूम कर जाना होता है। इसलिए इसकी ऊंचाई भी बढ़ानी चाहिए थी परंतु पाईप पुलिया जैसा बना दिया गया है।

पुलिया पर रैंलिग नही होने से हो रही दुर्घटनायें-परमानंद

ग्रामीण परमानंद पारधी ने बताया कि राजघाट चौक के आगे मुख्य मार्ग पर जंगल में यह पुलिया बना हुआ है। इसमें लोहे की रेलिंग या ईट की दीवार जैसा कुछ नहीं है। ऐसी स्थिति में कभी ट्रक बस या मोटरसाइकिल कुछ भी अनियंत्रित होती है तो उसे यह नाले पर रोकने वाली कोई सेफ्टी नहीं है। वह सीधे नाले से नीचे गिरेगी इन्हें बचाने के लिए रेलिंग लगाना बहुत आवश्यक है। आगे अंधा मोड़ है मोटर साइकिल या कोई बड़ा वाहन जो आता है वह दिखता नहीं है और उनको भी हम इधर के लोग नहीं देख पाते हैं। ऐसे में कई बार दुर्घटनाएं होती है क्योंकि पुलिया के दोनों तरफ ढलान है वाहन की गति अपने आप बढ़ जाती है। ऐसे में नाले पर नीचे उतर जाते हैं हादसे होते हैं संबंधित विभाग को गंभीरता से इस मसले को संज्ञान में लेना चाहिए ताकि आम जनता की सुरक्षा की जा सके।

दुर्लभ वन्य प्राणी पैंगोलिन का वन विभाग ने रेस्क्यू किया

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी वन विभाग अंतर्गत ग्राम नयाटोला बड़ागांव निवासी मेघनाथ तामेश्वर के मकान से वन विभाग के द्वारा ११ नवंबर की देर रात दुर्लभ वन्य प्राणी पैंगोलिन का रेस्क्यू किया गया। जिसमें वन अमले के द्वारा सुरक्षित पैंगोलिन को पड़कर दक्षिण सामान्य वन मंडल वन परिक्षेत्र कार्यालय लाया गया। जहां से उसे नेचुरल हैबिट्स आवास में १२ नवंबर को छोड़ दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार नयाटोला बड़गांव निवासी मेघनाथ तामेश्वर प्रतिदिन की तरह अपने घर में परिवार के साथ भोजन कर आराम कर रहे थे। तभी उन्होंने देखा कि घर के अंदर कोई दुर्लभ वन्य प्राणी आ गया है जिसे देख परिवार के लोग खतरा महसूस कर घर से बाहर निकल गए। इस घटना की जानकारी उन्होंने आस पड़ोस सहित ग्राम के अन्य लोगों को दी। जिसमें सभी के द्वारा देखा गया परंतु रात्रि और ऊपर से अंधेरे में वन्य प्राणी की पहचान नहीं कर पाए। इस बीच ग्राम के खेमेन्द्र बिसेन ,मेघनाथ तामेश्वर की सूचना पर उनके घर पहुंचे और उन्होंने देखा कि घर के अंदर पैंगोलिन जैसा दिखने वाला वन्य प्राणी घूम रहा है। जिस पर उनके द्वारा तत्काल उपस्थित लोगों को शांत कराकर घटना की जानकारी वन विभाग को दी गई। जिस पर तत्काल वन अमले के द्वारा सूचना के

अनुरूप मौके पर उपस्थित होकर जायजा लिया गया। तो वह पैंगोलिन घर से बाहर निकल कर मकान के आसपास विचरण कर रहा था जिसे वन विभाग के अधिकारियों के द्वारा सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। वहीं उपस्थित ग्रामीणों को वन्य प्राणी की जानकारी देते हुए बताया कि यह पैंगोलिन है इससे खतरा आपको नहीं है इसके बाद सभी ने राहत की सांस ली। तत्पश्चात वन अमला पैंगोलिन के साथ परिक्षेत्र कार्यालय में पहुंचा जहां उसे सुरक्षित रखकर अगले दिन सुबह यानी १२ नवंबर को उसके प्रकृति का आवास एवं आदतन आवास के रूप में वन क्षेत्र की पहचान कर छोड़ दिया गया। ग्रामीण खेमेन्द्र बिसेन ने बताया कि मुझे मेघनाथ तामेश्वर के द्वारा दूरभाष पर जानकारी दी गई की कोई वन्य प्राणी उसके घर के अंदर आ गया है। मैं मौके पर पहुंचा और देखा तो मुझे पेगोलीन जैसा लगने पर वन विभाग को सूचना दी और उनके द्वारा रेस्क्यू कर लिया गया है। परिवार सहित आस पड़ोस के लोगों डरे हुए थे। वनरक्षक भवानी बिसेन ने बताया कि नगरवासी के माध्यम से हमें नया टोला बड़गांव में पैंगोलिन घर में आने की सूचना मिली थी। जिस पर मौके पर पहुंचकर हमारे द्वारा सफल रेस्क्यू किया गया है। उसे अगले दिन उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ दिया गया है। यह ग्रामीण क्षेत्र वन क्षेत्र से लगा हुआ है ऐसे में यहां पैंगोलिन रात्रि में भ्रमण करते हुए यहां तक पहुंच गया होगा। इस कार्यवाही में रेंजर छत्रपाल सिंह जादौन के मार्गदर्शन में वनरक्षक भवानी बिसेन, सुनील मरावी ,लक्ष्मीकांत डेकाटे, हितेश चचाने का सराहनीय योगदान रहा।

अज्ञात पिकअप वाहन की टक्कर से पिता-पुत्र घायल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर ४ वारासिवनी बालाघाट मार्ग स्थित टिहलीबाई माध्यमिक स्कूल के सामने अज्ञात पिकअप वाहन की टक्कर से १२ नवंबर की दोपहर में पिता पुत्र घायल हो गए। जिनका उपचार सिविल अस्पताल में जारी है । इसमें बताया जा रहा है कि पद्मनीश ठाकुर और अभिषेक ठाकुर अपनी मोटरसाइकिल से दीनदयाल चौक की तरफ जा रहे थे तब यह दुर्घटना हो गई। इस दुर्घटना में दोनों पिता पुत्र को चोट आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के वार्ड नंबर चार निवासी पद्मनीश पिता राजाराम सिंग ठाकुर उम्र ५९ वर्ष अपने पुत्र अभिषेक पिता पद्मनीश ठाकुर के साथ मोटरसाइकिल से कहीं गए हुए थे जो वापस बालाघाट की तरफ से आकर दीनदयाल चौक की तरफ जा रहे थे। तभी टिहलीबाई माध्यमिक स्कूल परिसर के बाजू से गुजरे रेलवे स्टेशन मार्ग के सामने अज्ञात पिकअप वाहन ने उन्हें जबरदस्त टक्कर मार दी। जिससे मोटरसाइकिल छिटक कर दूर गिर गये और पिता पुत्र दोनों गिर गये। जिसमें दोनों चोटिल हो गए वहीं मौके से पिकअप वाहन फरार हो गया। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़े और दोनों पिता पुत्र को उठाकर सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती कराया जहां उनका उपचार जारी है।

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

संपादकीय

आतंक का दायरा

राजधानी दिल्ली में लालकिला के पास एक कार में हुए धमाके की घटना ने एक बार फिर यहां की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंताजनक सवाल खड़ा किया है, वहीं इस बात को लेकर एक आशंका खड़ी हो रही है कि क्या आतंकवादी संगठनों ने दोबारा अपने पांव फैलाने शुरू कर दिए हैं। हालांकि कार में हुए धमाके को लेकर फिलहाल कोई अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया है कि विस्फोट का कारण क्या था, इसलिए इसके पीछे की मंशा के बारे में तभी कुछ ठोस सामने आ सकेगा, जब सरकार की ओर से कराई जाने वाली जांच की आधिकारिक रपट कोई संकेत करेगी। मगर धमाके का स्वरूप और उससे होने वाले नुकसान का जो दायरा दिखा, वह बेहद चिंताजनक है। इसमें किसी व्यापक साजिश की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। गौरतलब है कि सोमवार की शाम एक कार में हुए विस्फोट के बाद आसपास खड़े कई अन्य वाहन उसकी जद में आ गए और कई लोगों की जान चली गई। घटना स्थल से जानमाल के नुकसान के जैसे ब्योरे सामने आए, वे किसी बड़े आतंकवादी हमले या बम विस्फोट की तस्वीर से ज्यादा अलग नहीं थे।

सबसे अहम है दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था को चौतरफा चाकचौबंद बनाना, ताकि यहां के लोगों को अतीत की वैसी त्रासदी का सामना फिर से करने की नौबत कभी न आए, जब यहां सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे और उसमें कई लोग मारे गए। आतंकी हमलों के वैसे दौर की वापसी न हो, इसके लिए सरकार को हर जरूरी कदम उठाने चाहिए।

जाहिर है, अब देश की जांच एजेंसियां इस धमाके के बारे में विस्तृत पड़ताल कर सच्चाई का पता लगाएंगी। फिलहाल जांच के बिंदु में सभी कोण शामिल होने चाहिए, क्योंकि देश की राजधानी में हुई यह घटना बेहद संवेदनशील है और कई तरह के खतरों का संकेत भी हो सकती है। यही वजह है कि इस मामले में यूएपीए, विस्फोटक अधिनियम और अन्य सख्त धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच का दायरा व्यापक रखा गया है। निश्चित रूप से इस धमाके की सभी कड़ियों की पड़ताल कर दोषियों को सजा के अंजाम तक पहुंचाने की जरूरत है, मगर सवाल यह भी उठता है कि राजधानी होने के नाते सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से सबसे चौकस और बेहतर मानी जाने वाली दिल्ली में इतनी बड़ी घटना हो गई और सुरक्षा एजेंसियों को इसके बारे में कोई अंदाजा तक नहीं हुआ, तो यह किसकी नाकामी है! इस घटना के तार एक दिन पहले आतंकी तंत्र के एक हिस्से के खुलासे के तहत फरीदाबाद में गिरफ्तार किए गए लोगों के साथ जुड़े होने की आशंका भी जताई जा रही है। लेकिन कार में धमाके की वजह अगर कोई विस्फोटक था, तो उसे वाहन में लेकर कोई व्यक्ति बिना किसी रोकटोक के सड़क पर कैसे चलता रहा और क्या यह देश की खुफिया एजेंसियों की कार्यशैली के चिंताजनक पहलू को नहीं दर्शाता है!

सबसे अहम है दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था को चौतरफा चाकचौबंद बनाना, ताकि यहां के लोगों को अतीत की वैसी त्रासदी का सामना फिर से करने की नौबत कभी न आए, जब यहां सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे और उसमें कई लोग मारे गए। आतंकी हमलों के वैसे दौर की वापसी न हो, इसके लिए सरकार को हर जरूरी कदम उठाने चाहिए। खासतौर पर किसी अंतरराष्ट्रीय साजिश के पहलू से इस घटना की गहन छानबीन होनी चाहिए। सिर्फ दावे करने भर से आतंकवाद का खात्मा होना मुमकिन नहीं है। जम्मू-कश्मीर में आज भी आतंकियों की घुसपैठ और हमले की कोशिशें बताती हैं कि देश में आतंकवाद आज भी एक ऐसी चुनौती है, जिसे लेकर थोड़ी भी लापरवाही की बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। सरकार की सबसे जरूरी प्राथमिकता यहां के आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना होना चाहिए। इसके लिए खुफिया एजेंसियों सहित सुरक्षा व्यवस्था के सभी मोर्चों पर निरंतर चौकस रहने की जरूरत है।

जीवन धारा

प्लूटार्क

मन तो एक जीवंत अग्नि है, जिसे जिज्ञासा, चिंतन और सत्य के प्रेम से सदैव प्रज्वलित रखना चाहिए। यह दिव्य ज्योति हमारे भीतर ही बसती है, बस जरूरत है उसे पहचानने की।

मन कोई पात्र नहीं जिसे भरा जाए

मन किसी पात्र की तरह नहीं है, जिसे तथ्यों, मतों या उधार की बुद्धि से ठूंस दिया जाए। यह ऐसा खाली बर्तन भी नहीं, जिसे शिक्षकों, परंपराओं या संस्कृतियों द्वारा अनावश्यक रूप से भरा जाए। मन तो एक जीवंत अग्नि है, जिसे जिज्ञासा, चिंतन और सत्य के प्रेम से सदैव प्रज्वलित रखना चाहिए। मन की कल्पना एक सूखी लकड़ी के टुकड़े के रूप में करें। बिना चिंगारी के उस पर और लकड़ियां डालने से केवल एक ढेर ही प्राप्त होगा। लेकिन जब एक चिंगारी उस लकड़ी को छूती है, तो वह आग पकड़ लेती है, गर्मी फैलाती है और प्रकाश उत्पन्न करती है। इसी प्रकार मन को भी जिज्ञासा, जुनून और खोज की ज्वाला से प्रज्वलित होना चाहिए।

ज्ञान की खोज का अर्थ खाली बर्तन में अनाज की तरह सूखे तथ्यों का संग्रह करना नहीं है, बल्कि एक ऐसी ज्वाला प्रज्वलित करना है, जो रचनात्मकता को पोषित करे, खोज को प्रेरित करे और मौलिक विचारों को जगाए। किसी पात्र को भरना मतलब उसकी सीमा तय कर देना है। एक बार भर जाने के बाद वह अपने भीतर किसी और चीज को समाहित नहीं कर सकता है। लेकिन जब आप किसी अग्नि को प्रज्वलित करते हैं, तो आप उसे अनंत बना देते हैं, वह फैलती है, दूसरों को ऊष्मा देती है, और अंधकार को प्रकाशित करती है।

इसी प्रकार, ज्ञान जब केवल तथ्यों का संग्रह बनकर जाता है, तो वह बोझिल, निष्क्रिय और निर्जीव हो जाता है। पर जब वही ज्ञान समझ को जन्म देता है, तो वह बुद्धि का रूप ले लेता है, जो सदैव जीवंत, प्रकाशमान और अनंत रहता है। वास्तविक शिक्षा किसी इन्सान के मन को बाल्टी भरने की तरह तथ्यों से जबरन भरने का प्रयास नहीं करती, बल्कि अपने भीतर बौद्धिक आग को प्रज्वलित करने के लिए प्रोत्साहित करती है। यही आग मौलिकता और सत्य की खोज को प्रज्वलित करती है। जीवन की परीक्षाओं में भी, व्यक्ति इस सत्य को पाता है। जुनून और उद्देश्य से प्रज्वलित मन बाधाओं को पार कर जाता है। जैसे अग्नि लकड़ी को जलाकर उसे दीप्तिमान ऊर्जा में बदल देती है, वैसे ही एक प्रेरित मन चुनौतियों को सीढ़ी बना देता है और अंधकार को प्रकाश में बदल देता है। ऐसा मन किसी मत या भय का दास नहीं होता, क्योंकि वह भीतर की स्पष्टता और विश्वास से प्रकाशित होता है।

हर महान खोज, हर साहसिक कार्य, हर नई कल्पना किसी भरे हुए पात्र से नहीं, बल्कि किसी जलती हुई ज्वाला से जन्मी है। चाहे वह सुकरात का प्रश्न पूछता साहस हो, गैलीलियो का अंधकार से युद्ध हो या गांधी का जनचेतना जगाना, ये सब जलते हुए मनों की देन हैं, न कि भरे हुए दिमागों की। इसलिए, अपनी आंतरिक अग्नि को संजोएं। उसे अच्छे विचारों, सच्चे कर्मों और उच्च आदर्शों से पोषित करें।

यह सिर्फ हिंसा की एक घटना नहीं

जब लश्कर-ए-ताइबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे गैर-राज्य तत्व केवल सीमाओं के पार से नहीं, बल्कि स्थानीय नेटवर्क का उपयोग कर देश के भीतर तक पहुंच बना रहे हों, तब लाल किले के पास हुए विस्फोट को सिर्फ हिंसा की एक घटना मानकर खारिज नहीं किया जा सकता।

10 नवंबर को दिल्ली के लाल किले के पास हुआ विस्फोट एक बार फिर यह याद दिलाता है कि भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में शांति बनाए रखना सतत सतर्कता की मांग करता है। यह सिर्फ हिंसा की घटना नहीं थी, यह एक सुनियोजित संदेश था, उन ताकतों की ओर से, जो भय के माध्यम से अस्थिरता फैलाना चाहती हैं।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए), दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) की टीमें जांच में जुटी हैं। प्रारंभिक रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि विस्फोट में उपयोग किए गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) अत्यंत योजनाबद्ध तरीके से लगाए गए थे। महत्वपूर्ण बात यह भी है कि हरियाणा और उत्तर प्रदेश में उसी दिन बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री जब्त की गई। उसी योजना की एक कड़ी के रूप में ये विस्फोट की घटना प्रतीत होती है। हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने एक बड़े ऑपरेशन में बड़े खतरे को टाल दिया। भारत दशकों से आतंकवाद के खतरे से जूझ रहा है, लेकिन इन खतरों का स्वरूप अब बदल गया है। 1980-90 के आसपास पहले पंजाब फिर जम्मू-कश्मीर से शुरू हुआ आतंकवाद का जहर भारत के कई राज्यों और शहरों तक अपनी जड़ें सक्रिय और निष्क्रिय मॉड्यूल के रूप में फैला चुका है। लश्कर-ए-ताइबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे गैर-राज्य तत्व अब केवल सीमाओं के पार से नहीं, बल्कि प्रॉक्सी वॉरफेयर के माध्यम से स्थानीय नेटवर्क, डिजिटल प्लेटफॉर्म और छोटे वित्तीय चैनलों का उपयोग कर देश के भीतर तक पहुंच बना रहे हैं।

आतंक के वित्तपोषण, अवैध हथियारों के नेटवर्क, कट्टरपंथी सामग्री और साइबर अपराध जैसे वैश्विक खतरों ने देशों को आत्मसुरक्षा एवं अपने-अपने राष्ट्रीय हितों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए मजबूर किया है। भारत की आंतरिक सुरक्षा नीति भी इसी बदलाव को दर्शाती है। बीते दो दशकों में देश ने एकीकृत सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली विकसित की है। राज्य पुलिस बलों, केंद्रीय एजेंसियों और अर्धसैनिक संगठनों के बीच आज सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान और स्पष्ट कमांड संरचना मौजूद है। लाल किले की घटना के बाद हुई त्वरित प्रतिक्रिया, फॉरेंसिक टीमों की तैनाती और उनके बीच समन्वय यह दर्शाता है कि भारत की सुरक्षा संरचना कितनी विकसित हो चुकी है।

एनआईए, मल्टी एजेंसी सेंटर (एमएसी) और नेशनल इंटेलिजेंस ग्रिड (नैटग्रिड) जैसी संस्थाओं की स्थापना ने इस परिवर्तन की रीढ़ तैयार की। विशेष रूप से नैटग्रिड ने कई मंत्रालयों, जैसे आव्रजन, बैंकिंग, दूरसंचार और परिवहन के आंकड़ों को जोड़कर खुफिया एजेंसियों को संदिग्ध गतिविधियों का डिजिटल ट्रेल कुछ ही मिनटों में उपलब्ध कराने की क्षमता विकसित की है। हरियाणा और यूपी में एक दिन में अभी तक की विस्फोटक सामग्री की जब्ती इस प्रणाली की सफलता का प्रमाण है। हर राज्य में क्विक आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस), रिएक्शन टीम्स, फॉरेंसिक जांच ढांचा और बम निष्क्रियकरण ढांचा और अन्य वैज्ञानिक उपकरण उपलब्ध हैं। जांच अधिकारियों को मोबाइल फॉरेंसिक उपकरण, प्रशिक्षण और नियमित माँक ड्रिल के माध्यम से तैयार किया जा रहा है। विशेषकर दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात एवं उत्तर प्रदेश ने आतंक निरोधी व्यवस्था में खुद को बार-बार साबित किया है। हालांकि, लाल किले का यह विस्फोट याद दिलाता है कि सुरक्षा का अर्थ

केवल प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि पूर्वानुमान भी है। आधुनिक आतंकी संगठन अब कम लागत, घरेलू सामग्री और अप्रत्याशित समय का उपयोग करता है। पुलिस और खुफिया तंत्र के लिए असली चुनौती ऐसे पैटर्न को पहले ही पहचान लेना है, चाहे वह वित्तीय लेन-देन में असामान्यता हो, रैडिकलाइजेशन हो, ऑनलाइन कट्टरपंथीकरण हो या विस्फोटक सामग्री की असामान्य खरीद। हमें अमेरिका जैसे मजबूत एवं उन्नत राष्ट्रों से भी बहुत कुछ सीखने की जरूरत है, जिसने 9/11 की घटना के बाद न केवल बाह्य, अपितु आंतरिक सुरक्षा के स्तर को इतना सुदृढ़ किया कि वहां ऐसी किसी बड़ी घटना की पुनरावृत्ति नहीं हुई।

जनता की भूमिका भी अहम है। कई महत्वपूर्ण आतंकी मामलों में स्थानीय सूचनाओं और नागरिक सतर्कता ने निर्णायक योगदान दिया है। अब सामुदायिक सहयोग आंतरिक सुरक्षा का अनिवार्य अंग बन चुका है। हर घटना सीख देती है, और इन शिक्षाओं को संस्थागत रूप देना आवश्यक है। जांच के बाद की समीक्षा रिपोर्ट प्रशिक्षण, शहरी सुरक्षा मानचित्रण और खुफिया तंत्रों को बेहतर बना सकती हैं। अब समय है कि ध्यान पूर्वानुमान आधारित पुलिसिंग (प्रेडिक्टिव पुलिसिंग) पर केंद्रित किया जाए, न कि केवल जांच तक सीमित रहा जाए। तकनीक इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन निगरानी और डिजिटल फॉरेंसिक जैसे उपकरण पुलिसिंग को नई दिशा दे रहे हैं। नैटग्रिड का अगला चरण, जिसमें राज्यों के डाटा नेटवर्क को भी जोड़ा जाएगा, इस संरचना को और सशक्त बनाएगा।

लेकिन अंततः सबसे अहम मानव तत्व है। जमीनी स्तर पर तैनात अधिकारियों की सतर्कता, जांचकर्ताओं की सूझबूझ और एजेंसियों के बीच तालमेल ही किसी आपदा को रोक सकते हैं। तकनीक सहायता करती है, लेकिन काम मनुष्य ही करता है। लाल किले के पास धमाके की जांच जारी है तथा आने वाले दिनों में सुरक्षा एजेंसियां इसके कारणों एवं सूत्रधारों का खुलासा करेंगी। आंतरिक सुरक्षा ढांचा पहले से कहीं अधिक सक्षम है, पर खतरे भी उतनी ही तेजी से बदल रहे हैं, तथा आतंकी संगठन अब और संगठित, आधुनिक तकनीक से लैस, एवं संसाधन युक्त हो रहे हैं। पुलिस आधुनिकीकरण, फॉरेंसिक साइंस और खुफिया साझेदारी में निवेश को दीर्घकालिक राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाना चाहिए। सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मसंतोष का कोई स्थान नहीं।

भारत की सुरक्षा प्रणाली आज प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि सहनशीलता और आत्मविश्वास की प्रतीक बन चुकी है। लाल किला सदियों से अनेक संकटों का साक्षी रहा है, और हर बार राष्ट्र पहले से अधिक सशक्त होकर उभरा है। इस बार भी ऐसा ही होगा।

आज की दुनिया में आतंकवाद सीमाओं तक सीमित नहीं रहा। यूरोप, मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया में हम देख रहे हैं कि प्रॉक्सी युद्ध न्यू नॉर्मल बन गया है, जहां विचारधारा, दुष्प्रचार और तकनीक को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। भारत, जो इस अस्थिर क्षेत्र के मध्य में स्थित है, को इस बहुस्तरीय चुनौती का प्रतिदिन सामना करना पड़ता है। दिल्ली के लाल किले के पास हुआ यह हमला केवल जानमाल की हानि के लिए नहीं है, अपितु यह देश के प्रतीकों और जनसुरक्षा पर भरोसे को चोट पहुंचाने की कोशिश है।

-सुनील कुमार गुप्ता (पूर्व आईपीएस और सुरक्षा विशेषज्ञ)

अधूरे अनुबंधों की निश्छल यात्रा

समय की धारा में बहती यह जिंदगी न जाने कितने ही अजनबी मोड़ से होकर गुजरती है। कभी ये मोड़ हमें किसी शांत तट तक ले आते हैं, जहां मन ठहर जाने को आतुर हो उठता है। लगता है कि यही वह स्थान है, जहां इस यात्रा को रुक जाना चाहिए। मगर जीवन की यह धारा किसी एक ठहराव को स्थायी नहीं बनने देती, वह आगे बहती रहती है। नए किनारे दिखाती है, नए अनुभवों का उपहार देती है, जो कभी सुखद होते हैं, तो कभी असहनीय।

इस जीवन धारा में कई ऐसे मोड़ आते हैं, जो हमें उस समय समझ नहीं आते। कुछ अप्रसांगिक, कुछ रहस्यमय और कुछ ऐसे, जिनका अर्थ हमारे वर्तमान बोध से बहुत परे होता है। ये वे क्षण होते हैं, जब हमें किसी गहरे पूर्वानुभव का एहसास होता है। किसी अनजाने व्यक्ति की मुस्कान, किसी पुराने गीत की धुन, किसी जगह की गंध या किसी दृश्य का अचानक भीतर तक उतर जाना। ऐसा लगता है मानो आत्मा ने यह सब पहले जिया हो। कहीं, किसी और समय में। ऐसे पूर्वानुभव हमें अक्सर उलझन में डाल देते हैं, लेकिन समय के साथ उनकी परतें धीरे-धीरे खुलने लगती हैं। तब समझ आता है कि ये घटनाएं संयोग नहीं थीं, ये हमारी आत्मा की यात्रा के संकेत थे। अदृश्य धागे, जो हमें किसी नए द्वार तक ले जाने के लिए आए थे। यह अनुभव हमारी चेतना का विस्तार करते हैं।

कभी अचानक ऐसे मोड़ भी सामने आ खड़े होते हैं, जिनसे निकलने के लिए मन व्याकुल हो उठता है। यह व्याकुलता, संघर्ष और इनसे उपजे अनुभव मिलकर हमारे भीतर एक गठरी बना देते हैं-अनुभवों की गठरी। यही गठरी हमें संभालती भी है और हमें परिपक्व भी बनाती है। शुरू में जी उतार-चढ़ाव हमें तोड़ने लगते हैं, वही अनुभव धीरे-धीरे हमें इस धारा के प्रवाह को स्वीकार करना सिखा देते हैं। मानव जीवन एक सतत यात्रा है, जो केवल भौतिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है। इसका मूल उद्देश्य आत्मा को उस विद्वता और शांति के आलिंगन तक ले जाना है, जहां वह परमात्मा में विलीन हो सके। यह यात्रा रैखिक नहीं है। यह समय और जन्म की परतों में फैली हुई है। हर अनुभव अधूरे पाठों को पूरा करने की एक कड़ी भर है। हमारे जीवन में आने वाले सुख-दुख, रिश्ते-नाते, सफलताएं और असफलताएं, सब हमारे लिए अनुबंध होते हैं, जिन्हें पूरा करना हमारी नियति होती है। कई बार ये अनुभव इतने गहरे होते हैं कि हमें लगता है जैसे हम किसी अदृश्य शक्ति द्वारा संचालित हो रहे हैं, जो हमें किसी निश्चित दिशा में खींच रही है। कभी ये अनुबंध पीड़ा के रूप में सामने आते हैं- किसी रिश्ते की कसक, किसी प्रियजन् के लिए जी वन में जो अनुभव हमें मिलते हैं, वे एक मौन शिक्षक की तरह काम करते हैं। ये अनुभव, जो हमें हमारी सीमाओं से परिचित कराते हैं, हमारी धैर्य-शक्ति को परखते हैं और हमें आत्मनिरीक्षण के लिए प्रेरित करते हैं। समय के साथ हम यह समझने लगते हैं कि सुख और दुख दोनों ही क्षणभंगुर हैं और इनका चक्र जीवन भर चलता रहेगा।

बिछोह या किसी असफलता का बोझ बनकर। कभी ये सामाजिक या पारिवारिक रूप में प्रकट होते हैं, जहां हमें अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना होता है या किसी गहरे रिश्ते के माध्यम से हमें कोई महत्त्वपूर्ण सबक मिलना होता है। जब हम इन अनुबंधों की गहराई को समझना शुरू करते हैं, तो जीवन का अर्थ बदलने लगता है। तब हमें यह अहसास होता है कि हर घटना, हर मोड़, हर सुख और दुख आत्मा की उन्नति के लिए एक साधन मात्र हैं।

जीवन में जो अनुभव हमें मिलते हैं, वे हमारे भीतर एक मौन शिक्षक की तरह काम करते हैं। ये अनुभव, जो हमें हमारी सीमाओं से परिचित कराते हैं, हमारी धैर्य शक्ति को परखते हैं और हमें आत्मनिरीक्षण के लिए प्रेरित करते हैं। समय के साथ हम यह समझने लगते हैं कि सुख और दुख दोनों ही क्षणभंगुर हैं और इनका चक्र जीवन भर चलता रहेगा। यह समझ हमें भीतर से स्थिर कर देती है। तब जीवन के प्रति हमारा दृष्टिकोण बदल जाता है। हम प्रतिक्रियाशील होने के बजाय पर्यवेक्षक बन जाते हैं। यही पर्यवेक्षक दृष्टि हमें उस गहन शांति तक ले जाती है, जिसकी तलाश हर आत्मा अनजाने में करती रहती है।

अक्सर लोग इस अवस्था को उदासीनता कहकर गलत समझ लेते हैं। उन्हें लगता है कि व्यक्ति अब न खुशी महसूस करता है, न दर्द। लेकिन यह उदासीनता दरअसल वह शांति होती है, जो हर अनुभव को सहजता से स्वीकार करना सीख चुकी होती है। जब हम किसी घटना को केवल उसकी सतही रूपरेखा में देखते हैं, तो हमें उसमें या तो पीड़ा दिखती है या उल्लास। लेकिन जब हम उसे अपनी यात्रा का एक हिस्सा मानकर देखते हैं, तो उसका अर्थ बदल जाता है। तब न हम अत्यधिक उल्लसित होते हैं, न अत्यधिक व्यथित। हम बस उस घटना को एक अनुभव के रूप में स्वीकार कर आगे बढ़ जाते हैं। यही परिपक्वता है।

जीवन का अंतिम लक्ष्य केवल जीना या भौतिक सुख-सुविधाओं का संग्रह करना नहीं है। ये तो यात्रा के बीच में मिलने वाले छोटे ठहराव भर हैं। असली लक्ष्य अहंकार का समाप्त हो जाना है, इच्छाओं का शांत हो जाना है। मगर इस अवस्था तक पहुंचने के लिए लंबी यात्रा करनी पड़ती है, जिसमें नए सबक लिखे जाते हैं-कभी यह अध्याय सुखद होता है, कभी अत्यंत कठिन, लेकिन दोनों ही हमारी उन्नति के लिए आवश्यक होते हैं। जीवन की यह धारा निरंतर बहती रहती है, हम चाहें या न चाहें। हम इसके प्रवाह के साथ चलना सीख सकते हैं। जब हम इस प्रवाह को स्वीकार कर लेते हैं, तब जीवन सरल हो जाता है। तब न हमें ठहराव की लालसा रहती है, न मोड़ों से डर। हम बस बहते जाते हैं, सीखते जाते हैं, और आखिर शांति के किनारे तक पहुंच जाते हैं। यही जीवन की सच्ची यात्रा है अनुभव से ज्ञान, ज्ञान से शांति, और शांति से मुक्ति की ओर एक सतत् प्रवाह।

-मनीषा मंजरी

जेन जी और बदलाव के नए सूत्र

इन दिनों, इंस्टाग्राम को ध्यान में रखकर होटलों के बाथरूम्स बनाए जा रहे हैं, क्योंकि जेन जी ने इन्हें ही फोटो स्टूडियो बना दिया है।

इन दिनों जेन जी वह पीढ़ी है, जो किसी के व्यापार को चमका सकती है और गिरा भी सकती है। यही वह पीढ़ी है, जिसकी जेब में पैसा है। इसलिए इसे खुश करने के तरह-तरह के उपाय खोजे जा रहे हैं।

इस पीढ़ी के बारे में यह भी कहा जाता है कि यह इंस्टाग्राम या इंस्टा पीढ़ी है। यानी कि जो कुछ भी इसके जीवन में चल रहा है, उसके फोटो खींचकर इसे इंस्टाग्राम और फेसबुक पर लगाने हैं। किसी छोटी-से छोटी घटना को भी फोटो के रूप में कैद करके वाहवाही लूटनी है।

इस पीढ़ी को बाहर खाने का भी बहुत शौक है। मशहूर होटल हों, रेस्त्रां हों, पब हों, काम के बाद शाम के घंटों में इस पीढ़ी के अधिकांश लोग यहीं पाए जाते हैं। खाते-पीते, होटल में खड़े, कॉफी का कप थामते फोटो खींचना है, खिंचवाना है और लगाना है। व्यवसायियों को जल्दी से जल्दी लोकप्रिय होने का यह तरीका समझ में आ गया है, जहां पब्लिसिटी पर उनका कुछ खर्च नहीं होना है। हां, उनके होटल या रेस्त्रां के फोटो अच्छे होने चाहिए। ये युवा गुगल पर अक्सर सर्च भी करते रहते हैं कि इंस्टा के लिए लंदन में, वाशिंगटन में, दुबई आदि में कौन-से होटल या रेस्त्रां अच्छे हैं। होटल मालिकों ने इस बात को समझ लिया है। इसे समझने से पहले उन्होंने इस बात का पता लगाया कि कहां फोटो अच्छे आ सकते हैं। जहां ज्यादा भीड़-भाड़ न हो। लड़के-लड़कियां आराम से फोटो खींच सकें। ये ट्रेंड कोविड के

बाद ज्यादा बढ़ा। बस करना यह है कि किसी खाद्य पदार्थ की आकर्षक तस्वीर खींचें, उसे खाते दिखें और लोगों को बताएं कि यहां आकर किस-किस खाद्य पदार्थ को खाया जा सकता है। इस रेस्त्रां या होटल की खासियत क्या है। इस फोटो को खींचने में तरह-तरह के रंगों, रोशनियों और फिल्टर का इस्तेमाल भी किया गया हो। जब ये इंस्टा पर आता है, तो देखते-देखते छा जाता है। लोग उस स्थान की तरफ दौड़ पड़ते हैं, जहां ये खाद्य पदार्थ मिल रहे हैं। होटल भी हिट और फोटो लगाने वाला भी। दिलचस्प यह है कि अच्छा खाना पृष्ठभूमि में चला गया है, प्राथमिकता अच्छे फोटोज की है। इसीलिए, अब लोग अच्छे खाने के मुकाबले गूगल से यह पूछते हैं कि अमुक शहर में इंस्टाग्राम के लिए फोटो खींचने के लिए अच्छे होटल या रेस्त्रां कौन-कौन से हैं। और एक लंबी-चौड़ी लिस्ट सामने आ जाती है। ऐसे बहुत से ग्रुप्स हैं, जो इस तरह की लिस्ट लगातार जारी करते रहते हैं। क्रेब कम्युनिकेशंस के टॉम रोजर्स का कहना है कि इन दिनों इंस्टाग्राम को ध्यान में रखकर ही होटल बनाए जा रहे हैं। उनकी साज-सज्जा की जा रही है। बाथरूम्स पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उनमें बहुत-सी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। तरह-तरह की लाइट्स लगाई जा रही हैं। उम्मीद की जाती है कि इन बाथरूम्स में ज्यादा से ज्यादा लोग आएंगे। यहां आकर अपने फोटो खींचेंगे और सोशल मीडिया पर लगाएंगे। इन दिनों बाथरूम्स इंस्टाग्राम के लिए फोटो खींचने के लिए फेवरेट लोकेशंस हैं। एक अध्ययन में पाया गया कि सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स एक रेस्त्रां में अपने तरह-तरह के अनुभवों को जल्दी से जल्दी शेयर करना चाहते हैं। वे बाथरूम्स या रेस्टरूम्स में जाकर सबसे ज्यादा तस्वीरें खींचते हैं। इसी अध्ययन में पता चला कि इंस्टा पर इन रेस्टरूम्स की हजारों, लाखों की संख्या में फोटोज मौजूद हैं। इन फोटोज में चमकते हुए सिंक, बड़े-बड़े शीशे, छत पर लटकी लाइट्स, दमकती हुई टाइल्स, साफ-सुथरे तौलिए, खुशबूदार बड़े ब्रांड्स के साबुन आदि दिखाई देते हैं। इन दिनों तो यहां तरह-तरह के कार्टून्स और पेंटिंग्स आदि भी दिखाई देती हैं। रेस्टरूम्स की सज्जा पर मालिकान बहुत पैसे खर्च कर रहे हैं, जिससे कि होटल या रेस्त्रां की ब्रांड वैल्यू बढ़ सके।

-क्षमा शर्मा

इंदौर बाजार भाव

इंदौर एजेंसी। छुटपुट लेवाली के बीच बुधवार को खाद्य तेलों में बाजार तेजी के रहे। तिलहनों में सोयाबीन में आवकें ठंडी रही। दलहनों में चना सुस्ती पर देखा गया। किराना जिंसों में शक्कर सुस्त रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार खाद्य तेलों में छुटपुट लेवाली के बीच बुधवार को बाजार मुनाफे में रहे। तिलहनों में सोयाबीन आवकें कमजोर रहने से मजबूती पर रहा। दलहनों में चना सुस्त आवकों के बीच बाजार नरमी के रहे। उधर, किराना जिंसों में शक्कर सुस्ती पर रही। तरबूज मगज व बादाम में मजबूती देखी गयी। भाव इस प्रकार रहे -

किराना- शक्कर 4180-4220, खोपरा गोला 305-375, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 211-215, ऊंझा हल्का 245-228, मीडियम 232-240, बेस्ट 251-265, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4800-4900, मीडियम 5000-5100, बेस्ट 5100-5200, सच्चा मोती 5300, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 101-125, बेस्ट 145-225, एस्ट्रा बेस्ट 275-350, सौंफ बारिक 95-125, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 751-781, गरबल 715-725, मटरदाना 790-801, खसखस अनक्लीन 750-950, क्लीन 1050-1250, दालचीनी 220-245, जायफल 715-785, वाद्यान फूल 375-565, शाहजीरा 425, तेजपान 90-97, पत्थर फूल 235-260, जावत्री 1650-1975, नाग केसर 885-925, सौंठ 275-450, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 725-750, बेस्ट 780-791, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची 2850-2925, मीडियम 2975-3175, बेस्ट 3225-3375, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3551, पानबार 2700, बड़ी इलायची 1475-1575, बेस्ट1825-2050, तरबूज मगज 520-575, काजू (240) 885-925, काजू (320) 850-861, काजू एस. डब्ल्यू 835-840, काजू एस.एस. डब्ल्यू 850-860, काजू जे.एच. 810-820, टुकड़ी 785-795, बादाम मगज 840-851, कैलिफोर्निया 771-785, अखरोट 575-725, बेस्ट 815-850, अखरोट गिरी 1250-1650, जर्दालु 375-475, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 500-550, बेस्ट 625-725, इंडियन 375-391, बेस्ट 401-425, चारौली 1650-1750, बेस्ट 1850-1950, मुनक्का 350-650, बेस्ट 800-925, अंजीर 851-1075, मखाना 675-875, बेस्ट 975-1115, खारक 75-85, मीडियम 95-125, बेस्ट 175-275, पिस्ता पिशोरी 2850-2900, कंधारी 2350, नमकीन पिस्ता 875-1075, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3600-3650, (160) 3600-3650, (200) 4000-4100, (250) 4900-5000

तेल- सींगदाना 1410-1430, मुम्बई 1450, राजकोट तेलिया 2280, सोया साल्वेंट 1175-1180, सोया रिफाइंड 1245-1250, कपास्या 1230, धूलिया 1235, कड़ी 1235,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1425, मुम्बई पाम 1250, मुम्बई सोया 1270,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2400, देवास-उज्जैन 2400, खंडवा-बुरहानपुर 2375, अकोला 3800 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7900-8200, रायडा 6300-6500, सोयाबीन 4400-4500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5700-5750, एवरेज 5000-5200, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशा?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 5950-6000, एवरेज 5850-5900, मूंग देशी 7800-7900, पाला 7900-8000, चमकी 8000-8100, नायलोन 8000-8100, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6800-6900, एवरेज 6600-6700, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6800-6900, उड़द बेस्ट 7600-7700, एवरेज 7400-7500, शंकर 7200-7300, हल्की 7000-7100,

दाल- चना दाल एवरेज 7200-7400, मीडियम 7400-7500, बोल्ड 7700-7900, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8100, मूंग दाल 9100-9200, बोल्ड 9500-9700, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3150, सेला 3500-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-4700, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8800, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6000, तिबार 9500-10000, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 380, उज्जैन 280, रतलाम 340 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर एजेंसी। बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। किन्तु दोनों ही कीमती धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 156500, चाँदी (99) 155800, टंच 155000, सिक्का 1800, सोना 10 ग्राम 125400,

रुपया गिरावट पर बंद

नई दिल्ली एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 16 पैसे टूटकर 88.66 पर बंद हुआ। आज सुबह .रुपया 0.06 रुपये की गिरावट के साथ 88.62 पर कारोबार कर रहा था, जो एक सीमित दायरे में सीमित रहा, क्योंकि व्यापारी प्रमुख आर्थिक संकेतों का इंतज़ार कर रहे थे। विश्लेषकों ने कहा कि बाजार सहभागियों की नजर अब इस सप्ताह के अमेरिकी सीपीआई आंकड़ों पर है, जिससे डॉलर की चाल के लिए नए संकेत मिलने की उम्मीद है और बदले में रुपये की चाल पर भी असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल, रुपये के सीमित दायरे में रहने की संभावना है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में, रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.61 पर खुला और कारोबार के दौरान 88.56 के उच्चतम स्तर और 88.66 के निम्नतम स्तर को छुआ।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 595.19 अंक ऊपर आकर 84,466.51 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 180.85 अंक उछलकर 25,875.80 पर जाकर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान आईटी, फार्मा और ऑटो सेक्टरों में लगातार खरीदारी रही। आईटी और ऑटो दिग्गज शेयरों में भारी खरीदारी के बीच सूचकांक ने शुरुआती तेजी जारी रखते हुए 84,652.01 के इंट्रा-डे हाई तक पहुंचा। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिकी सरकार के शटआउट समाप्त होने की उम्मीद और फेड की शुरुआती कटौती की बढ़ती उम्मीदों से प्रेरित होकर, वैश्विक इक्विटी में नए सिरे से जोखिम उठाने की क्षमता के कारण बाजार में तेजी है। आज टाटा स्टील, टाटा मोटर्स पीवी और टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल नकारात्मक दायरे में बंद हुए। निफ्टी आईटी 738 अंक या 2.04 फीसदी, निफ्टी ऑटो 336 अंक या 1.24 फीसदी, निफ्टी बैंक 136 अंक या 0.23 फीसदीऔर निफ्टी वित्तीय सेवाएँ 82 अंक या 0.12 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए। व्यापक बाजार ने भी यही माहौल रहा। निफ्टी स्मॉलकैप 0.82 फीसदी, निफ्टी मिडकैप 0.79फीसदी और निफ्टी 100 0.61 फीसदी की बढ़त पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी से बाजार में उछाल आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के एच1 बी वीजा को लेकर आये बयान के बाद भी आईटी शेयरों में बढ़त आई है। वहीं पीएसयू बैंकों में खरीदारी ने भी बाजार में उत्साह का माहौल है। सुबह सेंसेक्स सुबह 323.89 अंक की बढ़त लेकर 84,195.21 पर था। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाल नैशनल स्टॉक एक्सचेंज सुबह 99.10 अंक बढ़कर 25,781 पर कारोबार कर रहा था। वहीं विदेशी बाजारों की बात करें तो बुधवार को एशियाई शेयर बाजारों में ज़्यादातर बढ़त दर्ज की गई। अमेरिकी सरकार के शटडाउन समाप्त होने की उम्मीद से भी बाजार को बल मिला है। जापान का निक्केई 225 0.26 फीसदी गिरा, जबकि टॉपिक्स 0.35 फीसदी बढ़ा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी स्थिर रहा, लेकिन कोस्डैक 0.62 फीसदी बढ़ा।

14 नवंबर से भारत मंडपम में शुरू होगा अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला

नई दिल्ली एजेंसी। भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला 14 नवंबर यानी शुक्रवार से भारत मंडपम में शुरू होने जा रहा है। आधिकारिक बयान के मुताबिक संयुक्त अरब अमीरात, चीन, ईरान, दक्षिण कोरिया और मिस्र समेत 12 देशों के विदेशी प्रदर्शक 14 दिन चलने वाले इस मेले में भाग लेंगे। इसमें कहा गया कि मेला, भारत के उद्योग की ताकत एवं उसके उत्पादों की गुणवत्ता प्रदर्शित करने का एक प्रमुख मंच है। इस साल मेले का विषय एक भारत श्रेष्ठ भारत है। भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) ने बयान में कहा कि बिहार, महाराष्ट्र, राजस्थान और यूपी 'साझेदार राज्य के रूप में भाग लेंगे जबकि झारखंड को 'फोकस राज्य के रूप में चुना गया है। मेले का समय सुबह 10 से शाम साढ़े सात बजे तक रहेगा। भैरों रोड की ओर तीन व चार और मथुरा रोड पर छह व 10 नंबर प्रवेश द्वार से लोग आवाजाही कर सकते हैं। व्यावसायिक दिन 14 से 18 नवंबर के बाद इसे 19 से 27 नवंबर तक आम जनता के लिए खोला जाएगा। बयान में कहा गया है कि भारत मंडपम के द्वारों पर टिकट की बिक्री नहीं होगी। टिकट डीएमआरसी के 55 मेट्रो स्टेशन पर की जाएगी। इसे दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के 'सार्थी ऐप के जरिए ऑनलाइन खरीदे जा सकेंगे। इसके अलावा, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजन को नि:शुल्क प्रवेश दिया जाएगा।

चालू वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था 7.4 फीसदी पर पहुंचने की उम्मीद

नई दिल्ली एजेंसी। नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस ऐंड पॉलिसी (एनआईपीएफपी) ने आर्थिक समीक्षा में कहा कि जीएसटी दर को युक्तिसंगत बनाए जाने और अमेरिका की अर्थव्यवस्था का क्षमता के मुताबिक प्रदर्शन होने से चालू वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था 7.4 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है। इस साल अप्रैल की समीक्षा में इसने वित्त वर्ष 26 में 6.6 फीसदी वृद्धि का अनुमान लगाया था। वहीं भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 6.8 फीसदी वृद्धि का अनुमान लगाया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आर्थिक समीक्षा में कहा गया है कि सार्वजनिक क्षेत्र में भारी निवेश, ग्रामीण व शहरी दोनों क्षेत्रों में घरेलू खपत की मांग बहाल होने, वस्तु एवं सेवा कर को युक्तिसंगत बनाए जाने और बाहरी क्षेत्र खासकर अमेरिका का प्रदर्शन बेहतर रहने की उम्मीद से भारत की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर तेज रहने की उम्मीद है। हालांकि वित्त मंत्रालय के तहत आने वाले स्वायत्त शोध संस्थान ने अपनी समीक्षा में दो वैकल्पिक परिदृश्य भी बताया है, जिसमें अमेरिकी अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन उम्मीद से बेहतर और उम्मीद से कमतर रहने की परिकल्पना की गई है। इसके मुताबिक अगर अमेरिकी उत्पादन संभावित से 1 फीसदी ऊपर रहता है, तो अर्थव्यवस्था 8.8 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है, जबकि अगर अमेरिकी उत्पादन संभावित से 1 फीसदी नीचे रहने पर वित्त वर्ष 2026 में आर्थिक वृद्धि दर 6 फीसदी रहने की संभावना है। इसके अलावा एनआईपीएफपी ने खाद्य महंगाई दर में कमी के कारण चालू वित्त वर्ष में खुदरा महंगाई दर 1.6 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। साथ ही यह भी उल्लेख किया गया है कि खाद्य तेल की महंगाई दर ऊंची बनी हुई है और सोने और चांदी में देखी गई तेज मूल्य वृद्धि के कारण मुख्य महंगाई दर बढ़ रही है।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए किसी नए घर की खरीदारी के लिए अच्छा रहेगा। आपको कार्यक्षेत्र में बॉस सरप्राइज दे सकते हैं। आप अपनी वाणी से लोगों का दिल जीतने में कामयाब रहेंगे। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों के छवि और निखरेगी। आप किसी पिकनिक आदि पर जाने के प्लानिंग कर सकते हैं, जिसमें आप अपने माता-पिता से पूछकर जाएं, तो बेहतर रहेगा। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए नुकसानदायक रहने वाला है, इसलिए आपको अत्यधिक तले-भुने भोजन से भी परहेज रखना होगा। आप घर के कामों में कुछ बदलाव करेंगे, जो आपके लिए अच्छे रहेंगे। वाहनों के प्रयोग से आपको सावधान रहना होगा। आपकी निर्णय लेने की क्षमता भी बेहतर रहेगी। जीवनसाथी आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ देंगे, जिससे आपको काफी सारी मुश्किलों से बाहर निकलने में राहत मिलेगी।

मिथुन- आज का दिन बिजनेस कर रहे लोगों के लिए बढ़िया रहने वाला है, क्योंकि आप अपने बिजनेस में कुछ तकनीकी उपकरणों को शामिल कर सकते हैं। आपके बॉस आपको कोई जिम्मेदारी दें, तो आप उसमें लापरवाही बिल्कुल ना करें। आपके घर परिवार में सदस्यों में किसी छोटी बात को लेकर नोकझोंक हो सकती है। आपकी अपने दोस्तों से खूब पटेगी, लेकिन कोई दूर रह रहा परिजन आपकी और माता जी के बीच कोई वाद-विवाद खड़ा करा सकता है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपके मन में खुशियां रहेगी। आपकी इनकम के सोर्स बढ़ेंगे,जो आपको खुशी देंगे। रचनात्मक कार्यो में आपकी काफी रुचि रहेगी। नौकरी को लेकर परेशान चल रहे लोग कोई बदलाव करने की सोच सकते हैं। आपको सरकारी क्षेत्रों में भी अच्छा नाम कमाने का मौका मिलेगा। रक्त संबंधी रिश्तों में मजबूती आएगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए वाणी और व्यवहार पर संयम बनाए रखने के लिए रहेगा। आपको अपनी आर्थिक स्थिति को लेकर थोड़ी टेंशन हो सकती है। आप अपने बिजनेस के कामों में कुछ बदलाव करेंगे, जो आपके लिए अच्छे रहेंगे। आज आपको पढ़ाई-लिखाई में एकाग्र होकर जुटना होगा। दोस्तों का आपके सहयोग भरपूर मात्रा में मिलेगा। आपका कोई करीबी आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर सकता है।

कन्या- आज आपको किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित होने का मौका मिलेगा। आपकी कोई पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है। आपको अपने आसपास से रह रहे लोगों को पहचानकर आगे बढ़ना होगा। बिजनेस में काम के सिलसिले में कहीं यात्रा पर जाना पड़ सकता है। आपको जीवनसाथी से कोई बात गुप्त नहीं रखनी है, नहीं तो बेवजह का लड़ाई-झगड़ा बढ़ सकता है।

तुला- आज का दिन आपके लिए चुनौतीपूर्ण रहने वाला है। आपको कुछ नये संपर्कों से लाभ मिलेगा और जो लोग शेयर मार्केट आदि में इन्वेस्टमेंट करने के प्लानिंग कर रहे हैं, उनके लिए दिन अच्छा रहेगा। आपकी कोई बात बनते-बनते बिगड़ सकती है। आपको अपने पिताजी की बातों को इग्नोर ना करें।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। नौकरी की तलाश में इधर-उधर भटक रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी। आप किसी बड़े जोखिम में हाथ डालने से बचें। आपके मित्रों की संख्या में इजाफा होगा। आप किसी प्रॉपर्टी की खरीदारी की योजना बना रहे थे, तो आपकी वह इच्छा भी पूरी हो सकती है। परिवार के सदस्यों का साथ आप पर बना रहेगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आप परोपकार के कार्यो में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेंगे और अपने खर्चों को लेकर बजट बनाकर चले। भगवान की भक्ति में आपका खूब मन रहेगा और आप अपने किसी दोस्त की मदद के लिए कुछ रूपयों का इंतजाम भी कर सकते हैं। आपको पारिवारिक लड़ाई-झगड़ों को मिल बैठकर दूर करने की आवश्यकता है और अपनी आवश्यकता के अनुसार भी खर्च करें, तो आपके लिए बेहतर रहेगा। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं।

मकर- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा होंगा। आप कोई निवेश करना चाहते हैं, तो वह आपके लिए अच्छा रहेगा। मौसम का विपरीत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है और आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से परिवार में पूजा-पाठ का आयोजन होगा। आपको किसी दूसरे के मामले में बेवजह बोलने से बचाना होगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए धैर्य और संयम से काम लेने के लिए रहेगा। आप अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें और यदि कोई समस्या हो, तो उसके लिए किसी अच्छे डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें। आपके परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। रोजगार को लेकर परेशान चल रहे लोगों को कोई अच्छा अवसर हाथ लगेगा। आपका धन धान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहेगा और आप किसी वाद-विवाद से दूर रहे तो बेहतर रहेगा। दोस्तों के साथ किसी पार्टी आदि को करने की योजना बना सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग और सानिध्य आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। आपकी धन संबंधित समस्याएं यदि आपको परेशान कर रही थी, तो वह भी काफी हद तक दूर होती दिख रही है। भाग्य के दृष्टिकोण से आज का दिन अच्छा रहेगा।

शब्दजाल - 8078

शब्द जाल में उन 10 भाषाओं के नाम ढूंढिए जो भारत में बोली जाती हैं. नाम उपर से नीचे, एवं तिरछे भी हैं.

या	ज	गा	रा	ग	ब	ज	क	प	ल	क
दें	वा	ज	ज	या	उ	ड़ि	या	स	ज	ड़
बं	ह	या	स्था	र्म	छ	स	या	न	य	म
क	गा	ल	नी	दे	हिं	दी	ता	ल	ल	क
ती	इ	ली	म	सं	व	ल	श	या	ला	ल
आ	ता	म	ई	र	ब	क	ल	लो	श	ज
सा	बा	चे	रा	ई	क	म	री	ग	प	न
मी	र	मी	प	ठी	ज	ना	र्द	न	प	त
क	ज	ल	ज	न	व	री	ऐ	ज	प	मि
क	प	ल	प	द	या	स	मा	ब	प	ल
का	श्तो	चे	न्न	ई	गु	ज	रा	ती	प	ग

राजस्थानी, मराठी, गुजराती, तमिल, हिंदी, पश्तो, बंगाली, उड़िया, आसामी, मलयालम.

शब्दजाल - 8077 का हल

चं	ज	गां	धी	ग	ब	ज	मं	प	सु	क
द्र	वा	भ	क	या	दों	का	ग	स	ख	ड़
शे	ह	या	ग	र्म	छ	स	ल	न	दे	क
ख	र	रा	र	त	वी	स	पां	ल	व	य
र	इ	म	म	सं	सिं	ल	डे	र	रा	ल
आ	ता	प्र	ई	र	ब	ह	फ	त	श	ज
जा	बा	सा	दा	ई	जी	स	प	ग	प	न
द	र	द	प	ता	ज	ज	र्द	न	प	स
क	ज	बि	ने	न	ला	तां	त्या	ग्रे	पे	हो
क	म	स्मि	प	ला	या	स	मा	ब	प	य
का	न	ल	ला	लो	क	मा	न्य	ति	ल	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

13 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	06.31 ब.से
चंद्र	सिंह में	धनु	08.47 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	10.53 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.39 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	14.12 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	15.42 बजे से
शनि	मीन में	वृष	17.22 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	19.21 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.34 बजे से
		सिंह	23.50 बजे से
		कन्या	02.02 बजे से
		तुला	04.13 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2025 वर्ष का 317 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण
तिथि नवमी 23.35 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 19.38 बजे को समाप्त।
योग ब्रह्म 06.58 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 11.11 बजे तदनन्तर गर 23.35 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 22.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 17° 58'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872527
जूलियन दिन 2460992.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उल्लावल
तारीख 21

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7022

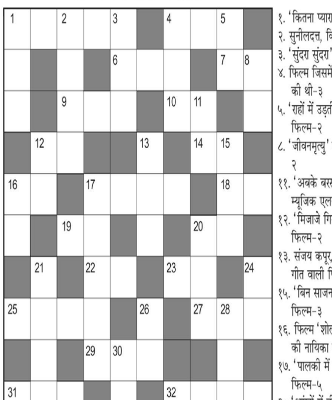

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनीलदत्त, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. 'सुंदरा सुंदरा' गात वाली फिल्म-३
४. फिल्म जिसमें शाहरुख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-२
८. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेंद्र के साथ नायिका?-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है?-२
१२. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी?-२
१७. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२० 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
३०. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी देओल, रवीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-३
७. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-२
९. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की' गात वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'जिंदगी के खेल में' गात वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२०. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी?-२
२३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीव, राखी की एक फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली - 7021

बा	ग	बा	न		त्रि		धू	म
रू		द		स्व	दे	श		र्या
द	ला	ल			व		दा	दा
	ड़		प्या	सा		सी	मा	
दु	ला	र		ज	ख्मी		द	म
श्म		ज	मी	न		ने		म
नी	तू		ना		म	हा	न	ता
		आ		दो	स्त		गी	
दि	ल	ज	ले			बे	ना	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: सबसे बड़ा धर्म

हीरे-जवाहरात के एक बड़े व्यापारी थे- देवीदीन। व्यापार में वह किसी प्रकार की अनीति नहीं करते थे। वह दूसरे व्यापारियों के हितों का भी ध्यान रखते थे। एक बार उन्होंने किसी व्यापारी से जवाहरातों का सौदा किया। भाव तय हो गया और यह भी निर्धारित हो गया कि अमुक समय के भीतर वह व्यापारी देवीदीन को जवाहरात दे देगा। दस्तावेज पर दोनों पार्टियों के हस्ताक्षर हो गए। संयोग से इस अवधि में जवाहरातों का भाव बढ़ गया। इस भाव पर यदि वह माल देता तो उसे भारी हानि हो जाने की आशंका थी। बेचारा व्यापारी संकट में पड़ गया, पर उसे अपना वचन तो निभाना ही था। देवीदीन को मूल्य बढ़ जाने की बात मालूम हुई तो वह उस व्यापारी की दुकान पर गए। देवीदीन कुछ कहें, उससे पहले ही व्यापारी ने कहा, 'सेठ जी, विश्वास रखिए, मैं अपने वादे को हर हाल में पूरा कर दूंगा। आप चिंता न करें।' देवीदीन ने कहा,' मैं जानता हूं कि आप अपने वादे को हर हालत में पूरा कर देंगे, लेकिन मैं यह भी जानता हूं कि आप बेहद चिंतित हैं। देखिए, हमारी चिंता का मुख्य कारण वह दस्तावेज है, जिस पर हमारे हस्ताक्षर हैं। यदि दस्तावेज को नष्ट कर दिया जाए तो चिंता का अपने आप अंत हो जाएगा।' व्यापारी ने कहा, 'नहीं, नहीं , सेठ जी ऐसा करने की जरूरत नहीं है, मुझे केवल दो दिन का समय दीजिए।' पर देवीदीन ने दस्तावेज निकाला और उसे टुकड़े-टुकड़े करके फेंकते हुए बोले, 'यह करार हमारे हाथ-पैर बांधता था। इस सौदे में भाव बढ़ जाने से मेरे साठ-सत्तर हजार रुपये आपकी ओर निकलते है। आपकी स्थिति मैं जानता हूं। आप कहां से देंगे इतनी बड़ी राशि?' व्यापारी अवाक् रह गया। उसने देवीदीन के चरण पकड़ लिए। देबीदीन ने उसे उठाकर सीने से लगाते हुए कहा, 'आड़े समय में एक दूसरे की सहायता करना मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म है।'

सूडोकु नवताल- 7331

★★★ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7330 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8546

बाएँ से दाएँ

1. इच्छा, मन्नत-2
3. आश्रय, शरण-3
6. ठाठ-बाट-2
8. प्रकार-3
10. आवरण-3
12. तीर्थ, धार्मिक यात्रा-3
14. ख्वाब, स्वप्न-3
17. घर, आवास-3
19. लोच-3
21. भस्म, खाक-2
23. निगाह, दृष्टि-3
25. संबोधन-2
26. देवर्षि-3
28. तिजोरी-3
30. तरंग, हिलोर-3
32. गुंडा, बदमाश-3
35. अनुकृति-3
37. नाप करना-3
39. थोड़ा-2
40. उल्टी, कै-3
41. मां के पिता-2

ऊपर से नीचे

1. सप्तम, सातवां-2
2. पृथ्वी, वसुंधरा-3
4. घ्राणेंद्रिय-2
5. वासना, लालसा-3
7. खुमार, सरूर-2
9. रनिवास (उर्दू-3)
11. चतुर, तेज-3
13. थकावट-3
15. नृत्य करना-3
16. कुल, खानदान, वंश-3
18. पुराना जुकाम-3
20. कटि, शरीर का मध्यांग-3
22. ईमामदस्ता-3
24. नकद राशि, रोकड़-3
27. जलने की क्रिया-3
29. रवानगी, विदा होना-3
31. राशि, धन-3
33. आलेप करना, पोतना-3
34. रहस्य-2
36. बुरी आदत-2
38. अनेक प्रकार-2

शब्द पहेली -8545 का हल

श	ब		ता		य		लों	क
रा		ला	ल		श	ह		हा
ब	से	रा		सा		क	स	र
	ना		आ	स	रा		र	
अ	ना	मि	का		श	रा	फ	त
	य		र	ह	न		रो	
म	क	र		र		प्रे	श	र
लि		ज	मा		आ	स		स
न	र		न		म		आ	ना

Jagrutidaur.com, Bangalore

हिना कावरे के अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव बनने पर खुशी की लहर

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी विधानसभा क्षेत्र की लोकप्रिय जनप्रतिनिधि एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस की पूर्व उपाध्यक्ष सुश्री हीना कावरे को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) ने राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया है। यह नियुक्ति पार्टी के संगठनात्मक पुनर्गठन के तहत की गई है और तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। साथ ही उन्हें एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपते हुए पंजाब प्रदेश का सहप्रभारी बनाया गया है।

इस उपलब्धि पर सुश्री हीना कावरे ने कहा, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर मैं गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। मैं राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, हमारे नेता राहुल गांधी जी सहित राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक नेतृत्व का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं। पार्टी ने जो विश्वास मुझ पर जताया है, उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगी।

लांजी क्षेत्रवासियों के लिए यह गर्व का विषय है। उनकी इस नियुक्ति से पूरे बालाघाट जिले में खुशी की लहर दौड़ गई है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इसे सुश्री कावरे की संगठन के प्रति निष्ठा, मेहनत और नेतृत्व क्षमता की सराहना बताया है। यह नियुक्ति पार्टी में उनकी बढ़ती भूमिका को दर्शाती है और क्षेत्रीय स्तर पर कांग्रेस को मजबूती प्रदान करेगी।

सुश्री हीना कावरे को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अर्चना रेवेंद्र खोंगल, पूर्व जनपद अध्यक्ष देवेंद्र खोंगल, जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लांजी अध्यक्ष ओंकार बाबा रहांगडाले, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला अध्यक्ष ऋषि पटेल दशरिया, शहर कांग्रेस कमेटी लांजी अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती ज्योति उमरे, मीना सुधीर दशरिया, खेमचंद दानी, ललित कबीरे, जनपद सभापति दिनेश लाडें, रेवाजी करहाटकरे, टुमनलाल घोरमारे, महेश चौधरी, चित्ररेखा पवन भोयर, युवराज पटले, श्यामलाल बेदरे, सुरेश नारनौरे, नरबदा मर्सकोले, पार्षद सौरभ मोनु पशीने, पार्षद पूनम शारद आसटकर, मुकेश रणदिवे, मनीषा रविंद्र धारणे, राजू मेढे, लिखेंद्र उपराड़े, कोमल काड़े, मनीष जुझार, अफसाना सिद्दिक अंसारी, महेंद्र सोनवाने, योगेन्द्र हरिणखेड़े, देबीलाल चौधरी, अशोक पालीवाल, बबली मिश्रा, अनमोल तिडके, शरद आसटकर, मानिक पाचे, स्नेहलता बागड़े, चंदु किरनापुरे, पी.डी. भालाधरे, पवन कश्यप, भरतलाल बडमे, सीताराम बडमे, दिनेश चौहान, धमेंद्र चुटे, घनश्याम पटले, लीलाधर डोलस, मुकेश दशरिया, राम ठाकरे, लक्ष्मण कावरे, महेश मातरे, लीलाराम मानकर, श्रीचंद कामडे, गणेशराम नारनौरे, राजकुमार टांडेकर, खेमराज मच्छिरके, पोषण मस्करे, घनश्याम धामने, मुन्ना वानखेडे, सैयद अरसद, विजय लिल्हारे, चमरू पगवार, कैलाश कुराहे, खेमलाल ठकरेला, सुरेंद्र चौधरी, नरेंद्र गजबे, दयाराम डहारे, लालमदास लिल्हारे, धनराज बोम्बर्डे, भरतलाल टेंभरे, संजित ठाकरे, हेमराज ठाकरे, बंटी गौतम, प्रदीप ठाकरे, अंकित ठाकरे, चंदु मलगाम, संतोष दुरूगकर, अमन श्रीवास्तव, शिवम नखाते, मोनु हरिनखेडे, नीरज मोरघडे, नीरज पगाडे, आदर्श ठाकरे, कैलाश मस्करे, खेमलाल ठाकरेला, धनीराम इनवाती, रामेश्वर बिल्थरे,भरत बनोठे, राकेश बागड़े, अफजल बेग, अजय गोस्वामी, शफीक खान, जुग्गू खान, सखाराम वरकडे, धनेंद्र कावरे, जीतू मोरघड़े, राजू मस्करे सहित समस्त कांग्रेसजनों ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सेन नाई समाज लांजी का सम्मान समारोह व कार्यकर्ता सम्मेलन आज

पद्मेश न्यूज। लांजी। सेन नाई समाज अपने कार्यों एवं विस्तार को लेकर सजग रहता है तथा समय-समय पर समाज के हित में एवं स्वजातीय बंधुओं के हित में निरंतर कार्य करता चला आ रहा है। इसी क्रम में सेन नाई समाज लांजी द्वारा 13 नवंबर 2025, दिन गुरुवार को दोपहर 12 बजे से कार्यकर्ता सम्मेलन एवं सेन नाई समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के सम्मान का कार्यक्रम सिद्धेश्वर मंगल भवन, लांजी में आयोजित किया गया है।

जानकारी देते हुए सेन नाई समाज लांजी के अध्यक्ष संतोष श्रीवास ने बताया कि जिले के समस्त स्वजातीय बंधुओं, जिला सेन समाज एवं ब्लॉक स्तर लांजी पर छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन मिल सके तथा समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता का प्रचार हो सके, इस हेतु प्रतिभावान छात्र-छात्राएं, जिन्होंने वर्ष 2024-25 में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा उत्तीर्ण की हैं तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट कार्य किए हैं, उन्हें मुख्य अतिथियों द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम में विशेष रूप से मुख्य अतिथि के रूप में लांजी-किरनापुर क्षेत्र के विधायक राजकुमार कर्राहे एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में राजेश्वर सेन जी (राष्ट्रीय अध्यक्ष, सेन शक्ति महासंघटन), दर्शन सेन (कार्यकारणी प्रदेश अध्यक्ष, सेन शक्ति महासंघटन), डॉक्टर भुनेश्वर भारद्वाज (जिला संरक्षक, सेन समाज बालाघाट), आलोक चौरसिया (मंडल अध्यक्ष), नगर परिषद लांजी अध्यक्ष रेखा ताराचंद कालबेले, उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर, कल्पना लीलाधर डोलस एवं समस्त पार्षदगण उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम में जिला सेन समाज एवं सेन समाज लांजी से जिला अध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास, डॉ. भुनेश भारद्वाज, श्रवण श्रीवास, मदनलाल चावके,

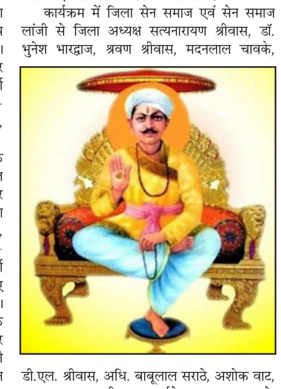

डी.एल. श्रीवास, अधि. बाबूलाल सराठे, अशोक वाट, राजन भारद्वाज, पीताम्बर उर्कुडे, भजनलाल सराठे, आत्मा राम चन्ने (जिला उपाध्यक्ष), संतोष श्रीवास (अध्यक्ष, सेन नाई समाज लांजी), श्रवणलाल भारद्वाज एवं समस्त जिला पदाधिकारियों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न होगा।

जनजातीय गौरव रथ यात्रा का सांदीपनि विद्यालय मलाजखंड में हुआ स्वागत

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष के समापन के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन जनजातीय कार्य विभाग बालाघाट के निर्देशन में प्रारंभ की गई जनजातीय गौरव दिवस रथ यात्रा 12 नवम्बर को सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मलांजखण्ड पहुँची। यहां पर विद्यालय परिवार द्वारा रथ यात्रा का हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया गया।

प्रभारी प्राचार्य यशवंत पटले द्वारा भगवान बिरसा मुंडा के रूप में वेशभूषा धारण किए बच्चों को पुष्पमाला पहनाकर एवं तिलक लगाकर सम्मानित किया गया। इसमें बिरसा मुंडा रथ यात्रा कार्यक्रम प्रभारी गौरव विशाल मानेश्वर प्राथमिक शिक्षक द्वारा अपना पूरा सहयोग प्रदान किया गया। विद्यालय परिवार एवं छात्र-छात्राओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से रथ यात्रा का अभिनंदन किया एवं विद्यालय की छात्राओं द्वारा पारंपरिक लोक नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी गई। जिसने कार्यक्रम को सांस्कृतिक रंगों से सराबोर कर दिया। इस अवसर पर श्री भगत सिंह नेताम पूर्व विधायक बैहर उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को भगवान बिरसा मुंडा के जीवन संघर्ष एवं योगदान पर प्रेरणादायक संबोधन दिया। इस दौरान श्री मानसिंह मेरावी अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मलांजखण्ड, मधू सेन्द्रे पार्षद वार्ड क्रं. 12, विजय वल्के पार्षद एवं अनेक गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। रथ यात्रा ने दोपहर 01 बजे विद्यालय से अगले पड़ाव ग्राम बिरसा की ओर प्रस्थान किया।

पूर्णी बाई मात्रे पंचतत्व में विलीन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम वारी निवासी पूर्णी बाई मात्रे पति सरवन मात्रे का 11 नवंबर को शाम लगभग 7:00 बजे

58 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आप अपने पीछे दो पुत्र व दो पुत्रियों का भरपुरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गए। इनका अंतिम संस्कार 12 नवंबर को वारी के स्थानीय मोक्षधाम में किया गया । इस अंतिम यात्रा में इष्टमित्रों, नाते रिश्तेदारों, ग्रामीणजनों ने भारी संख्या में पहुंचकर शोक श्रद्धांजलि अर्पित की एवं भगवान से अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करने की प्रार्थना की।

शीत लहर का असर-ठंड लोगों को कंपकंपा रही

पद्मेश न्यूज। लांजी। उत्तर भारत के राज्यों में हो रही बर्फबारी एवं उधर से लगातार आ रही बर्फीली हवाओं के प्रभाव के कारण क्षेत्र में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। रविवार से क्षेत्र में शीतलहर का असर देखने को मिल रहा है। पिछले चार दिनों से चल रही शीत लहर के कारण क्षेत्र में ठंड ने लोगों को कंपकंपा दिया है। आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट होने की संभावना है।

मौसम में लगातार हो रहे बदलाव के कारण क्षेत्र में ठंड का असर गहराता जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट होने की संभावना है। दिन में 4 बजे से ही ठंड का असर महसूस किया जाने लगता है और जैसे-जैसे दिन ढलता जाता है ठंड बढ़ती है। शीत लहर के चलते लांजी क्षेत्र के वनांचल ग्रामों में पारा काफी नीचे नजर आ रहा है। हालाकि प्रदेश की राजधानी व अनेक जिलों में पड़ रही ठंड के अपेक्षा बालाघाट जिला कुछ गर्म है। मौसम विभाग के अनुसार वर्तमान में क्षेत्र में अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जाना बताया गया।

नगर में अलाव की मांग

लांजी वनांचल क्षेत्र में होने के चलते ठंड के प्रारंभ होते ही लोगों द्वारा अलाव जलाकर आग सेकते नजर आते हैं, तो वहीं घरों में सिगड़ी जलाकर उसके आसपास लोग बैठे नजर आ रहे हैं। लोगों ने नगर परिषद से भी मांग की है कि ठंड के मद्देनजर नगर के प्रमुख चौराहों से अलाव जलाए जाने की मांग की है।

ठंड से बचाव के लिए बरतें सावधानी-डॉ. अक्षय उपराड़े

खंड चिकित्सक डॉ. अक्षय उपराड़े ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में ठंड का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में विशेष रूप से बुजुर्गों, बच्चों और बीमार व्यक्तियों को ठंड से बचाव के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए।

डॉ. उपराड़े ने बताया कि यदि आपके घर में 60 वर्ष से अधिक उम्र के सदस्य हैं, तो उन्हें ठंड से बचाने के लिए कुछ आवश्यक उपाय अपनाने चाहिए— गर्म कपड़ों का प्रयोग करें- बुजुर्गों को ऊनी कपड़े, टोपी, मोजे और दस्ताने पहनाएं ताकि शरीर का तापमान बना रहे। सर्द हवा से बचाएं- सुबह और देर शाम के समय बाहर निकलने से परहेज करें। यदि बाहर जाना जरूरी हो, तो पूरी तरह ढककर जाएं।

गर्म पेय पदार्थ दें- चाय, सूप या गुनगुना पानी पिलाएं जिससे शरीर में गर्माहट बनी रहे।

संतुलित आहार दें - ठंड के मौसम में प्रोटीन और ऊर्जा से भरपूर आहार शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है।

नियमित स्वास्थ्य जांच करवाएं- सर्दी, खांसी, सांस की तकलीफ या जोड़ों में दर्द बढ़ने पर तुरंत चिकित्सक से परामर्श लें।

डॉ. उपराड़े ने नागरिकों से अपील की है कि मौसम में हो रहे बदलाव को ध्यान में रखते हुए अपने परिवार, विशेषकर बुजुर्गों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दें।

धरती आबा बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के समापन वर्ष पर जनजातीय गौरव कार्यक्रम संपन्न

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। स्व.दिलीप भटेरे शासकीय महाविद्यालय, किरनापुर में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती के समापन वर्ष के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन जनजातीय समाज की गौरवशाली परंपरा, संस्कृति और अस्मिता को नमन करने के उद्देश्य से संपन्न हुआ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. घनश्याम परते, अतिरिक्त उप-संचालक, म.प्र. राज्य प्रशासनिक (पशु चिकित्सा) सेवा, उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सुनीता जैन ने की।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं भगवान बिरसा मुंडा जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ प्रदान कर किया गया।

अपने प्रेरक उद्बोधन में डॉ. घनश्याम परते ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल एक स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और जनजागरण के प्रतीक थे। उन्होंने आदिवासी समाज को अपने अधिकारों, संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा के लिए संगठित किया।डॉ. परते ने अपने भाषण में भगवान बिरसा मुंडा के जीवन, शिक्षा और संघर्षों का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने बताया कि ब्रिटिश शासन के दौरान धर्म परिवर्तन के प्रयासों के विरुद्ध बिरसा मुंडा ने अडिग रहकर संघर्ष किया और उलगुलान अर्थात् महान जनआंदोलन का नेतृत्व किया। उनके प्रयासों के परिणामस्वरूप अंग्रेजों को छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम, 1908 लागू करना पड़ा, जिससे आदिवासियों के भूमि अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हुई — यह भारत के इतिहास में जनजातीय समाज की विजय का ऐतिहासिक अध्याय बना। साथ ही, डॉ. परते जी ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों के योगदान का महत्व भी रेखांकित किया तथा भारत सरकार द्वारा जनजातीय अस्मिताओं की रक्षा हेतु किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह दिन हमें अपने गौरवशाली अतीत और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ता है।

प्राचार्य डॉ. सुनीता जैन ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने विद्यार्थियों से शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय योगदान देने का आग्रह किया।कार्यक्रम के अंतर्गत लोककला, लोकगीत, लोकनृत्य, मेहंदी एवं रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जनजातीय संस्कृति पर आधारित नृत्य और गीतों ने कार्यक्रम में विशेष आकर्षण जोड़ा और वातावरण को सांस्कृतिक रंगों से भर दिया।इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. तीरथ सिन्हा (अतिथि विद्वान भौतिक शास्त्र) द्वारा किया गया।

सब-जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का चयन रविवार को

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। जिला कबड्डी संघ बालाघाट महासचिव रमेश दीक्षित और सचिव रामकिशोर रहांगडाले ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 16 नवंबर दिन रविवार को जबलपुर जोन सब-जूनियर बालक कबड्डी चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।जो शहीद चंद्रशेखर आजाद टर्फ के बाजू में बास्केटबॉल ग्राउण्ड में आयोजित की जा रही है।जिसमें खिलाडियों के उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के आधार पर कबड्डी प्रतियोगिता के लिए खिलाडियों का चयन किया जाएगा।जिन्होंने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से समस्त सब-जूनियर बालक खिलाडियो से सुबह 9.30 बजे मैदान में उपस्थित होने की अपील करते हुए।विलंब से आने वाले खिलाड़ियो को चयन प्रतियोगिता में शामिल नही किए जाने की जानकारी भी विज्ञप्ति के माध्यम से दी है।

ट्रेन की चपेट में आने से मृत व्यक्ति भरवेली निवासी सुरेश कावरे था

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। नगर समीप बैहर चौकी कटंगी रेलवे लाइन पर ट्रेन की चपेट में आने से मृत व्यक्ति की शिनाख्त सुरेश पिता बुधराम कावरे 36 वर्ष वार्ड नंबर 16 भरवेली निवासी के नाम से की गई। इस व्यक्ति की चलती ट्रेन से गिरने से मौत हुई या फिर रेलवे लाइन पार करते समय वह ट्रेन की चपेट में आ गया। अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है जिला अस्पताल पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुरेश कावरे वाहन चालक था। जिसके परिवार में माता-पिता पत्नी दो बच्चे, तीन बहने और सुरेश कावरे चार भाइयों में मंझला था। यह भी बताया गया है कि सुरेश कावरे 6,7 दिनों से वाहन चलाने नहीं जा रहा था और 2 दिन से वह मानसिक तनाव में चल रहा था। 11 नवंबर को 4 बजे सुरेश कावरे अपने घर से निकला था जो शाम को घर नहीं लौटा। परिजनों ने सुरेश कावरे की खोजबीन किये किंतु वह नहीं मिला। जिसकी रिपोर्ट भरवेली पुलिस थाना में की गई थी। इधर शाम 5:30 बजे जब बालाघाट से कटंगी होकर इतवारी नागपुर जाने वाली पैसेंजर ट्रेन जब बैहर रेलवे क्रॉसिंग के आगे कटंगी की ओर जा रही थी तभी अचानक इस ट्रेन की चपेट में एक व्यक्ति आ गया। इस व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई थी । यह स्पष्ट नहीं हो पाया है यह व्यक्ति चलती ट्रेन से गिरा या फिर रेलवे ट्रैक पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हुई। इस व्यक्ति की मौके पर पहचान नहीं हो पाई थी। कोतवाली पुलिस ने इस व्यक्ति का शव मौके से उठाकर जिला अस्पताल बालाघाट के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिए थे। 12 नवंबर को सुबह सुरेश कावरे को जब उसके परिवार के लोग तलाश कर रहे थे। इस दौरान उन्हें खबर मिली कि बैहर चौकी समीप रेलवे लाइन पर किसी व्यक्ति की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गयी है। तभी इन लोंगो ने जिला अस्पताल बालाघाट पहुंच कर फ्रीजर में देखें यह शव सुरेश कावरे का ही था। जिसकी ट्रेन की चपेट में आने से मौत हुई थी। कोतवाली पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

परंपरा और संस्कृति का उत्सव रेंगाटोला का 107वां आदर्श मेला संपन्न

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। मुख्यालय से लगा ग्राम पंचायत रेंगाटोला में आदर्श मेला आयोजक समिति के तत्वावधान में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी आयोजित किया गया, मेला इस वर्ष अपने गौरवशाली 107वें वर्ष में प्रवेश कर गया। मेला अब ग्राम की सांस्कृतिक, धार्मिक एवं सामाजिक पहचान बन चुका , यह मेला इस वर्ष भी पूरे उत्साह, उल्लास और श्रद्धा के साथ सोमवार को आयोजित किया गया। ग्रामवासी इस पारंपरिक आयोजन को सफल बनाने के लिए पूरे जोश और निष्ठा के साथ जुटे रहे। समिति ने बताया कि मेले में इस वर्ष भी विविध सांस्कृतिक एवं पारंपरिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें ग्रामीण संस्कृति और लोक परंपरा की झलक दिखाई दी। मेले का मुख्य आकर्षण सुप्रसिद्ध दो डंडारो का शानदार मुकाबला रहा, जिसका इंतजार ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बेसब्री से रहता है। इसके अतिरिक्त मेले में लोकनृत्य, पारंपरिक झूले एवं व्यापारिक स्टॉल भी लगाए गए। मेला समिति ने बताया कि आदर्श मेला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि यह ग्राम की एकता, सामाजिक सद्भाव और सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। जहां एक ओर दिन के समय मेले की धूम रही, वहीं रात्रि के समय आयोजित की गई डबल डंडार प्रतियोगिता ने यहां पहुंचे ग्रामीणों और दर्शकों का मन मोह लिया। देर रात तक शेरो-शायरी के माध्यम से मनोरंजन किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथियों ने भी आयोजन की बहुत प्रशंसा की और प्रतिवर्ष इसी प्रकार से मेले को और अधिक भव्य रूप देने की बात कही। अतिथि सुरेंद्र बिसेन ने बताया कि इस प्रकार के मेले और मंडई से आमजन एक-दूसरे से मिलते हैं और पुरानी परंपराएं इसी माध्यम से पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ती जाती हैं। मेले के सफल संचालन हेतु समिति के अध्यक्ष मेघराज पारधी, सचिव सुभाष भरणे एवं बंटी भोयर, उपाध्यक्ष योगेश टेम्भरे, सह सचिव स्वामीनाथ मसराम, महेन्द्र बिसेन, धनपाल बिसेन, गिरधारी मसराम, कोषाध्यक्ष रुपलाल ओघरे एवं अरुणगिरी गोस्वामी, तथा संयोजक निलेश्वर बिसेन (स्थाई पटेल), शंकरलाल बिसेन, सोहन बिसेन, रुपलाल बिसेन एवं पारस बिसेन के नेतृत्व में आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

लाड़ली बहना योजना की 30वीं किश्त में बहनों को मिली 1500 रुपए की सौगात, अब हर महीने 1500 रुपए ही मिलेंगे

'लाड़ली बहना योजना ने बहनों का जीवन ही नहीं, प्रदेश के भविष्य की बदल दी है दिशा'

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नारी हर रूप में समर्पण का प्रतीक है। इनके कल्याण के लिए हमने जो भी कहा वह करके दिखाया है। बहनों के कल्याण के संकल्प की दिशा में हम लगातार आगे बढ़ रहे हैं। भाईदूज पर लाड़ली बहना योजना की राशि 1250 रुपए से बढ़ाकर 1500 रुपए करने का वादा किया था। आज उसे निभाने का सौभाग्य अवसर आ चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाड़ली बहना योजना की कुल 30 किश्तों में से 23 किश्तें बहनों को भेजने का शुभ अवसर आया। उन्होंने कहा कि इस योजना ने बहनों का जीवन ही नहीं, मध्यप्रदेश के भविष्य की दिशा भी बदल दी है। लाड़ली बहना योजना अब मदद की नहीं, मौका देने की योजना बन गई है। सहयोग के भाव से शुरू हुई यह योजना अब सफलता के सूत्र में बदल गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहना योजना केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि हमारी बहनों के आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का सशक्त माध्यम है। यह हर बहन के सम्मान और सशक्त मध्यप्रदेश के निर्माण की दिशा में हमारे संकल्प की पूर्ति है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि हमारी हर लाड़ली बहन अपने जीवन में आत्मनिर्भर, स्वाभिमानी और सशक्त बने। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को सिवनी जिले में लाड़ली बहनों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की एक करोड़ 26 लाख 36 हजार से अधिक लाड़ली बहनों के खाते में सिंगल क्लिक से 1857 करोड़ रुपए राशि अंतरित की। इसमें सिवनी जिले की 2 लाख 68 हजार से अधिक बहनें शामिल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रिमोट से सिवनी जिले में कुल 560 करोड़ 75 लाख रुपए की लागत वाले 114 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। इसमें सिवनी जिले में एक विधि महाविद्यालय और 4 सांदीपनि विद्यालयों सहित विभिन्न निर्माण कार्यों की सौगातें शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिवनी जिले के पेंच टाइगर रिजर्व में स्थापित 17 फीट ऊंची, 40 फीट और 8 फीट चौड़ी दुनिया की सबसे बड़ी स्क्रैप से बनी बाघ की कलाकृति का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर युवाओं के लिए

घंसौर में स्टेडियम बनाने, बालाघाट जिले के लामटा से सिवनी जिले के पांडिया छपारा के बीच नदी पर एक बड़े पुल का निर्माण और अतरी से पांडरवानी बीटी रोड, बरघाट नगर से ग्राम मकरघट्टा तक पक्की सड़क बनाने और अन्य छोटी सड़कों के निर्माण की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाड़ली बहना योजना से लाभान्वित बहनों और हितग्राही परिवारों से भी आत्मीय संवाद किया और उनसे शासन की योजना से मिल रहे लाभों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री ने किसानों से कहा कि हमने जिले के किसानों को धान का बोनस दिया। गेहूं भी हम खरीदेंगे और मक्के की फसल का भी पूरा दाम दिलाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहनों का आत्मविश्वास ही मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी पूंजी है। जब बहनें सशक्त होती हैं, तब समाज और राज्य दोनों समृद्ध बनते हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार महिलाओं के सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक उत्थान के लिए निरंतर प्रयासरत है। लाड़ली बहना योजना से प्रदेश की बहनों को आर्थिक सहायता दी जा रही है, उन्हें अपने निर्णय स्वयं लेने की शक्ति और आत्मविश्वास भी प्रदान किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि आइए, हम सब मिलकर ऐसा मध्यप्रदेश बनाएं जहाँ हर बहन सुरक्षित, शिक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर हो, क्योंकि बहनों की मुस्कान में ही प्रदेश का भविष्य बसता है। उन्होंने कहा कि सशक्त बहनों से ही परिवार और समाज सशक्त होगा। सशक्त समाज ही समृद्ध मध्यप्रदेश के निर्माण का मुख्य आधार बनेगा।

लामटा से पांडिया छपारा के बीच बनेगा बड़ा पुल

30 किश्तों ने बदला बहनों का जीवन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहनों से कहा कि लाड़ली बहना योजना से सिर्फ आपका जीवन ही नहीं बदला है, मेरा दृष्टिकोण भी बदला है। नीति और नीयत कितना बड़ा बदलाव लाते हैं, यह बहनों की नई-नई कहानियां सुनने से पता चलता है। इस योजना की राशि से किसी बहन ने अपना छोटा व्यापार शुरू किया, किसी बहन ने अपने बच्चे की पढ़ाई में मदद की तो किसी ने इन पैसों से हुनर सीखा। इस योजना ने केवल बहनों का जीवन ही नहीं बल्कि मध्यप्रदेश के भविष्य की दिशा बदल दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहनों के सशक्तिकरण के लिए इस योजना की शुरुआत हमने जून 2023 में की थी, तब से अक्टूबर 2025 तक आपके बैंक खातों में 44 हजार 917 करोड़ 92 लाख रुपये का अंतरण कर चुके हैं। जनवरी 2024 से अक्टूबर 2025 तक 34 हजार 921 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का अंतरण सिंगल क्लिक से किया है। हर साल राखी के शगुन के 250 रुपये हम अलग से अपनी बहनों को देते आए हैं। आज 250 रुपए बढ़ा रहे हैं। लाड़ली बहना योजना अब मदद की नहीं, मौका देने की योजना बन गई है। इस योजना ने बहनों को लाभार्थी से लीडर बनने की राह पर अग्रसर किया है। सहयोग के भाव से शुरू हुई लाड़ली बहना योजना सफलता के सूत्र में बदल गई है। बहनों के सपने साकार करना हमारा संकल्प है। आपके सुख, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए हम कार्य करते रहेंगे। अब हर महीने 1500 रुपये हाथ में आएंगे, मुझे पूरा विश्वास है कि यह 1500 रुपये आपके सपनों को नए पंख लगाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिवनी जिले में विकास की अनंत संभावनाएं हैं। वन्य जीव पर्यटन की दिशा में हमारे प्रयासों से सिवनी में नई अर्थव्यवस्था का निर्माण हो रहा है। होम-स्टे, एडवेंचर टूरिज्म जैसे नवाचारों से न सिर्फ जिले की प्रगति होगी बल्कि बहनों और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी बनेंगे। उन्होंने कहा है कि सिवनी ऐसा जिला है, जहां बहनें सांसद, कलेक्टर और जिला पंचायत अध्यक्ष की भूमिका में हैं। बहनों के आशीर्वाद से जीवन धन्य हो जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में सरकार ने लाड़ली बहना योजना की राशि बढ़ाने का संकल्प लिया था, जो आज पूरा हो रहा है। प्रदेश में हर महीने रक्षाबंधन और भाईदूज का त्यौहार मनाया जा रहा है। हमने जो वादा किया था, वह पूरा करके दिखा दिया है। हमारी सरकार लगातार अपने संकल्पों को पूर्ण करते हुए आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के कार्यक्रम चल रहे हैं। मध्यप्रदेश में जनजातीय वर्ग की आबादी सर्वाधिक है। प्रदेश में जनजातीय हस्तियों की लंबी फेहरिस्त है। सरकार जनजातीय नायकों की कहानियों और योगदान को पाठ्यक्रम में शामिल कर रही है। प्रदेश में जनजातीय नायकों का सम्मान करते हुए सभी त्यौहार परंपरा अनुसार धूमधाम मनाए जा रहे हैं।

महिलाएं निडर बनें और लीडर बनें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लाड़ली बहनों को अब तक 45 हजार करोड़ से अधिक राशि मिल चुकी है। राज्य सरकार के 2 साल पूर्ण होने पर बहनों को रोजगार आधारित उद्योगों में क्रमशः 5000 रुपए महीना देना चाहते हैं। बहनें लाड़ली योजना की राशि से अपने रोजगार स्थापित कर रही हैं। घर की जरूरत पूरी कर रही हैं। महिलाएं निडर बनें और लीडर बनें। इसके लिए वर्ष-2028 में राजनीतिक क्षेत्र में 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के लिए प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाएं पशुपालन व्यवसाय से जुड़ें, जिस घर में दूध-दही-मही और मक्खन होता है, वहां कुपोषण अपने आप दूर हो जाता है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में दूध उत्पादन को बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश को औद्योगिक विकास के लिए केंद्र सरकार की ओर से विभिन्न कैटेगरी में 4 पुरस्कार मिले हैं। प्रदेश में 6 लाख से अधिक लोगों को रोजगार से जोड़ा गया है। महिलाओं के कामकाजी जीवन को आसान बनाने के लिए, प्रदेश में कुल 8 वर्किंग वूमन हॉस्टल्स बनाए जा रहे हैं। आज प्रदेश में 5 लाख से अधिक स्व-सहायता समूहों से 53 लाख से अधिक बहनें जुड़ी हैं और विभिन्न योजनाओं का लाभ ले रही हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 30 दिसंबर 2025 से तीन महीने से पुराने बिजली बिलों में सरचार्ज की राशि माफ करने के लिए, एक बड़ी योजना की शुरुआत की जा रही है। उन्होंने कहा कि भावांतर योजना में सोयाबीन किसानों को 13 नवंबर को राशि ट्रांसफर की जाएगी। किसानों को धान पर भी बोनस दिया है। राज्य सरकार गेहूं भी खरीद रही है। मक्का का उचित मूल्य दिलाने के लिए भी कार्य करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नक्सलवादी गतिविधियों से जुड़े लोग सरकार की आत्मसमर्पण नीति को अपना लें और जल्द से जल्द समाज की मुख्यधारा से जुड़ें। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में मार्च 2026 तक देश में नक्सली गतिविधियों का पूरी तरह सफाया कर दिया जाएगा।

डीएफओ को निरस्त करना पड़ा कर्मचारी विरोधी आदेश

- मप्र कर्मचारी मंच ने की थी मुख्यमंत्री से शिकायत

भोपाल। डीएफओ अनूपपुर को 4 नवंबर को जारी किया गया कर्मचारी विरोधी आदेश मुख्यमंत्री के यहां शिकायत करने के बाद निरस्त करना पड़ा। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने राज्य सरकार से मांग की है कि नियम विरुद्ध एवं सरकार के आदेशों के विपरीत तथा बिना अधिकार के आदेश जारी करने वाले डीएफओ की उच्च स्तरीय जांच की जाए। मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बतायाकि डीएफओ अनूपपुर विपिन पटेल ने 4 नवंबर 2025 को बिना शासन आदेश के उच्चतर पद के प्रभार में पदस्थ वन कर्मचारियों को पदावनत करने का कर्मचारी विरोधी आदेश पारित किया था। उक्त कर्मचारी विरोधी आदेश का कर्मचारी मंच ने विरोध करते हुए मुख्यमंत्री को पत्र सौंपकर आदेश को निरस्त को करने की मांग की थी। राज्य सरकार के संज्ञान में आने के बाद एवं कर्मचारी मंच के विरोध के कारण डीएफओ अनूपपुर को कर्मचारी विरोधी आदेश को निरस्त करना पड़ा मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच ने राज्य सरकार को पत्र लिखकर मांग की है कि शासन आदेशों के विपरीत एवं बिना अधिकार के आदेश प्रसारित करने वाले वन अधिकारी की उच्च स्तरीय जांच की जाए कर्मचारी विरोधी आदेश निरस्त होने के बाद वन कर्मचारी में हर्ष का वातावरण निर्मित हो गया है।

खुद को मंत्रालय का कर्मचारी बताकर ठगी करने वाला पहुचां सलाखो के पीछे

भोपाल। राजधानी भोपाल में मंत्रालय का कर्मचारी बनकर 20 लाख की ठगी करने का मामला सामने आया है। जालसाज ने चुनाव आयोग और महिला बाल विकास में नौकरी लगवाने का झांसा देकर 20 लाख रुपए ठगने के बाद आरोपी ने फरियादी को फर्जी ज्वाइनिंग लेटर भी दिया था। पीड़िता ने इसकी शिकायत डीजीपी कार्यालय में की थी। इसके बाद मामले की जांच भोपाल पुलिस को सौंपी गई। क्राइम ब्रांच ने जांच के बाद एफआईआर दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मिली जानकारी के मुताबिक अंबाह मुरैना के रहने वाले राजकुमार सिंह से जालसाज विजय शंकर मिश्रा ने बताया की वह पेशे से खेती-किसानी करते है। इसी साल बीती 6 फरवरी को मंत्रालय के बाहर उनकी मुलाकात विजय शंकर नामक व्यक्ति से हुई। विजय ने खुद को मध्यप्रदेश जीडी ऑफिस में पदस्थ बताते हुए यह भी कहा की वह उसकी सगी भाभी भी आईएएस है। इसके बाद आरोपी ने उनसे कई बार मुलाकात की और अपनी पहचान के जरिये चुनाव आयोग

तथा महिला बाल विकास में नौकरी लगवाने का झांसा दिया। उसके झांसे में आकर राजकुमार सिंह ने अपने परिवार के सात सदस्यों की नौकरी दिलाने के लिए आरोपी को दस्तावेज दे दिए। कागजात लेने के बाद शातिर ने कई बार में उनसे अलग-अलग बहाने बनाते हुए 20 लाख रुपए ऐंठ लिए। तय समय पर जब नौकरी से संबंधित कोई भी दस्तावेज फरियादी को नहीं मिला तब उसने उस पर जल्द नौकरी दिलवाने का दबाव बनायाया। इसके बाद आरोपी ने एक-एक कर सातों सदस्यों को चुनाव आयोग और महिला बाल विकास में नौकरी के फर्जी ज्वाइन लेटर थमा दिए। इन सभी लेटर में ज्वाइनिंग की डेट एक ही थी। जब ज्वाइनिंग के लिए सातों सदस्य अलग-अलग डिपार्टमेंट में पहुंचे तब खुलासा हुआ की वह लेटर फर्जी हैं। बाद में मामले की शिकायत पुलिस अफसरों तक पहुंची। जांच के बाद क्राइम ब्रांच ने आरोपी विजय शंकर को गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया है।

वन विभाग के नियमों में बड़ा बदलाव

जानवरों के रेस्क्यू से पहले अफसरों से लेनी होगी इजाजत

भोपाल। जंगली जानवरों को बचाने को लेकर वन विभाग कितना गंभीर है। इसका अंदाजा उसके नए फरमान से ही लगाया जा सकता है। विभाग ने प्रदेशभर में जानवरों के रेस्क्यू से जुड़े नियमों में बदलाव कर दिया है। अब दल सूचना मिलते ही सीधे जानवरों को बचाने के लिए नहीं जा सकेगा। उसे रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने से पहले वरिष्ठ अधिकारियों की लिखित अनुमति अनिवार्य रूप से लेनी होगी। इस आदेश ने एक नई बहस छेड़ दी है, क्योंकि अधिकांश वनकर्मियों का मानना है कि यदि अनुमति मिलने का टीम इंतजार करती है तो जानवर किसी पर भी हमला कर सकता है या फिर भीड़ जानवरों को नुकसान पहुंचा सकती है। फिलहाल विभाग ने इन नियमों का सख्ती से पालन करने की हिदायत दी है।

गौरतलब है कि वन विभाग मुख्यालय ने वन्यप्राणियों के रेस्क्यू और संसाधनों से जुड़े नियमों में बदलाव किया है। जिसके तहत जानवरों के रेस्क्यू के बारे में पता चलते ही अधिकारियों को रिपोर्ट देनी होगी, जिसमें स्थान, समय, टीम के नाम, घटना का प्रकार व चिकित्सकीय विवरण अनिवार्य रूप से दर्ज किए जाएंगे। जानकारी भेजने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों की अनुमति का इंतजार करना होगा। इसे लेकर कुछ अधिकारियों ने व्यावहारिक दिक्कतों पर सवाल किए। उन्होंने कहा कि अनुमति मिलने में देरी होने पर वन्यप्राणी को बचाने में मुश्किलें आएंगी। यहां तक कि जानवर कई लोगों पर हमला भी कर सकते हैं। इस पर अफसर कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। उन्होंने कहा कि बाघ-तेंदुए सहित शेड्यूल-1 के प्राणियों से जुड़ी घटनाओं में अनिवार्य रूप से प्रकरण दर्ज किया जाए। यहां तक कि रेस्क्यू करने के बाद जानवरों को छोड़ने की भी वरिष्ठ अधिकारियों से पूछा गया, क्योंकि अधिकांश वनमंडल की रेस्क्यू टीम बगैर अनुमति लिए जानवरों को जंगल में छोड़ देती है।

दल में महिला अधिकारियों को किया जाएगा शामिल

अधिकारियों के मुताबिक महिला अधिकारियों को भी रेस्क्यू दलों में शामिल किया जाएगा। वैसे प्रदेशभर में चार नई रेस्क्यू टीमों को गठित किया जाएगा। उनमें चार सदस्यों को वन्यप्राणियों के बारे में प्रशिक्षण देंगे। वन्यजीव घायल होने पर उपचार के बाद जंगल में छोड़ने व शिफ्टिंग की प्रक्रिया सिर्फ वीडियो साक्ष्य के साथ होगी। रेस्क्यू दल का बनेगा वाट्सएप ग्रुप प्रदेशभर में वन्यप्राणियों के रेस्क्यू को लेकर एक वाट्सएप ग्रुप भी बनाया जाएगा। इसके माध्यम से टीमें आपस में समन्वय करेंगी। साथ ही रेस्क्यू करने वाले जानवरों का डेटाबेस भी तैयार होगा ताकि भविष्य में इन्हें इस्तेमाल किया जा सकेगा। टीम का दायरा घटा रालामंडल अभयारण्य को रेस्क्यू टीम की जिम्मेदारी दे रखी है।

एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई

फर्जी डी.एड. अंकसूचियों से शासकीय शिक्षक की नौकरी पाने वाले 08 शिक्षकों पर अपराध पंजीबद्ध

भोपाल। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल, भोपाल की फर्जी एवं कूटरचित डी.एड. (डिप्लोमा इन एजुकेशन) अंकसूची का उपयोग कर शासकीय शिक्षक की नियुक्ति प्राप्त करने वाले शासकीय सेवकों तथा उनसे जुड़ी संगठित गैंग के विरुद्ध विशेष कार्यवाही करते हुए एसटीएफ मध्यप्रदेश द्वारा अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

पुलिस महानिदेशक, मध्यप्रदेश कैलाश मकवाणा द्वारा संगठित अपराध एवं संगठित अपराधी गैंग के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के लिए मप्र पुलिस को निर्देशित किया गया है। इसी तारतम्य में एसटीएफ मप्र को जानकारी प्राप्त हुई कि मप्र शिक्षा विभाग में कुछ व्यक्तियों द्वारा संगठित गैंग के साथ मिलकर फर्जी एवं कूटरचित डी.एड. की अंकसूचियां तैयार की जाकर शासकीय शिक्षक की नौकरी में उपयोग कर सरकारी नौकरी का लाभ ले रहे हैं।

सूचना पर विशेष पुलिस महानिदेशक, एसटीएफ पंकज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक एसटीएफ इकाई ग्वालियर राजेश सिंह भदौरिया, सहायक पुलिस महानिरीक्षक, एसटीएफ यालय नवीन कुमार चौधरी तथा उप पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ इकाई ग्वालियर प्रवीण सिंह बघेल के नेतृत्व में 05 सदस्यीय विशेष टीम द्वारा गोपनीय सत्यापन किया गया। संबंधित शिक्षा कार्यालयों से प्राप्त रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि जिन डी.एड. अंकसूचियों के आधार पर शिक्षकों ने नौकरी प्राप्त की, वे या तो जारी नहीं की गई थीं अथवा अन्य व्यक्तियों को जारी की गई थीं।

गोपनीय सत्यापन के आधार पर 08 शिक्षक- गंधर्व सिंह रावत, साहब सिंह कुशवाह, बृजेश रोरिया, महेन्द्र सिंह रावत,लोकेन्द्र सिंह, सुश्री रूबी कुशवाह, रविन्द्र सिंह राणा एवं. अर्जुन सिंह चौहान के विरुद्ध थाना एसटीएफ भोपाल में अपराध पंजीबद्ध किया गया है। उक्त सभी शिक्षक वर्तमान में मुरैना, शिवपुरी, ग्वालियर, इंदौर सहित विभिन्न जिलों में कार्यरत हैं। साथ ही अन्य 26 संदेहियों के विरुद्ध जांच जारी है। प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान प्रस्तुत दस्तावेज सत्यापन रिपोर्ट भी कूटरचित थी। मुख एसटीएफ की प्रारंभिक विवेचना में यह तथ्य उजागर हुआ है कि फर्जी डी.एड. अंकसूचियों के निर्माण एवं उपयोग में एक संगठित गैंग सक्रिय है, जिसने शासकीय सेवा में अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिए सुनियोजित षड़यंत्र रचा। इस गैंग के नेटवर्क एवं सहयोगियों की पहचान हेतु विवेचना जारी है।

भाजयुमो के नए प्रदेश अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया शुरू

- भोपाल के अंशुल तिवारी और ग्वालियर के प्रवीण शर्मा का नाम दौड़ में सबसे आगे

भोपाल। भाजपा में अब भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए चयन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। भाजपा ने प्रदेश अध्यक्ष पद पर हेमंत खंडेलवाल के निर्वाचन और फिर उनके द्वारा अपनी इकाई का गठन किए जाने के बाद अब सभी की नजर युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पद पर लगी है। ऐसा माना जा रहा है कि पार्टी द्वारा युवा मोर्चा में प्रदेश अध्यक्ष पद पर ब्राह्मण चेहरे को मौका दिया जाएगा। इसके लिए भोपाल के अंशुल तिवारी और ग्वालियर के प्रवीण शर्मा का नाम दौड़ में सबसे आगे है। इसके अलावा अभी कुछ और नाम भी दौड़ में शामिल हैं, लेकिन उन नाम को आगे बढ़ाने वाला बड़ा नेता नहीं मिल पा रहा है। अभी जब भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए चुनाव की प्रक्रिया चल रही थी तो उस समय भी इंदौर से उस पद के लिए भी कोई दावेदार नहीं था। भाजपा का सबसे बड़ा गढ़ मालवा अंचल माना जाता है। इस अंचल का मुख्यालय इंदौर है। इंदौर को भाजपा की प्रयोगशाला के रूप में भी पहचाना जाता है। इसके बावजूद भाजपा के मुख्य संगठन से लेकर मातहत संगठन तक किसी का भी नेतृत्व इंदौर को नहीं मिल पा रहा है। भाजयुमो पद के लिए प्रदेश के सबसे बड़े शहर इंदौर से किसी भी नेता को दावेदार नहीं माना जा रहा है। एक समय था जब इस मोर्चे का नेतृत्व इंदौर के जीतू जिराती के हाथों में था। उनके द्वारा इस संगठन को बहुत मजबूत भी किया गया था। उसके बाद में मनस्वी पाटीदार ने भी युवा मोर्चा की कमान संभाली थी।

अल्पसंख्यक मोर्चा से होगी मुस्लिम नेता की विदाई

भाजपा द्वारा अल्पसंख्यक मोर्चा के नए प्रदेश अध्यक्ष के चयन के लिए भी चर्चा शुरू कर दी गई है। अब तक भाजपा में यह परंपरा रही है कि पार्टी के किसी भी मुस्लिम नेता को अल्पसंख्यक मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष बना दिया जाता है। इस बार भाजपा इस परंपरा को तोड़ने की तैयारी में है। इस बार मुस्लिम समाज के किसी भी नेता को इस पद पर नियुक्त नहीं किया जाएगा। इस बार भाजपा द्वारा इस पद पर सिख समाज के नेता को नियुक्ति देने पर विचार किया जा रहा है। ध्यान रहे कि पिछले दिनों राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा भी इस बात का संकेत दिया गया था कि हमें सिख समाज को ज्यादा महत्व देना होगा। इस स्थिति के चलते हुए ही अब भाजपा द्वारा सिख समाज को प्रमुखता देने की तैयारी की जा रही है।

कैदी के परिजन घर बैठे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये कर सकेंगें मिलाई

भोपाल। राजधानी भोपाल की सेंट्रल जेल में बंद कैदियों के अपने परिजनो से मिलने वाली मुश्किलो को दूर करने के लिये जेल प्रबंधन ने सराहनीय कदम उठाया है। अब कैदी के परिजन घर बैठे ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये से जेल में बंद अपने परिजन से मिलाई कर सकेंगे। इसके लिये सेंट्रल जेल में ई-मुलाकात प्रणाली सिस्टम की शुरुआत कर दी गई है। नई सुविधा के तहत अब परिवार के सभी लोग एक साथ बैठकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपने घर बैठे ही कैदियों से ऑनलाइन मुलाकात कर सकेंगे। इस व्यवस्था के चलते अब वीडियो कॉल के माध्यम से परिवार के सभी सदस्यों से कैदियो की बातचीत हो जाया करेगी। जबकि जेल परिसर में होने वाली मिलाई में कुछ लोगो के ही मिलने का नियम है। नई व्यवस्था का फायदा सबसे अधिक ऐसे परिवार वाले और परिजनो को रहेगा जिन्हें बीमारी के कारण चलने-फिरने में परेशानी हो और वह चाहकर भी जेल जाकर मिलाई नहीं कर सकते थे।

महानगरी एक्सप्रेस में बम की अफवाह से हडकंप

भोपाल। दिल्ली में हुए बम धमाके के बाद देशं भर में अलर्ट जारी है। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, पर्यटन स्थल और संवेदनशील स्थानों सुक्षा बढ़ा दी है। नर्मदापुरम जिले में भी जगह जगह पुलिस द्वारा चैकिंग की जा रही है। इस बीच बुधवार को मुंबई से वाराणसी जा रही 22177 महानगरी एक्सप्रेस के जनरल कोच की बाथरूम में पाक जिंदाबाद, बम धमाका और ढ्ढस्स्ढ्ढ जैसे वाक्य लिखे होने से हडक़ंप मच गया। ट्रेन को पहले जलगांव में चैक किया गया। इसके बाद इतरा रेलवे जंक्शन पर पहुंचने पर चैकिंग की। ट्रेन की एक एसी बोगी बी-1 में लाल रंग का एक लावारिस सूटकेस मिला। जिससे कुछ देर के लिए तनाव बढ़ा दिया। सुरक्षा कर्मचारियों ने पूरी ट्रेन में यात्रियों से पता किया, लेकिन किसी ने भी सूटकेस पर अपना दावा नहीं किया। जब सूटकेस को खोलकर चेक किया गया तो राहत की सांस ली गई। सूटकेस के अंदर पहनने के कपड़े, भगवत गीता और अन्य सामान्य सामग्री मिली। जिससे यह साफ हुआ कि यह किसी यात्री का छूटा हुआ सामान था। संबंधित यात्री से संपर्क हो गया है, वह अपना बैग लेने इटारसी पहुंच रहे हैं। ट्रेन के पहुंचते ही आरपीएफ, जीआरपी, सिटी पुलिस, बम स्क्वॉड और डॉग स्क्वॉड दल ने ट्रेन को।

आगा सलमान ने जड़ा शतक, हारिस राउफ ने झटके 4 विकेट

पाकिस्तान ने श्रीलंका को पहले वनडे में 6 रन से हराया

रावलपिंडी,एजेंसी। आगा सलमान के शानदार शतक की बदौलत पाकिस्तान ने श्रीलंका को पहले मैच में 6 रन से हराकर तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 5 विकेट खोकर 299 रन बनाए। इसके जवाब में श्रीलंका की टीम 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 293 रन ही बना सकी।

टॉस जीतकर श्रीलंका ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान ने 95 रन पर ही 4 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद, सलमान आगा और हुसैन तलत के बीच पांचवें विकेट के लिए 138 रनों की साझेदारी हुई। आगा ने 87 गेंदों पर 105 रन बनाए, जो उनका दूसरा वनडे शतक था। हुसैन तलत ने 63 गेंदों पर 62 रन बनाए। इसके अलावा बाबर आजम 29, फखर जमान 32 और मो. नवाज नाबाद 36 रन ही बना सके। श्रीलंका की ओर से वानिंदु हसरंगा 3 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका के लिए पथुम निसांका और कामिल मिसारा ने पहले विकेट के लिए 85 रन जोड़े। निसांका 39 गेंद में 29 रन और मिसारा 36 गेंद में 38 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान चरिथ असलंका 49 गेंद में 32 रन, कामिंडु मेंडिस 13 गेंद में 9 रन, चमीरा 19 गेंद में 7 रन और हसरंगा 52 गेंद में 59 रन बनाकर पवेलियन लौटे। आखिरी के ओवरों में वानिंदु हसरंगा ने महीश तीक्षणा (18 गेंदों पर 21 रन) के साथ प्रयास किया लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। पाक की ओर से हारिस राउफ ने 4, नसीम शाह और अशरफ ने 2-2 विकेट लिए।

बाबर खत्म नहीं कर पा रहे शतक का सूखा

बाबर आजम इंटरनेशनल क्रिकेट में शतक का सूखा समाप्त नहीं कर पा रहे हैं। बाबर ने आखिरी शतक 804 दिन पहले और 83 पारियां पहले इंटरनेशनल क्रिकेट में शतक जड़ा था। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि बाबर आजम कितने खराब दौर से गुजर रहे हैं। वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में उनका औसत इस साल 30 से भी कम का है। श्रीलंका के खिलाफ जारी तीन मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में बाबर आजम 30 रन से पहले ही क्लीन बोल्ड हो गए।

आगा से छिन सकती है पाक की टी-20 टीम की कप्तानी

पाक की टी-20 टीम के कप्तान सलमान अली आगा से कुछ दिनों में कप्तानी छिन सकती है। टी20 एशिया कप 2025 में जिस तरह का प्रदर्शन पाकिस्तान की टीम ने भारत के खिलाफ किया था और तीनों मैच टूर्नामेंट में हारे थे। उसे देखते हुए सलमान अली आगा से कप्तानी छीनी जा सकती है। दरअसल, अनुभवी ऑलराउंडर शादाब खान की कप्तानी मिल सकती है।

अफगानिस्तान के स्टार क्रिकेटर राशिद खान ने दूसरी शादी की अफवाहों को खारिज किया

काबुल। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी राशिद आजकल अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। इसका कारण एक वीडियो है। इसमें राशिद एक महिला के साथ नजर आ रहे हैं। ये भी कहा जाने लगा कि राशिद ने दूसरी शादी कर ली है। राशिद ने इस मामले में दूसरी शादी की अफवाहों को खारिज करते हुए कहा कि तस्वीर में उनके साथ बैठी हुई महिला उनकी पत्नी है।

राशिद की ये तस्वीरें नीदरलैंड की है, जहां वह एक चैरिटी कार्यक्रम में गए थे। इसी इवेंट में राशिद के साथ एक महिला भी दिखी। जैसे ही राशिद की ये तस्वीर सामने आई लोगों ने अटकलें लगानी शुरु कर दी। इसके बाद राशिद को सामने आकर सफाई देनी पड़ी।

राशिद ने अपनी वायरल तस्वीर को लेकर जो सफाई दी उसी के कारण संशय बढ़ गया है। अपने पोस्ट में राशिद ने लिखा, 卐 2 अगस्त 2025 को मैंने शादी के साथ ही अपनी जिंदगी में एक नई शुरुआत की। मैंने एक ऐसी महिला से शादी की जो उस प्यार, शांति और साझेदारी का प्रतीक है जिसकी मुझे हमेशा से उम्मीद थी। मैं उसे एक चैरिटी कार्यक्रम में भी लेकर गया था पर लोग इसे लेकर अलग-अलग तरह की बातें बना रहे हैं. हालांकि, सच्चाई ये है कि वो मेरी पत्नी हैं और ये छिपाने जैसी कोई खबर नहीं है। .卐

राशिद अपने पोस्ट में अपनी शादी की तारीख 2 अगस्त 2025 बताई है पर उनकी शादी पिछले साल 3 अक्टूबर को अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में हुई थी। तब उनकी शादी में अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के कई क्रिकेटर भी शामिल हुए थे। राशिद ने खुद सोशल मीडिया पर प्रशंसकों के साथ ये जानकारी शेयर की थी।

बाबर आजम के नाम दर्ज हुआ एक अनचाहा रिकार्ड

रावलपिंडी । पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम श्रीलंका के खिलाफ पहले एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में 29 रन ही बना पाये। इसी के साथ ही बाबर के नाम एक शर्मनाक रिकार्ड हो गया। वह पिछले 800 दिनों से कोई शतक नहीं लगा पाये हैं। उन्होंने साल 2023 में अंतिम बार शतक लगाया था। इस प्रकार वह पिछली 83 पारियों से कोई शतक नहीं लगा पाये हैं। पिछला शतक भी उन्होंने नेपाल जैसी नई और अनुभवहीन टीम के खिलाफ लगाया था। इसी के साथ बाबर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बिना शतक के सबसे ज्यादा पारियों के भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। एशियाई बल्लेबाजों में सनथ जयसूर्या इस सूची में सबसे आगे हैं, वह 87 पारियों तक शतक नहीं लगा पाये थे। श्रीलंका के खिलाफ बाबर ने अच्छी शुरुआत की थी पर स्पिनर वानिंदु हसरंगा की एक रहस्यमयी गेंद पर उनकी पारी समाप्त हो गयी। महीश थीक्षणा की गेंद पर बाबर ने दो शानदार चौके लगाए, लेकिन इसके बाद उनके बल्ले से रह नहीं आ रहे थे। श्रीलंकाई स्पिनरों ने दबाव बनाया, जिससे बाबर पर अंकुश लग गया। चौके तक के लिए उन्हें 25 गेंद खेलनी पड़ी। इस मैच में हालांकि सलमान अली आगा के शतक से 299 रन बनाकर पाक टीम 6 रनों से जीत दर्ज करने में सफल रही।

द्रविड़ के बेटे अन्वय त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारतीय अंडर-19 बी टीम में शामिल

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ को आगामी त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए भारतीय अंडर-19 बी टीम में शामिल किया गया है। इस टीम की कप्तानी आरोन जॉर्ज करेंगे। वहीं अंडर-19 ए टीम की कप्तानी विहान मल्होत्रा ??को दी गयी है। त्रिकोणीय श्रृंखला में भारत 'बी' और अफगानिस्तान की अंडर-19 टीम भी भाग लेगी। त्रिकोणीय श्रृंखला 17 से 30 नवंबर तक बेंगलुरु स्थित भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में होगी। विकेटकीपर अभिज्ञान कुंडू तीन टीम के इस टूर्नामेंट में 'ए' टीम के उपकप्तान होंगे जबकि वेदांत त्रिवेदी को भारत अंडर-19 'बी' टीम का उपकप्तान बनाया गया है। आयुष म्हात्रे रणजी ट्रॉफी जबकि वैभव सूर्यवंशी एसीसी राइजिंग स्टार्स एशिया कप के लिए भारत 'ए' टीम में शामिल होने के कारण इस टूर्नामेंट के लिए शामिल नहीं किये गये हैं। भारतीय अंडर-19 ए टीम- विहान मल्होत्रा (कप्तान), अभिज्ञान कुंडू, वाफी कछी, वंश आचार्य, विनीत वीके, लक्ष्य रायचंदानी, ए रापोल, कनिष्क चौहान, खिलान ए पटेल, अनमोलजीत सिंह, मोहम्मद एनान, हेनिल पटेल, आशुतोष महिदा, आदित्य रावत।

भारत-दक्षिण अफ्रीका सीरीज में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड है रोहित के नाम

कोलकाता। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच गुरुवार से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज में दोनो ही टीमों की नजरें जीत दर्ज करने पर रहेंगी। अभी तक के रिकार्ड को देखें तो दोनो के बीच कुल 44 मैच खेले गए हैं जिसमें अब तक सबसे अधिक 500 रनों का रिकार्ड रोहित शर्मा का है, अब देखना है कि इस सीरीज में कौन रोहित के रिकार्ड को तोड़ पाता है। रोहित ने साल 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली गई घरेलू सीरीज में ये रिकार्ड बनाया था। इस पूरी सीरीज में रोहित ने तीन मुकाबलों की चार पारियों में 132.25 के औसत से 529 रन बनाए थे। इस सीरीज में रोहित ने चार पारियों में 3 शतक लगाए थे।

सीरीज का पहला मैच विशाखापत्तनम में खेला गया था। जिसमें रोहित ने पहली पारी में 244 गेंदों पर 6 छक्कों और 23 चौकों के साथ 176 रन बनाए। वहीं दूसरी पारी में उन्होंने 149 गेंदों में 127 रन बनाए। अगला मुकाबला पुणे में खेला गया, जिसमें रोहित ने 35 गेंदों में 1 चौके के साथ 14 रन बनाए। कप्तान विराट कोहली 254 और मयंक अग्रवाल 108 की शानदार पारियों से भारतीय टीम ने ये मुकाबला जीता था।सीरीज का तीसरा मुकाबला रांची में खेला गया। इस मुकाबले में रोहित ने पहली पारी में बतौर सलामी बल्लेबाज 212 रन बनाए थे। इस मैच को भारतीय टीम ने पारी और 202 रन से जीतकर सीरीज अपने नाम की थी। रोहित ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है अब देखना है कि कौन सा खिलाड़ी सबसे अधिक रनों का उनका रिकार्ड तोड़ पाता है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार - गांगुली

नई दिल्ली। पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में भारतीय क्रिकेट टीम जीत की प्रबल दावेदार है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो मैचों की सीरीज 14 नवंबर से शुरु हो रही है। इस सीरीज का पहला मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान पर खेला जाएगा। उसी को देखते हुए कई पूर्व क्रिकेटरों की तरह ही गांगुली की भी प्रतिक्रिया आई है। गांगुली ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका ने हाल ही में पाकिस्तान में भले ही अच्छा प्रदर्शन किया है पर भारतीय टीम को भारत में हराना उनके लिए काफी कठिन होगा। गांगुली ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा, भारत प्रबल दावेदार है क्योंकि उनका स्पिन आक्रमण बहुत अच्छा है। भारतीय टीम तीन महीने पहले इंग्लैंड गई थी और उसने वहां शीर्ष स्तर का प्रदर्शन कर पिछड़ने के बाद बराबरी हासिल की थी। वह जबरदस्त सीरीज थी। शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल और ऋषभ पंत ने असाधारण प्रदर्शन किया था। इस पूर्व कप्तान ने आगे कहा, मोहम्मद सिराज, आकाशदीप और रवींद्र जडेजा का प्रदर्शन भी शीर्ष स्तर का रहा था। भारतीय टीम प्रतिभाओं से भरी हुई है। वहीं अफ्रीकी टीम ने हाल ही में पाकिस्तान में अच्छा खेला है, पर भारतीय टीम से भारत में खेलना एक अलग बात है। उन्हें भारत के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

25 साल से भारत में कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीत पायी है दक्षिण अफ्रीका

मुम्बई । भारत दौरे पर आई दक्षिण अफ्रीका की नजरें 14 नवंबर से भारतीय टीम के खिलाफ शुरु हो रही दो टेस्ट मैचों की सीरीज जीतना रहेगा। दक्षिण अफ्रीकी टीम के लिए हालांकि ये बेहद कठिन है क्योंकि वह पिछले दो दशक से भी अधिक समय में भारत में कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीत पायी है। उसने अंतिम बार साल 2000 में दिवंगत हैंसी क्रोनिए की कप्तानी में जीती थी। दोनो ही टीम 14 नवंबर से कोलकाता के ईडन गार्डन्स मैदान पर उतरेंगी। दोनों टीमें इस मुकाबले के लिए कोलकाता पहुंच गयी है और उन्होंने तैयारी भी शुरू कर दी है। न्यूजीलैंड ने पिछले भारत को टेस्ट सीरीज में 3-0 से हराया था। उसी से प्रेरित होकर दक्षिण अफ्रीकी टीम उतरेगी।

दक्षिण अफ्रीका ने जब क्रोनिए की कप्तानी में सीरीज जीती थी। तब पहला टेस्ट मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला गया था और दक्षिण अफ्रीका ने उसे चार विकेट से जीता था। वहीं बेंगलुरु में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में दक्षिअफ्रीकी टीम ने पारी और 71 रनों से जीत हासिल कर सीरीज 2-0 से अपने नाम की थी। ऑलराउंडर जैक्स कैलिस ने इस सीरीज में सबसे बेहतर खेल दिखाया था।

इस सीरीज के बाद बाद दक्षिण अफ्रीका कभी भारत में टेस्ट सीरीज नहीं जीत पायी है। वहीं आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय टीम ने साल 1996-97 से अब तक 7 बार दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी की है। इसमें से पांचों बार दक्षिण अफ्रीका सीरीज जीतने में असफल रही है। दोनों टीमों के बीच हुए 44 टेस्ट मैचों में से दक्षिण अफ्रीका ने 18 जीते हैं, जबकि भारत ने 16 टेस्ट जीते हैं और 10 मैच ड्रॉ रहे हैं। वहीं भारत में खेले गये मैचों की बात करें तो भारतीय टीम ने इसमें 19 में से 11 टेस्ट जीते हैं, वहीं अफ्रीकी टीम केवल 5 में जीती है और 3 मैच ड्रॉ रहे हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में बुमराह के खेलने पर संशय

अभ्यास सत्र बीच में ही छोड़कर ड्रेसिंग लौटे थे

कोलकाता । भारतीय टीम को यहां ईडन गार्डन में गुरुवार से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में अपने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना ही उतरना पड़ सकता है। इसका कारण है कि बुमराह साल 2025 की शुरुआत में लगी चोट से अब तक नहीं उबरे हैं और इसी कारण वह अभ्यास सत्र भी बीच में ही छोड़कर चले गये थे। ऐसे में उनकी फिटनेस पर संशय बना हुआ है।

अभ्यास सत्र में, शुभमन गिल, साई सुदर्शन, रवींद्र जडेजा, यशस्वी जायसवाल, वाशिंगटन सुंदर और नितीश कुमार रेड्डी जैसे खिलाड़ी शामिल हुए। वहीं अभ्यास सत्र के दौरान बुमराह के घुटने पर पट्टी बंधी दिखी। बुमराह ने धीमी शुरुआत की और आधे घंटे तक अभ्यास किया। इस दौरान उन्होंने छोटा रन-अप किया और ड्रेसिंग रूम लौट गए।

वहीं अभ्यास सत्र के दौरान मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ ही सहयोगी स्टाफ में शामिल सीतांशु कोटक और मोर्ने मोर्कल भी थे। पहले टेस्ट में भारतीय टीम तीसरें नंबर पर किये उतारती है ये देखना होगा। इस नंबर के लिए साई सुदर्शन के साथ ही ध्रुव जुरेल भी कतार में हैं। शुभम गिल, यशस्वी जायसवाल और सुदर्शन ने नेट पर लंबे समय से अभ्यास किया। जिससे अंदाजा होता है कि उन्हें शामिल किया जा सकता है।

एशिया कप में खराब प्रदर्शन पर बोले हारिस, हम भी इंसान हैं रोबोट नहीं

लाहौर। श्रीलंका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में शानदार गेंदबाजी कर पाकिस्तान की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस राउप के दिल का गुब्बार फूट पड़ा। हारिस ने कहा कि भारत के खिलाफ एशिया कप के फाइनल में मिली हार के बाद टीम को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। जिससे ऐसा लगा कि लोग हमें इंसान नहीं रोबोट समझते हैं जिनसे कोई गलती न हो। हारिस ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रशंसकों का रवैया कठोर होता जा रहा है और वे इंसानों से रोबोट की तरह प्रदर्शन की उम्मीद करते हैं। हारिस ने श्रीलंका के खिलाफ पहले एकदिवसीय क्रिकेट मैच में चार विकेट लिए थे। , जिससे उनकी टीम छह रन से जीत हासिल करने में सफल रही। एशिया कप मैचों के दौरान आपत्तिजनक हाव-भाव के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछली सीरीज के दौरान इस गेंदबाज उन पर दो मैचों का प्रतिबंध लगाया गया था।

राउफ से जब पूछा गया कि वह भारत के खिलाफ एशिया कप फाइनल जैसे बड़े मैच में अच्छा प्रदर्शन क्यों नहीं कर पाते हैं तो उन्होंने कहा, "हमारे लिए कोई माफी नहीं होती। हमसे रोबोट की तरह प्रदर्शन करने की उम्मीद की जाती है पर हम भी इंसान हैं और हमारे लिए भी कोई दिन खराब हो सकता है।" एशिया कप फाइनल में 3.4 ओवर में 50 रन देकर सबसे महंगे गेंदबाज रहे हारिस ने कहा कि एक खिलाड़ी के लिए दिन खराब हो सकता है, क्योंकि आपकी रणनीति हमेशा सफल नहीं रहती।

उन्होंने कहा, "जरुरी बात है कि आप हार नहीं मानते और एक दिन बुरा होने पर निराश नहीं होते। हम केवल अपने कौशल पर विश्वास रखते हैं और गलतियों को सुधारने पर काम करते रहते हैं पर एक पेशेवर क्रिकेटर के तौर पर किसी भी गेंदबाज का दिन खराब हो सकता है।" प्रशंसकों की निराशा को लेकर उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात पर कभी संदेह नहीं करना चाहिए कि खिलाड़ियों ने खराब दिन होने के बावजूद भी अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास नहीं किया।

शोएब अख्तर ने सैम को भविष्य का स्टार खिलाड़ी बताया

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने युवा बल्लेबाज सैम अयूब की जकर प्रशंसा करते हुए कहा कि वह तीनों प्रारुपों का खिलाड़ी और भविष्य का सितारा है। अख्तर ने कहा कि पाकिस्तान टीम प्रबंधन और कोचिंग स्टाफ ने सैम पर पूरा भरोसा किया और उसे तैयार किया है जिसका लाभ अब दिखेगा। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, सैम अयूब के रूप में पाकिस्तान को बड़ा खिलाड़ी मिला है। साथ ही कहा कि जिसको स्टार बनना होता है, उसके लिए रास्ते खुल जाते हैं. जिसको वहां पहुंचना होता है, किस्मत वहां पहुंचा देती है।

अख्तर ने आगे ये भी बताया है कि वह तीनों फॉर्मेट का खिलाड़ी है. पाकिस्तान का अगला स्टार है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में सैम ने अच्छा खेल दिखाते हुए तीसरे एकदिवसीय में 77 रन की पारी खेलकर पाकिस्तान को 7 विकेट से जीत दिलायी थी। एकदिवसीय सीरीज में सैम ने तीन मैच में दो अर्धशतक के साथ ही 169 रन बनाए।

पहले एकदिवसीय में सैम ने 39 रन की पारी खेली थी। वहीं दूसरे एकदिवसीय में 53 रन बनाए थे। तीसरे एकदिवसीय में 77 रन की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई थी। इसके अलावा . टी-20 सीरीज में भी सैम ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए तीन मैच में सबसे अधिक 108 रन बनाए थे।

रोहित विजय हजारे ट्रॉफी में खेलेंगे

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा अब मुम्बई की ओर से विजय हजारे ट्रॉफी खेलने के लिए तैयार हो गये हैं। रोहित ने अपनी खेलने की जानकारी मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) को दे दी है। वहीं अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के इस टूर्नामेंट में खेलने पर संदेह है। रोहित और विराट से ऑस्ट्रेलिया सीरीज के बाद अभ्यास के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने को कहा गया था क्योंकि अब ये दोनो एक ही प्रारुप एकदिवसीय खेलते हैं जिससे इन्हे अभ्यास का अधिक अवसर नहीं मिल पाता है।

टेस्ट और टी-20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास लेने के बाद रोहित और विराट के लिए मैच फिटनेस बनाये रखना सबसे बड़ी समस्या है।टीम प्रबंधन और बीसीसीआई ने दोनों से कह दिया है कि अगर वनडे टीम में खेलना है तो घरेलू टूर्नामेंट में खेलना ही होगा। विजय हजारे ट्रॉफी अगले माह 24 दिसंबर से शुरु होगी। भारतीय टीम को इससे पहले 3 से 9 दिसंबर तक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज खेलनी है और इसके बाद 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। .

वहीं रोहित ने एमसीए को बताया है कि वह 26 नवंबर से शुरू होने वाले सैयद मुश्ताक अली टी-20 टूर्नामेंट में भी खेल सकते हैं। आजकल वह शरद पवार इनडोर अकादमी में अभ्यास कर रहे हैं। बीसीसीआई को उम्मीद है कि लंदन में रह रहे विराट भी घरेलू क्रिकेट खेलने भारत आएंगे।

अगर रोहित और विराट को टीम में बने रहना है, तो उन्हें घरेलू मैदान पर कड़ी मेहनत करनी होगी। इन दोनो का लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप खेलना है जिसके लिए इन्हें फिटनेस और फार्म बनाये रखना होगा। रोहित का प्रदर्शन ऑस्ट्रेलिया दौरे में अच्छा रहा था हालांकि विराट उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये थे।

संजू सैमसन को क्रिकेटर बनाने में पिता की अहम भूमिका रही

नई दिल्ली । विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन बचपन से आईपीएस अधिकारी बनना चाहते थे पर पिता चाहते थे कि वह क्रिकेटर बने। इसी कारण सैमसन ने क्रिकेट खेलना शुरु किया। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी करते हुए उनका रिकार्ड काफी अच्छा रहा है। उनके पिता दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल थे। उन्हें देखकर संजू आईपीएस अधिकारी बनना चाहते थे पर किस्मत उन्हें खेल के मैदान में ले आयी। वह अपने पिता के साथ दिल्ली के किंग्सवे कैंप में रहते थे। यहां संजू भी दूसरे बच्चों की तरह गली क्रिकेट खेला करते। घर के पास एक सड़क थी, जहां एक दिन संजू क्रिकेट खेलते हुए बोल्ड आउट हो गए।

जब पिता ने बेटे से पूछा कि वह बोल्ड कैसे हो गये तो संजू ने कहा कि सड़क पर एक गड्ढा था। बॉल उससे टकराकर नीचे रह गई थी। इसके बाद जब अगले दिन संजू स्कूल से वापस लौट रहे थे, तो देखा कि पिता उस गड्ढे को भर रहे हैं। इसके बाद पिता ने संजू से पूछा कि बेटा, अब तो गड्ढा नहीं है? इसके बाद संजू ने पिता के सपने को पूरा करने की ठान ली।

साल 2006 में संजू का चयन दिल्ली की अंडर-13 टीम में चयन नहीं हुआ तो वह निराश हो गये पर उनके पिता ने उन्हें क्रिकेटर बनाने नौकरी तक छोड़ दी और केरल वापस लौट गये। इसके बाद वह संजू को ट्रेनिंग देने लगे। उनकी मेहनत सफल रही और साल 2011 में संजू को ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में अवसर मिल गया। वह अगले ही साल लिस्ट-ए मुकाबले में भी उतरे। इसके बाद साल 2013 में संजू राजस्थान रॉयल्स की ओर से आईपीएल खेले।

अपने पहले ही सीजन में 11 मुकाबलों में 206 रन बनाने वाले संजू को आईपीएल 2014 में राजस्थान रॉयल्स ने 4 करोड़ में रिटेन किया। इस सीजन में उन्होंने 13 मुकाबलों में 339 रन जोड़े। साल 2015 में संजू को भारतीय टी20 टीम में जगह मिली।

संजू ने साल 2015 को अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला, जिसमें वह 19 रन बनाए, इसके बाद उन्हें अगला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का अवसर 5 साल बाद ही मिला। संजू आईपीएल में लगातार बेहतर प्रदर्शन करते रहे। साल 2021 में संजू को वनडे डेब्यू का भी मौका मिला। सैमसन ने अपने वनडे करियर में 16 मैच खेले, जिसमें 56.66 की औसत के साथ 510 रन बनाए। वहीं, 51 टी20 मुकाबलों में उनके नाम 3 शतक और 3 अर्धशतकों के साथ 995 रन दर्ज हैं।

फर्स्ट क्लास करियर में 39.27 की औसत के साथ 3,888 रन बना चुके संजू ने लिस्ट-ए क्रिकेट में 3,487 रन जुटाए हैं। 177 आईपीएल मुकाबलों में इस खिलाड़ी ने 4,704 रन बनाने के साथ 86 कैच लपके और 17 खिलाड़ियों को स्टंप आउट किया है।

नवंबर में ही कांपा मध्यप्रदेश

प्रदेश के 23 जिलों में शीतलहर का अलर्ट

भोपाल। बर्फीली हवाओं ने नवंबर की शुरुआत में ही मध्यप्रदेश को ठिठुरा दिया है। दिन में चल रही सर्द हवाएं और रात की ठिठुरन ने तापमान को लगातार नीचे गिरा दिया है। बीती रात प्रदेश के 11 शहरों में पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया। मौसम विभाग ने अगले चार दिन तक शीतलहर यानी कोल्ड वेव की चेतावनी जारी की है। बुधवार को भोपाल और इंदौर सहित 23 जिलों के लिए अलर्ट जारी हुआ है।

इस बार ठंड ने नवंबर में ही पिछले कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। भोपाल और इंदौर में पारा 25 साल में सबसे नीचे चला गया है। मौसम विभाग के वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि हिमालय क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) सामान्य से एक सप्ताह पहले सक्रिय हो गया। इसी कारण जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भारी बर्फबारी हो रही है, और उत्तरी हवा के रुख के चलते ठंडी लहरों का असर मध्यप्रदेश तक पहुंच गया है।

पूर्वी मध्यप्रदेश में भी दिखने लगा असर

अब तक ठंड का असर मुख्य रूप से प्रदेश के पश्चिमी हिस्से भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल और नर्मदापुरम संभागों में था, लेकिन अब जबलपुर, सागर, रीवा और शहडोल जैसे पूर्वी इलाकों में भी कड़ाके की सर्दी महसूस की जा रही है। सोमवार-मंगलवार की रात जबलपुर में सीजन की सबसे सर्द रात दर्ज हुई, जहां पारा 9.7 डिग्री रहा। भोपाल में 8.3, इंदौर में 8.4, ग्वालियर में 11 और उज्जैन में 11.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। सबसे ठंडा शहर राजगढ़ रहा, जहां पारा 8 डिग्री तक गिर गया।

शहर हिमाचल-उत्तराखंड से भी ठंडे

हैरानी की बात यह है कि जहां हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फ गिर रही है, वहीं मध्यप्रदेश के कई शहरों में तापमान शिमला, मसूरी और देहरादून से भी नीचे है। प्रदेश के इकलौते हिल स्टेशन पचमढ़ी में रात में तापमान 13.8 डिग्री और दिन में 23.6 डिग्री दर्ज किया गया। बैतूल, धार, रायसेन, सीधी और मलाजखंड में भी दिन का तापमान 27 डिग्री से कम रहा।

भरूच की केमिकल कंपनी में भीषण विस्फोट में 3 की मौत, 24 से ज्यादा घायल

भरूच। गुजरात के भरूच जिले के जीआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया में मंगलवार देर रात एक केमिकल कंपनी में भीषण विस्फोट हो गया। इस विस्फोट में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 24 से ज्यादा कर्मचारी घायल हो गए। घायलों को भरूच के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जिनमें से 4 से 5 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, जीआईडीसी स्थित 'विशाल फार्मा' नामक कंपनी में मंगलवार बौर बुधवार की दरमियानी रात करीब ढाई बजे बॉयलर फटने से धमाका हुआ। विस्फोट इतना भीषण था कि पूरी फैक्ट्री में आग लग गई और आसपास की अन्य कंपनियों की खिड़कियां तक टूट गईं।

उत्तराखंड कांग्रेस संगठन में फेरबदल, 27 नए जिला अध्यक्ष नियुक्त किए

नई दिल्ली। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने संगठन में बड़ा फेरबदल करते हुए उत्तराखंड में तत्काल प्रभाव से 27 नए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों की नियुक्ति की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अनुमोदन और महासचिव केसी वेणुगोपाल की तरफ से मंगलवार को घोषित इस फैसले के बाद उत्तराखंड पार्टी संगठन में बड़ा बदलाव किया है। कांग्रेस ने इस क्रम में भूपेंद्र सिंह भोज को अल्मोड़ा और अर्जुन चंद्र भट्ट को बागेश्वर की जिम्मेदारी सौंपी है। सुरेश डिमरी को चमोली और चिराग सिंह फर्त्याल को चंपावत का अध्यक्ष नियुक्त किया है। देहरादून शहर में डॉ. जसविंदर सिंह गोगी समिति का नेतृत्व करेंगे, जबकि गोविंद सिंह बिष्ट को हल्द्वानी शहर का प्रभार सौंपा गया है।

शहरी निर्वाचन क्षेत्रों में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिलेंगे, जहां अलका पाल को काशीपुर शहर और ममता रानी को रुद्रपुर शहर का प्रभार सौंपा है। उत्तम असवाल देवप्रयाग और मनोहर सिंह टोलिया डीडीहाट का नेतृत्व करेंगे। हरिद्वार जिले की जिम्मेदारी बालेश्वर सिंह को सौंपी है, जबकि अमन गर्ग को नगर इकाई की जिम्मेदारी दी गई है। विकास नेगी और मीना देवी को क्रमश: कोटद्वार और कोटद्वार नगर की जिम्मेदारी सौंपी है।

राहुल छिम्वाल नैनीताल, संजय किशोर पछवादून और मोहित उनियाल परवादून की जिम्मेदारी संभालेंगे। विनोद सिंह नेगी पौड़ी गढ़वाल, मुकेश पंत पिथौरागढ़ और दिनेश चौहान पुरोला की जिम्मेदारी संभालेंगे। दीपक किरोला रानीखेत, फुरकान अहमद रुड़की और राजेंद्र कुमार चौधरी रुड़की शहर की जिम्मेदारी संभालेंगे। कुलदीप कंडारी रुद्रप्रयाग, मुरारी लाल खंडवाल टिहरी गढ़वाल, हिमांशु गाबा उधमसिंह नगर और प्रदीप सिंह रावत उत्तरकाशी की जिम्मेदारी संभालेंगे। यह पुनर्गठन ऐसे समय में हो रहा है जब कांग्रेस उत्तराखंड में अपने संगठनात्मक ढांचे का पुनर्निर्माण करना चाहती है, जहां उसे हाल के वर्षों में चुनावी झटकों का सामना करना पड़ा है।

एआईसीसी ने नवनियुक्त अध्यक्षों को सदस्यता अभियान शुरू करते हुए तुरंत ब्लॉक और मंडल समितियों का गठन करने का निर्देश दिया है। जवाबदेही तय करने के लिए नियमित रूप से प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी। यह संगठनात्मक बदलाव कांग्रेस आलाकमान की पहाड़ी राज्यों में अस्थायी हस्तक्षेप के बजाय संरचनात्मक पुनरुद्धार के माध्यम से खोई हुई ज़मीन वापस पाने की मंशा का संकेत देता है।

छात्रों से मारपीट पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी–

हम एक देश हैं, हिंदी थोपना या लुंगी का मजाक उड़ाना बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में केरल के दो छात्रों से मारपीट की घटना पर गहरी चिंता जाहिर की है। मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा, कि भारत एक देश है, जहां सभी भाषाएं, संस्कृतियां और परंपराएं समान रूप से सम्मानित हैं। किसी को हिंदी बोलने के लिए मजबूर करना या पारंपरिक पोशाक 'लुंगी' का मजाक उड़ाना अस्वीकार्य है।

यह टिप्पणी जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने मंगलवार को उस दौरान की, जब 2015 में दायर एक याचिका पर सुनवाई चल रही थी। यह याचिका अरुणाचल प्रदेश के छात्र नीडो तानिया की दिल्ली में हुई मौत के बाद दायर की गई थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने हाल ही में घटी एक घटना का जिक्र किया, जिसमें दिल्ली के जाकिर हुसैन कॉलेज के दो प्रथम वर्ष के छात्रों को हिंदी बोलने के लिए मजबूर किया गया और लुंगी पहनने पर उनका मजाक उड़ाया गया। यह घटना लाल किले के पास हुई थी। दोनों छात्रों को स्थानीय लोगों और पुलिस ने पीटा।

कोर्ट ने इस पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा, हम एक देश हैं। सांस्कृतिक या भाषाई भिन्नता के कारण किसी के साथ दुर्व्यवहार अस्वीकार्य है। यह दुखद है कि लोग आज भी नस्लीय या सांस्कृतिक भेदभाव का शिकार हो रहे हैं। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि उसे सांस्कृतिक और नस्लीय भेदभाव के मामलों को गंभीरता से लेना चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

सीबीआई ने दो ठग अजीत और मिंकू को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दो कथित ठगों अजीत कुमार पात्रा और मिंकू लाल जैन को गिरफ्तार किया है, जो वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और निजी लोगों के नाम पर फर्जीवाड़ा और रिश्वतखोरी का गिरोह चला रहे थे। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पात्रा ने जैन के साथ मिलीभगत कर कई सरकारी विभागों, मंत्रालयों, प्रवर्तन एजेंसियों और न्यायिक संस्थाओं के उच्च अधिकारियों का रूप धारण किया और लोगों को धोखा दिया। सीबीआई प्रवक्ता ने कहा कि उन्होंने झूठी पहचान का इस्तेमाल करके अवैध तरीके से लाभ हासिल किए और रिश्वत के रूप में पैसा लिया।

कमल हासन की पार्टी एमएनएम ने मांगा कॉमन सिंबल, चुनाव आयोग को सौंपी 10 प्रतीकों की सूची

नई दिल्ली। अभिनेता से राजनेता बने कमल हासन की पार्टी मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) ने 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव से पहले कॉमन इलेक्शन सिंबल (समान चुनाव चिन्ह) की मांग की है। पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली पहुंचकर चुनाव आयोग को औपचारिक आवेदन सौंपा है, जिसमें 10 पसंदीदा चुनाव प्रतीकों की सूची शामिल है। एमएनएम ने इस संबंध में मंगलवार को कहा, कि पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टी को टॉर्च (बैटरी) का चिन्ह आवंटित किया गया था, लेकिन इस बार वह सभी उम्मीदवारों के लिए एक समान प्रतीक चाहती है ताकि मतदाताओं में भ्रम न हो और पार्टी की पहचान पूरे राज्य में एक जैसी बनी रहे। पार्टी नेताओं ने कहा कि एक स्थायी सिंबल मिलने से प्रचार रणनीति और चुनावी पहचान को मजबूत करने में मदद मिलेगी। गौरतलब है कि मक्कल नीधि मय्यम वर्तमान में तमिलनाडु की सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) की सहयोगी है। हालांकि 2021 के विधानसभा चुनाव में एमएनएम को कोई उल्लेखनीय सफलता नहीं मिली थी, परंतु पार्टी राज्य में अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने में जुटी है।

आईटी विभाग की बड़ी कार्रवाई :गांधीनगर में बीएनजेडी के संस्थापक संजय गजेरा के घर और ऑफिस पर छापा

गांधीनगर। गांधीनगर में आज सुबह आयकर विभाग ने तीन स्थानों पर छापेमारी की है। इनमें भारतीय नेशनल जनता दल (बीएनजेडी) पार्टी के संस्थापक संजय विठ्ठलभाई गजेरा के घर और दफ्तर पर भी छापे मारे गए हैं। जानकारी के अनुसार, सुबह-सुबह आईटी टीम उनके गांधीनगर के सेक्टर-26 स्थित किसान नगर निवास पर पहुंची और वहां तलाशी शुरू की। संजय गजेरा की पार्टी भारतीय नेशनल जनता दल ने 957 करोड़ रुपये की आय दिखाई है, जिसके चलते यह देश की सबसे अधिक आय वाली राजनीतिक पार्टी मानी जा रही है — एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट के अनुसार। आयकर विभाग ने यह कार्रवाई राजनीतिक दलों को मिले फंड की जांच के सिलसिले में की है। रिपोर्ट के मुताबिक, गुजरात में कई ऐसे राजनीतिक दल हैं जो रजिस्टर्ड तो हैं, लेकिन मान्यता प्राप्त नहीं हैं यानी ये दल चुनाव आयोग में पंजीकृत हैं, परंतु चुनावों में कम मत मिलने के कारण इन्हें मान्यता नहीं मिली है। गुजरात के ऐसे पांच 'अमान्य' दलों की आय को लेकर विवाद खड़ा हुआ है।

पद्मेश न्यूज
शहरनामा

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

ऊफ यह अराजकता! गर्रा रेलवे क्रॉसिंग के जाम से कब निजात मिलेगी ?

कार, छोटे मालवाहक और स्कूल बसों के प्रवेश पर सख्ती से प्रतिबंध लगे

ट्रेन आने - जाने के वक्त भयंकर जाम रहती है! कोई पुलिस - यातायात कर्मी की नहीं रहती व्यवस्था! दिखावे के लिए बेरीकेडिंग है! इस व्यस्ततम सड़क के अधिकांश तिराहे, चौराहों और क्रासिंग में लग रहा लंबा जाम

पद्मेश न्यूज। विशेष।

बालाघाट से वारासिवनी, नागपुर और सिवनी- जबलपुर मार्ग पर गर्रा रेलवे क्रासिंग इन दिनों अराजकता का अड्डा है! यहाँ पर कार, स्कूल बस और छोटे मालवाहक वाहनों ने भयंकर जाम लगाना जारी रखा है। कोई भी वाहन डेंजर रोड से होकर शहर नहीं आना चाहता. सब के सब सीधे सीधे रेलवे क्रासिंग पार कर बालाघाट आना चाहते हैं.प्रतिबन्ध के बावजूद कार चालक तो सबसे ज्यादा संख्या में यहाँ से रास्ता जाम कर व्यवस्था बिगाड़ने का काम करते हैं. पुलिस इन्हें रोकती भी नहीं! महज दिखावे के लिए बैनगंगा छोर और सिविल लाइन्स दुर्गावती चौक में रस्मो रिवाज के लिए बेरीकेंडिंग कर के रखा है। पुलिस को वहाँ पर ट्रेनों के आने जाने के समय में पुलिस और यातायात कर्मी रख व्यवस्था बनानी चाहिए।

शहर के इस व्यस्ततम मार्ग पर पड़ने वाले तिराहे और चौराहों में अक्सर जाम की स्थिति बनते हुए देखी जा रही है, इसमें शहरी वाहन फंसकर करहता हुआ नजर आता है.ऐसा ही गर्रा नाके के उस तरफ के हाल हैं। जहां पर लम्बे समय से नागरिकों को जाम जैसे परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसको लेकर हर एक नागरिक यही कहते हुए दिखाई देता है कि ऊफ यह जाम, इससे कब मिलगा आराम!

दुर्गावती चौक वाले मार्ग से जब भी नागरिकों की आवाजाही होती है, तो सबसे पहले नागरिक यह विचार करते हैं कि क्रासिंग पर जाम न लगा हो, लेकिन ऐसा कोई घंटा नहीं होता है कि जब इस क्रासिंग पर जाम न लगता हो, यानि गर्रा नाका क्रासिंग को लेकर यह कहा जा सकता है कि यह जाम वाला क्रासिंग है, यहां से निकलना आसान नहीं है। इस वजह से इस मार्ग से आवाजाही करने वाले नागरिक कभी भी गंतव्य स्थान के लिए समय पर नहीं पहुंच पाते हैं।

नियमित रूप से नहीं है पुलिस की व्यवस्था

नागरिकों का यह भी कहना है कि नियमित रूप से यहां पर पुलिस विभाग के द्वारा यातायात को कन्ट्रोल करने के लिए पुलिस कर्मियों को ड्यूटी लगाना चाहिए, नियमित रूप से यातायात को कन्ट्रोल करने के लिए ड्यूटी न होने के कारण यहां की यातायात व्यवस्था बेपटरी है, अगर ड्यूटी है तब भी पुलिस कर्मी यहां दिखाई नहीं देते हैं।या तो साइड में बैठकर टाइम पास करते दिखेंगे या फिर उनको किसी को रोकने का मं नहीं करता. सब अराजकता से यहाँ से आवागमन और परिवहन करते हैं। यातायात और यहाँ पर लगने वाले जाम से नागरिकों की निजात दिलाने के लिए कभी भी ईमानदारी से कुछ नहीं किया गया है।

कई बार किए गए प्रयास, नहीं हुआ सुधार

पुलिस विभाग के द्वारा कभी कभार गर्रा नाका रेलवे क्रॉसिंग पर जाम को लेकर कई बार तरह-तरह की एक्सरसाईज की गई, यानि की चौराहे से क्रासिंग को भी बंद किया गया और चौराहे को टू-वे भी किया गया, फिर भी जाम जैसे हालात से छुटकारा नहीं मिला. यानि यह कह सकते हैं कि चौराहे के चीचों बीच बैरिकेटस लगाए गए और एक तरफ से आना और एक तरफ से जाना किया गया, फिर भी यहां पर जाम लगना बंद नहीं हुआ। प्रारम्भ में यातायात को कन्ट्रोल कर आवागतन को सुचारू किया गया, नागरिकों को आवाजाही में हो रही परेशानी नरक बन गया गर्रा नाका रेलवे क्रासिंग का जाम।

अतिशीघ्र गर्रा नाके पर कार्य पूर्ण कराने की मांग

नागरिकों के द्वारा गर्रा क्रासिंग पर लगने वाले जाम से निजात पाने के लिए मार्ग को चौड़ा करने सहित अतिक्रमणी की सख्ती के साथ हटाने की मांग की जा रही है, नागरिकों का कहना है कि यह मार्ग अत्यत व्यस्तम मार्ग है, इसलिए इस मार्ग का चौड़ीकरण होना अत्यंत आवश्यक हो गया है।

बहरहाल, गर्रा रेलवे क्रॉसिंग पर केवल मोटरसाईकिलों के आवागमन की व्यवस्था है जिसे कार और छोटे वाहन चालकों द्वारा वहाँ पर अपने वाहन घुसा कर आवागमन को दुरूह किया जाता है और किनारे बैठे पुलिस के जवान केवल ड्यूटी बजाते नजर आते हैं. वे अन्य डायवर्ट मार्ग डेंजर रोड की तरफ वाहनों को न् भेजकर व्यवस्था बिगाड़ने के कृत्य में भागीदार बनते हैं.यहाँ से कारों और छोटे वाहनों का प्रवेश सख्ती से बंद करना चाहिए ताकि आम नागरिकों को सरलता से आवागमन की सुविधा हासिल हो सके।

न्यूज गैलरी

पानी मे डूबने से मृतक के वारिसों को सहायता राशि मंजूर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लामता तहसील के ग्राम भोंडवा के निवासी विपत की 23 जुलाई 2025 को तालाब के पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने के कारण बालाघाट के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गोपाल सोनी ने राजस्व पुस्तक परिपत्र 06-04 के प्रावधानों के तहत मृतक के भाई धरमलाल एवं भाभी सावित्री पिता को 02-02 लाख रुपये (कुल 04 लाख) रकी सहायता राशि मंजूर की है। लामता तहसीलदार को निर्देशित किया गया है कि कोषालय में देयक प्रस्तुत कर खाते में ई-पेमेंट से 02-02 लाख रुपये की राशि शीघ्र जमा कराए।

मोटरसाइकिल की टक्कर से स्कूटी सवार महिला घायल

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। नगर समीप भरवेली रोड पर स्थित ओजस स्कूल के पास मोटरसाइकिल ने स्कूटी को पीछे से ठोस मार दी। इस सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल की ठोकर से स्कूटी

सवार महिला घायल हो गई। घायल महिला रामेश्वरी पति अमित नायडू 39 वर्ष बाईपास सरेखा वार्ड नंबर 5 निवासी है जिसे जिला अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रामेश्वरी नायडू भरवेली रोड स्थित सुदर्शन फाइनेंस में अकाउंटेंट है। 12 नवंबर को रामेश्वरी नायडू स्कूटी में सुदर्शन फाइनेंस आई थी और अपना काम निपटाना के बाद दोपहर 2:00 बजे करीब रामेश्वरी नायडू स्कूटी में अपने घर सरेखा बाईपास जा रही थी। तभी ओजस स्कूल के पास पीछे से तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल में स्कूटी को ठोस मार दी। मोटरसाइकिल की ठोकर से रामेश्वरी नायडू स्कूटी सहित गिरने से घायल हो गई ।जिनका एक पैर फैक्चर हो गया। घायल रामेश्वरी नायडू को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद रामेश्वरी नायडू को नगर के निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है।

एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम संपन्न

पद्मेश न्यूज ।बालाघाट। 12 नवम्बर को बालाघाट की संस्थाओ द्वारा एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में शिवनारायण पटेल (राज्य सलाहकार ज.अ.प.), सरदार अजीत सिंह (अशासकीय सदस्य ज.अ.प.), रवि प्रसाद बर्मन (संभाग समन्वयक ज.अ.प. जबलपुर), सुशील बर्मन (जिला समन्वयक बालाघाट) सभी विकासखंड समन्वयक, समस्त नवांकुर संस्थाओ, परामर्शदाता (विकासखंड बालाघाट), कार्यालय स्टाफ की उपस्थिति रही।

मंडई का चंदा न देने पर खुरसुड़ के ग्रामीणों का हुआ सामाजिक बहिष्कार

ग्रामीणों ने एसपी कार्यालय में सौंपा ज्ञापन, न्याय की गुहार लगाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मानव समाज आज 21वी सदी में जी रहा है।आज के इस दौर में मानव जाति जहां एक ओर चांद पर घर बसाने ने का दावा कर रही है, तो वहीं दूसरी ओर आज भी हमारा समाज छोटी मोटी बातों में आकर सामाजिक बहिष्कार जैसे तुगलकी फरमान सुनाने से पीछे नही हट रहा है।जहां सबसे ज्यादा सामाजिक बहिष्कार ग्रामीण अंचलों में देखने को मिल रहा है।जहां लोग छोटी-छोटी बातों पर, किसी के भी बहकावे में आकर किसी का भी हुक्का पानी बंद कर, उसका समाज से बहिष्कार कर देते है। समाज से बहिष्कृत किए जाने का एक ऐसा ही ताजा मामला रूपझर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम खुरसुड़ में सामने आया है।जहा परमात्मा एक को मानने वाले लोगो ने कुछ ग्रामीणों पर मंडई का चंदा ना देने पर उनका सामाजिक बहिष्कार किए जाने का आरोप लगाया है।जहां गांव में बैठक बुलाकर सामाजिक बहिष्कार का फरमान सुनाने वालो ग्रामीणो पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग पीड़ितों द्वारा की गई है।जिन्होंने अपनी इसी मांग को लेकर एसपी कार्यालय में एक ज्ञापन सौंपते हुए मामले की जांच कर उन्हें इंसाफ दिलाने की गुहार लगाई है।

दुकानदार भी नहीं दे रहे सामान, हमारी गाय चराने पर भी लगाई है पाबंदी

बहिष्कार किए जाने के इस मामले को लेकर एसपी कार्यालय में इंसाफ की गुहार लगाने पहुंचे थाना रूपझर ग्राम खुरसुड़ निवासी कृपाल सिंह, राम प्रसाद मेश्राम, दीप सिंह, अशोक बोमचेर और सावन कोर्राम ने संयुक्त रूप से बताया कि वे लोग परमात्मा एक को मानते हैं।इसलिए गांव के कुछ लोग उनसे नाराज हैं इसलिए घर पर आना-जाना नहीं करते और दूसरों को भी घर आने जाने देते वही किसी कार्यक्रम में हमें बुलाने से रोकते हैं। यहां तक की हमारा सामाजिक बहिष्कार कर हुक्का पानी बंद कर दिया गया है। गांव में दुकानदार भी हमें सामान नहीं दे रहे हैं।यहां तक की गांव के चारागाह में हमारी गाय को चराने पर भी पाबंदी लगा दी गई है।

हुक्का पानी बंद करने का सुनाया है फरमान-कृपाल सिंह

आवेदक कृपाल सिंह ने बताया कि गांव के ज्यादातर लोगों को हमसे कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन कुछ लोग हमारी आस्था को ठेस पहुंचाने का काम कर रहे हैं। हम परमात्मा एक को मानते हैं, तो वे लोग कहते है कि परमात्मा एक को क्यों मानते हो, इसके पूर्व हम सभी के घर में आते-जाते थे, लोग भी हमारे घर में आते आते थे।लेकिन उन्होंने लोगों का आना-जाना बंद करा दिया है। हमें निमंत्रण देने को भी मना किया गया है ।यहां तक कि हमारे घर में मैयत हुई तो गांव का कोई भी व्यक्ति नहीं आया,कुछदिन पूर्व जब मड़ई के चंदे के लिए लोग आए, तो हमने भी चंदा देने से मना कर दिया, तो गांव में बैठक बुलाकर उन्होंने हमारा हुक्का पानी बंद करने का फरमान सुनाया है। जिसके बाद से दुकानदार भी हमें दुकान से सामान नहीं दे रहा है, गांव के दुकानदार से सामान लेने जाओ तो वह मना कर देता है, बोलता है कि अगर तुम्हें सामान देंगे तो 5000रु का जुर्माना लगेगा।10 रु का भी सामान देंगे तो हम 5हजार का जुर्माना कहां से भरेंगे।यहां तक कि हमारी गाय चराने पर भी पाबंदी लगा दी गई है।इसीलिए आज हम एसपी कार्यालय आए हैं। हमारी मांग है कि मामले में सम्बधितों पर वैधानिक कार्यवाही कर हमें इंसाफ दिया जाए।

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस में रिपोर्टर्स और डिप्टी एडिटर्स को अवसर

संपादकीय टीम और
न्यूज रूम में
हम भर्ती कर रहे हैं !!
हमारी टीम में शामिल हों !!

हिन्दी दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस को ऐसे उप-संपादकों, सिटी रिपोर्टरों (सिटी डेस्क) की तलाश है जो समाचारों के प्रति जुनूनी हों और बुनियादी बातों से आगे बढ़कर मूल्यवर्धन करना जानते हों । हिन्दी भाषा का ज्ञान हो, किताबों में रूचि हो और तथ्यों को खबरों में बदलना आता हो !! ना भी आता हो तो भी ! हद दर्जे का जिज्ञासु होना जरूरी है !!

हम चाहते हैं-
हिन्दी समाचार लेखन में दक्षता और अपने समाचारों के फोटो वीडियो बनाने की क्षमता
समाचार के मूल्य, शीर्षकों और प्रस्तुति की गहरी समझ
रिपोर्टिंग और डिज़ाइन टीमों के साथ सुचारू रूप से समन्वय करने की क्षमता
यदि आप एक रचनात्मक और जिम्मेदार पत्रकार हैं या पत्रकारिता में आना चाहते हैं और सार्थक शहरी कहानियों, खबरों, हलचलों,घटनाओं, को आकार देना चाहते हैं, तो हमें आपसे संपर्क करने में खुशी होगी।
आप हमारी टीम का हिस्सा बन सकते हैं !
अपना रिज्यूमे इस पते पर भेजें
[balaghatexpress@gmail.com]
स्थान-बालाघाट एक्सप्रेस, काली पुतली चौक,बालाघाट

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :**9425138710**,
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट